{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शनिवार 17 जनवरी 2026
माघ कृष्ण 15 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 116
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	83,570.35
निफ्टी	-	25,694.35
सोना	-	1,43,400
चांदी	-	2,92,000
डॉलर	-	90.74

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव परिणाम :

29 में से 25 निगमों में भाजपा

ठाकरे भाइयों के गढ़ में खिला कमल, लातूर में कांग्रेस ने 70 में से 43 सीटें जीतीं, 45 साल में पहली बार... मुंबई पर भाजपा की बादशाहत, मालेगांव में ओवैसी किंगमेकर

मुंबई, । महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों के लिए 15 जनवरी को हुए मतदान के बाद शुक्रवार को परिणामों की घोषणा की गई। मुंबई महानगरपालिका का चुनाव राजनीतिक रूप से ऐतिहासिक मोड़ लेकर आया है। भाजपा महायुति गठबंधन की शानदार जीत और भाजपा-कमल का इस बड़े स्थानीय प्रशासन में प्राथमिकता पाना यह संकेत देता है कि महाराष्ट्र की शहरी राजनीति में बीजेपी की पकड़ मजबूत हो रही है। यह परिणाम आने वाले समय में शहरी योजनाओं, स्थानीय प्रशासन और शहर के विकास की दिशा पर गहरा असर डाल सकता है। शुक्रवार को राज्य के 29 महानगरपालिकाओं के चुनाव परिणाम सामने आए और एग्जिट पोल के अनुमान काफी हद तक सही साबित हुए हैं, जिसमें बीजेपी के नेतृत्व वाली महायुति ने इन चुनावों में निर्विवाद दबदबा बनाया है। भाजपा महायुति ने 25 महानगरपालिकाओं में सत्ता हासिल की, जिससे ठाकरे भाइयों और पवार चाचा-भतीजे की जोड़ी को बड़ा झटका लगा। बीजेपी और शिवसेना का दबदबा खासकर मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन और राज्य के अन्य प्रमुख शहरों में साफ तौर पर दिखा। मुंबई महानगरपालिका में, महायुति ने निर्णायक बढ़त और स्पष्ट बहुमत हासिल किया। बीजेपी 90 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, जबकि शिवसेना को 28 सीटें मिलीं। उद्धव बालासाहेब ठाकरे समूह, जो मराठी मुद्दे पर एकजुट हुआ था, उसे 57 सीटों से संतोष करना पड़ा, जबकि राज ठाकरे की मनसे को 9 सीटें मिलीं। हालांकि कांग्रेस ने अप्रत्याशित रूप से 15 सीटें जीतीं। वहीं एनसीपी के दोनों गुटों का प्रदर्शन सीमित रहा। मुंबईकरों ने सड़क, रेलवे, मेट्रो, रीडेवलपमेंट, स्वच्छता और पानी की आपूर्ति जैसे मुद्दों पर भाजपा महायुति पर भरोसा दिखाया, और गठबंधन बहुदलीय मुकाबले में भी विजयी रहा। उधर मुंबई से सटे ठाणे मनपा में, शिवसेना शिंदे को 55 सीटें और बीजेपी को 25 सीटें मिलीं, जिससे सत्ता पर उनकी पकड़ मजबूत हुई। नवी मुंबई में, बीजेपी ने 66 सीटें जीतकर अकेले सत्ता बनाने का रास्ता साफ कर दिया। शिवसेना शिंदे को यहां 42 सीटें मिलीं।

बीएमसी में भाजपा गठबंधन को बहुमत

बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) की 227 सीटें हैं। मेयर के बहुमत का आंकड़ा 114 का होता है। अभी तक के रुझानों के लिहाज से भाजपा को 90 सीटें और शिंदे की शिवसेना को 28 सीटों पर बढ़त है या फिर जीत मिल चुकी है। इस तरह महायुति को 118 सीटों मिलती दिख रही है। ऐसे में भाजपा के खेमे में खुशी का माहौल है। वहीं, उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) को 63 सीटों पर बढ़त है या फिर जीत दर्ज कर चुकी है। कांग्रेस 12 सीट पर आगे है तो मनसे के 6 उम्मीदवार आगे चल रहे हैं। इसके अलावा अजित पवार की एनसीपी एक सीट और अन्य पार्टी के उम्मीदवार 9 सीट पर आगे हैं। इसके चलते भाजपा आसानी से अपना मेयर मुंबई में बना सकती है।

45 साल के बाद भाजपा का मुंबई पर कब्जा

भारतीय जनता पार्टी का गठन 1980 में हुआ है। इस तरह 45 साल के बाद पहली बार मुंबई के बीएमसी चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। बीएमसी में भाजपा का जलवा दिख रहा है। ऐसे में भाजपा मुंबई में अपनी सरकार बनाने की स्थिति में खड़ी नजर आ रही है। भाजपा मुंबई में पहली बार अपना मेयर बनाने की पोॅजिशन में पहुंच गई है। पिछली बार 2017 में हुए बीएमसी चुनाव में भाजपा ने 82 सीटें जीती थी और शिवसेना को 84 सीटें मिली थीं। हालांकि, महाराष्ट्र में गठबंधन की सरकार होने के चलते भाजपा ने शिवसेना को समर्थन कर दिया था, लेकिन इस बार सियासी बाजी पलट दी। मुंबई के बीएमसी चुनाव में भाजपा ने शिंदे की पार्टी शिवसेना साथ मिलकर चुनाव लड़ा और ठाकरे ब्रदर्स की जोड़ी को सियासी धूल चटा दी। भाजपा ने 2017 के बीएमसी चुनाव से 8 सीटें ज्यादा जीतती दिख रही है जबकि उद्धव ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) को 19 सीटें कम मिलती दिख रही। इतना ही नहीं उद्धव विपक्ष के साथ मिलकर भी अपना मेयर बनाने की स्थिति में नहीं है और भाजपा की स्थिति साफ हो गई है।

लॉटरी सिस्टम से तय होगा मुंबई का मेयर

बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी)का मेयर किस कैटेगरी का होगा इसे लॉटरी सिस्टम से तय किया जाएगा। जैसे यह सीट महिला, ओबीसी या एससी होगी या ओपन रहेगी इसका फैसला चुनाव आयोग लाटरी सिस्टम के माध्यम से करेगा। महाराष्ट्र के मुंबई को आखिरकार चार साल बाद मेयर मिलने जा रहा है। मुंबई के मेयर का पद संभालने वाली आखिरी शख्स शिवसेना की किशोरी पेडनेकर थीं, जिन्होंने 22 नवंबर, 2019 से 8 मार्च, 2022 तक यह पद संभाला था, हालांकि, तब शिवसेना उद्धव और शिंदे के बीच बंटी नहीं थी। लेकिन अब शिवसेना दो धड़ों में बट चुकी है और शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने भाजपा के साथ मिलकर बीएमसी का चुनाव लड़ा और उद्धव ठाकरे के अगुवाई वाली शिवसेना (यूबीटी) ने राज ठाकरे की मनसे के साथ मिलकर किस्मत आजमाई। मुंबई में भाजपा और शिंदे की शिवसेना को प्रचंड बहुमत मिलता दिख रहा है। भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, जिसके चलते अब पार्टी अपना मेयर बनाने की स्थिति में पहुंच गई है। भाजपा पहली बार मुंबई में अपना मेयर बनाएगी, लेकिन सवाल यही है कि बीएमसी की कमान पार्टी किसे सौंपेगी। हालांकि, भाजपा एक बात साफ कर चुकी है कि उसका मेयर मराठी समुदाय का ही होगा। बीएमसी चुनाव में भाजपा के तमाम बड़े नेता पार्षद चुने गए हैं, जिन्हें नगर सेवक भी कहा जाता है। भाजपा के दिग्गज नेता किरीट सोमैया के बेटे नील सोमैया दूसरी बार पार्षद चुने गए हैं। इसके अलावा बीएमसी चुनाव में तेजस्वी घोसालकर ने जीत हासिल कर ली है। उन्होंने दहिसर सीट से जीत हासिल की है। बीएसी चुनाव से करीब एक महीने पहले तेजस्वी ने शिवसेना (यूबीटी) गुट को छोडक़र भाजपा का दामन थाम था।

खास खबर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के काफिले की गाड़ी में बैठने के दौरान कॉन्स्टेबल घायल

जयपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एक दिवसीय राजस्थान दौरे पर जयपुर पहुंचीं। अपने दौरे के दौरान राष्ट्रपति सीकर रोड स्थित नींदड़ हाउसिंग स्कीम, हरमाड़ा में आयोजित 1008 कुंडीय हनुमान महायज्ञ में शामिल हो रही हैं। राष्ट्रपति का काफिला जैसे ही जयपुर एयरपोर्ट से बाहर निकला गाड़ी में बैठने के दौरान एक कॉन्स्टेबल का पैर फिसल गया और उसके सिर में चोट लग गई। राष्ट्रपति मुर्मू के जयपुर आगमन और वीआईपी मूवमेंट को देखते हुए शहर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, वहीं दोपहर बाद कई प्रमुख सड़कों पर ट्रैफिक डायवर्ट किया गया। इसी बीच राष्ट्रपति का काफिला निकलने के दौरान एक हादसा हो गया। दरअसल जयपुर एयरपोर्ट से बाहर निकलते समय राष्ट्रपति की गाड़ी में बैठने के दौरान गवर्नर सिक्योरिटी में तैनात कॉन्स्टेबल गिरिराज अचानक फिसलकर सड़क पर गिर गए।

बीजेपी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया का आधिकारिक कार्यक्रम जारी किया

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया का आधिकारिक कार्यक्रम जारी किया है। बीजेपी पार्टी के अनुसार, नामांकन प्रक्रिया 19 जनवरी 2026 को पूरी की जाएगी, जबकि 20 जनवरी 2026 को नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम की औपचारिक घोषणा होगी। यह चुनावी प्रक्रिया पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने और आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए नेतृत्व को तैयार करने की दिशा में अहम मानी जा रही है। कार्यक्रम के अनुसार, सोमवार (माघ शुक्ल प्रतिपदा, संवत 2082) को दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक नामांकन दाखिल किए जा सकते है।

आज इंदौर आएंगे लोकसभा में नेताप्रतिपक्ष, एक घंटे रुकेंगे भागीरथपुरा बस्ती में

इंदौर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी शनिवार को इंदौर आएंगे। वे भागीरथपुरा जाकर मृत लोगों के परिजनों से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा वे मनरेगा योजना का नाम बदले जाने को लेकर गांधी प्रतिमा पर होने वाले विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। राहुल गांधी गांधी प्रतिमा पर मौन उपवास करेंगे। राहुल गांधी सुबह इंदौर आएंगे और दोपहर तक इंदौर में रहेंगे। उनके आगमन से पहले इंदौर में एसपीजी की टीम भी आ गई। राहुल गांधी के भागीरथपुरा बस्ती में एक घंटे तक रूकने का कार्यक्रम है।

पंचायत सचिवों के सम्मेलन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की घोषणा...

पंचायत सचिवों को 62 वर्ष में होगा रिटायरमेंट

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सच्चे अर्थों में भारत की आत्मा गांवों में वास करती है। महात्मा गांधी का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अगर भारत को आगे बढ़ाना है तो गांव, किसान और गरीब की प्रगति पर ध्यान देना होगा, देश अपने आप आगे बढ़ जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बेरोजगारों के हाथों में काम देकर उनके सपनों को साकार करने का प्रयास कर रही है। ग्रामीण अंचलों में छोटे-छोटे कारखाने और उद्योग लगेंगे तो देश स्वत÷ प्रगति करेगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि गरीब, महिला, युवा और किसान इन चार वर्गों को केंद्र में रखकर आत्मनिर्भर भारत की दिशा में काम किया जा रहा है।

सीएम ने कहा कि पंचायती राज व्यवस्था में सबसे मजबूत इकाई पंचायत है और उसकी आत्मा पंचायत सचिव हैं। चाहे कितना ही बड़ा आईएएस अधिकारी क्यों न हो, प्रधानमंत्री या राज्य सरकार का निर्णय-सबका वास्तविक क्रियान्वयन पंचायत स्तर पर ही होता है। उन्होंने कहा कि भगवान राम के समय जो असंभव कार्य हनुमान जी करते थे, आज वही काम हमारे पंचायत सचिव करते हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना, जल गंगा अभियान, हर घर जल योजना और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन पंचायत सचिवों के माध्यम से ही होता है। कई बार लोग अपने परिवार से अधिक भरोसा पंचायत सचिव पर करते हैं और उन्हें अपने सुख-दुख का सहभागी मानते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पंचायत सचिवों के लिए कई अहम घोषणाएं कीं। जिसके तहत पंचायत सचिवों की सेवानिवृत्ति आयु अब 62 वर्ष होगी। 13 सितंबर 2023 से सातवें वेतनमान के आदेश जारी किए जा चुके हैं। पंचायत सचिवों को 1300 का विशेष भत्ता दिया जाएगा। सचिव की मृत्यु के बाद डेढ़ लाख रुपए की अनुग्रह राशि दस किश्तों में वापस लेने का नियम समाप्त किया जाएगा, अब यह राशि वापस नहीं ली जाएगी। संविलियन के लिए कमेटी बनाई जाएगी, जिसके परिणाम जल्द आएंगे।

पंचायत सचिवों की भूमिका अहम

मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्ष 2026 को कृषि कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है, जिसमें 16 विभागों को जोड़ा गया है। इन सभी योजनाओं को हितग्राहियों तक पहुंचाने में पंचायत सचिवों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। डिजिटल युग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भले ही दुनिया में डरावने हालात दिखते हों, लेकिन गांवों ने कोविड काल से लेकर अब तक हर चुनौती का मजबूती से सामना किया है।

अनुकम्पा नियुक्ति पर न्यायालय में पहल

पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने बताया कि समयमान वेतनमान का आदेश 2025 में जारी हो चुका है, अलग से आदेश की आवश्यकता नहीं है। अनुकम्पा नियुक्ति में पिछड़ा वर्ग आरक्षण के कारण उत्पन्न संकट को लेकर मामला न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

सांसद चंद्रशेखर के करीबी की ड्रग फैक्ट्री पर छापामार कार्रवाई, एमडी ड्रग, बंदूक और 91 जिंदा कारतूस बरामद

-चंदन की लकड़ियां और दो मोर भी हुए बरामद

रतलाम। मध्यप्रदेश के रतलाम जिले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एमडी ड्रग बनाने की एक अवैध फैक्ट्री का खुलासा किया है। कालूखेड़ा थाना क्षेत्र के चिकलाना गांव में की गई इस छापेमारी में पुलिस ने 10 किलो से अधिक तैयार एमडी ड्रग, करीब 3 करोड़ रुपए कीमत का केमिकल, 12 बोर की बंदूक, 91 जिंदा कारतूस, दो मोर और चंदन की लकड़ियां बरामद की हैं। इस मामले में 16 लोगों को हिरासत में लिया गया है और पूछताछ जारी है।

पुलिस ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया, कि यह फैक्ट्री दिलावर खान पठान के मकान में संचालित की जा रही थी। दिलावर चिकलाना गांव का रहने वाला है और आजाद समाज पार्टी से जुड़ा रहा है। वह यूपी के नगीना से सांसद चंद्रशेखर आजाद का करीबी बताया जा रहा है। इतना ही नहीं, दिलावर खान वर्ष 2023 में जावरा विधानसभा सीट से चुनाव भी लड़ चुका है और आजाद समाज पार्टी का प्रदेश पदाधिकारी बताया जा रहा है।

एसपी अमित कुमार को नशे की फैक्ट्री की गुप्त सूचना मिली थी, जिसके बाद एक विशेष टीम गठित की गई। रतलाम एएसपी राकेश खाखा, ग्रामीण एएसपी विवेक कुमार लाल और जावरा एसडीओपी संदीप मालवीय के नेतृत्व में पुलिस बल ने गुरुवार रात करीब ढाई बजे चिकलाना गांव में दबिश दी। कार्रवाई इतनी गोपनीय रखी गई कि टीम में शामिल अधिकारियों के अलावा किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। पुलिस ने जिस मकान पर छापा मारा, उसी परिसर में दिलावर खान का परिवार भी रहता है। छापेमारी के दौरान किसी भी परिजन को बाहर नहीं आने दिया गया और सुरक्षा के चलते मीडिया को भी परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी गई।

छापामार कार्रवाई के दौरान मौके से बड़ी मात्रा में रॉ मटेरियल भी बरामद किया गया है, जिससे एमडी ड्रग तैयार की जा रही थी। इसके अलावा, परिसर से वन्य जीव संरक्षण अधिनियम के तहत संरक्षित दो मोर और प्रतिबंधित चंदन की लकड़ियां भी बरामद की गई हैं, जिससे मामला और गंभीर हो गया है।

आज से दौड़ेगी पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को मालदा से हरी झंडी दिखाकर देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को रवाना करेंगे। देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन हावड़ा से गुवाहाटी रूट पर चलेगी। यह भारत की सबसे आधुनिक और तेज रफ्तार वाली ट्रेन है। यह ट्रेन विश्वस्तरीय तकनीक से लैस है। बीते लंबे समय से लोगों को देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का इंतजार था। खास बात यह है कि इस ट्रेन को स्वदेशी तकनीक की मदद से बनाया गया है। इस ट्रेन का पहले ही सफलतापूर्वक ट्रायल कर लिया गया है। कुछ दिनों पहले केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस बारे में जानकारी दी थी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही इस ट्रेन का उद्घाटन करने वाले हैं। इस ट्रेन के चलने से पूर्वी भारत की कनेक्टिविटी मजबूत होगी।

ईडी का दावा- मेहुल चोकसी के बेटे रोहन भी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शामिल

-एक फ्लैट 2013 में उनके पिता मेहुल ने राहुल के नाम जानबूझकर ट्रांसफर किया था

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पहली बार दावा किया है कि भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी के बेटे रोहन चोकसी भी अपने पिता के साथ मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में शामिल थे। यह दावा दिल्ली स्थित अपीलीय न्यायाधिकरण फॉर फॉरफिटेड प्रॉपर्टी के सामने किया गया है, जहां रोहन चोकसी की ओर से मुंबई की एक संपत्ति की कुर्की को चुनौती दी गई थी। ईडी ने ट्रिब्यूनल को बताया कि रोहन चोकसी के नाम मुंबई के वॉकश्वर रोड स्थित एक फ्लैट को वर्ष 2013 में उनके पिता मेहुल चोकसी ने जानबूझकर ट्रांसफर किया था। यह कदम भविष्य में संभावित कार्रवाई और संपत्ति कुर्की से बचने की पूर्व नियोजित रणनीति का हिस्सा था। ईडी का कहना है कि यह ट्रांसफर ऐसे समय किया गया जब मेहुल के कारोबारी लेन-देन पर सवाल उठने लगे थे। मीडिया रिपोर्टें के मुताबिक रोहन चोकसी का पक्ष इससे अलग है। उन्होंने ट्रिब्यूनल के सामने कहा कि यह संपत्ति उनके परिवार ट्रस्ट ने 1994 में खरीदी थी और 2013 में उनके नाम ट्रांसफर की गई। उन्होंने तर्क दिया कि जिस अपराध के आधार पर कार्रवाई हो रही है, वह 2015 से 2017 के बीच हुआ, इसलिए इस संपत्ति को उससे जोड़ना गलत है। रोहन ने यह भी कहा कि उनके खिलाफ न तो कोई एफआईआर दर्ज है और न ही किसी चार्जशीट में उनका नाम है। ईडी ने इसके जवाब में कहा कि संपत्ति भले ही 1994 में खरीदी गई हो, लेकिन यदि सीधे अपराध से जुड़ी आय उपलब्ध न हो तो उसकी मूल्य के आधार पर कुर्की की जा सकती है। ईडी का कहना है कि रिकॉर्ड पर मौजूद तथ्य और सबूत यह संकेत देते हैं कि रोहन चोकसी भी मनी लॉन्ड्रिंग की गतिविधियों में अपने पिता के साथ शामिल रहे हैं।

8 ई-कॉमर्स कंपनियों पर 44 लाख जुर्माना

नई दिल्ली। सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर गैरकानूनी वॉकी-टॉकी बेचने के लिए एक्शन लिया है। अथॉरिटी ने अमेजन, फ्लिपकार्ट, मीशो और मेटा समेत आठ कंपनियों पर कुल 44 लाख रुपए की पेनाल्टी लगाई है। इन प्लेटफॉर्म्स पर ऐसे वॉकी-टॉकी बेचे जा रहे थे जिनके पास जरूरी लाइसेंस या तकनीकी मंजूरी नहीं थी। कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट 2019 और टेलीकॉम कानूनों के उल्लंघन के लिए की गई है। अथॉरिटी ने जांच में पाया कि इन वेबसाइट्स पर 16,970 से ज्यादा ऐसे प्रोडक्ट लिस्टेड थे, जो सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं उतरते। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बताया कि मीशो, मेटा (फेसबुक मार्केटप्लेस), फ्लिपकार्ट और अमेजन पर 10-10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है।

कुछ ना कहना

चाबहार पोर्ट से भारत ने छोड़ा कंट्रोल, 1100 करोड़ रुपये डूबे!

- कांग्रेस ने लगाया आरोप, सरकार ने बताया बेबुनियाद

नई दिल्ली। ईरान के रणनीतिक चाबहार बंदरगाह को लेकर भारत की भूमिका एक बार फिर सियासी बहस के केंद्र में आ गई है। कांग्रेस ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के दबाव में चाबहार पोर्ट से भारत का कंट्रोल छोड़ दिया, जिससे देश की जनता के करीब 1100 करोड़ रुपये बर्बाद हो गए। हालांकि, सरकार ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए स्पष्ट किया है कि चाबहार पोर्ट से जुड़ी भारत की योजनाएं पूरी तरह जारी हैं।

कांग्रेस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बयान जारी कर कहा कि मोदी सरकार ने चाबहार पोर्ट परियोजना में 120 मिलियन डॉलर यानी लगभग 1100 करोड़ रुपये का निवेश किया था। पार्टी का आरोप है कि अब भारत ने इस परियोजना से खुद को पीछे कर लिया है, जिससे यह राशि व्यर्थ हो गई। कांग्रेस का कहना है कि ट्रम्प प्रशासन के दबाव में भारत ने अपने रणनीतिक हितों से समझौता किया और चाबहार जैसे अहम प्रोजेक्ट से दूरी बना ली।

कांग्रेस नेताओं का दावा है कि चाबहार पोर्ट भारत के लिए केवल एक व्यापारिक परियोजना नहीं, बल्कि रणनीतिक दृष्टि से भी बेहद अहम है। इससे भारत को मध्य एशिया और अफगानिस्तान तक सीधा पहुंच मार्ग मिलता है, जो अब खतरे में पड़ गया है।

कांग्रेस के आरोपों पर विदेश मंत्रालय ने कड़ा जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि चाबहार पोर्ट से जुड़ी भारत की सभी योजनाएं जारी हैं और भारत इस परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए अमेरिका के साथ लगातार बातचीत कर रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कहना गलत है कि भारत ने चाबहार पोर्ट से कंट्रोल छोड़ दिया है। उन्होंने यह भी बताया कि अमेरिका ने ईरान पर लगे प्रतिबंधों के बावजूद भारत को चाबहार पोर्ट परियोजना के लिए विशेष प्रतिबंध छूट दी हुई है। यह छूट 26 अप्रैल 2026 तक वैध है और इसके तहत भारत चाबहार से जुड़े कामकाज को जारी रख सकता है।

भारत के लिए क्यों अहम है चाबहार पोर्ट

ईरान में स्थित चाबहार बंदरगाह भारत के लिए रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह बंदरगाह भारत को पाकिस्तान को बायपास करते हुए अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक व्यापार का सीधा रास्ता देता है। इसके जरिए भारत अपना माल ईरान होते हुए अफगानिस्तान, उज्बेकिस्तान, ताजिकिस्तान और अन्य सेंट्रल एशियाई देशों तक पहुंचा सकता है।

जस्टिस यशवंत वर्मा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका

महाभियोग जांच समिति के गठन को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली। जस्टिस यशवंत वर्मा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने उनके खिलाफ कथित भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर रही संसदीय समिति के खिलाफ उनकी याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने 8 जनवरी को अपना फैसला सुरक्षित रखने के बाद यह फैसला सुनाया।

जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एससी शर्मा की पीठ ने कहा कि अध्यक्ष ने समिति के गठन में कोई अवैधता नहीं की और यह माना कि जस्टिस वर्मा किसी भी राहत के हकदार नहीं हैं और अदालत द्वारा किसी भी दखल की जरूरत नहीं है। 8 जनवरी को इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए, सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि हमें उन न्यायाधीशों के अधिकारों के बीच संतुलन बनाना होगा जिनके खिलाफ कार्यवाही की जा रही है, साथ ही उन सदस्यों के अधिकारों के बीच भी संतुलन बनाना होगा जिन्हें कानून के तहत याचिका दायर करने और उसे स्वीकार कराने का स्वतंत्र अधिकार है।

याचिका में क्या कहा गया था?

याचिका में उठाया गया मुख्य मुद्दा यह है कि लोकसभा और राज्यसभा दोनों में एक ही दिन (21 जुलाई) महाभियोग नोटिस पेश किए जाने के बावजूद, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राज्यसभा अध्यक्ष के प्रस्ताव को स्वीकार करने के फैसले का इंतजार किए बिना ही कमेटी का गठन कर दिया। यह तर्क दिया गया है कि यह प्रोसेस जज (इंक्वायरी) एक्ट, 1968 की धारा 3(2) के उलट है। 21 जुलाई 2025 को लोकसभा और राज्यसभा में जस्टिस वर्मा के महाभियोग के लिए दो अलग-अलग प्रस्ताव पेश किए गए। तत्कालीन राज्यसभा अध्यक्ष जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई को ही इस्तीफा दे दिया। 11 अगस्त को राज्यसभा के उपसभापति ने राज्यसभा में पेश किए गए प्रस्ताव को खारिज कर दिया।

10 घंटे बिजली की मांग को लेकर सड़क पर उतरे किसानों ने चीफ इंजिनियर कार्यालय घेरा!!

पुलिस व प्रदर्शनकारियों के बीच हुई बहस, उग्र आंदोलन की भी दी चेतावनी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

रबी फसलो की सिंचाई के लिए जिले के किसानों को दिन में 10 घंटे बिना किसी रुकावट के बिजली देने की मुख्य मांग को लेकर शुक्रवार को किसान सड़को पर उतर आए और उन्होंने मुख्य अभियंता कार्यालय का घेराव कर चक्काजाम कर दिया।जिन्होंने अपनी उक्त एक सूत्रीय मांग को लेकर किसान गर्जना संघटन के बैनर तले नगर में एक रैली निकालकर जमकर नारेबाजी भी की।तो वही बिना अनुमति चक्काजाम कर, धरना प्रदर्शन करने, सड़क पर बैठक यातायात अवरुद्ध करने,ज्ञापन देने के दौरान हंगामे को लेकर पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच जमकर बहस भी देखने को मिली।

दिन में बिना रुकावट 10 घण्टे दी जाए बिजली

किसान गर्जना संगठन के बैनर तले प्रदर्शन कर रहे किसानो ने बताया कि पिछले दिनों 22 दिसम्बर को ऊर्जा मंत्री ,मुख्यमंत्री ,कलेक्टर , खाद विभाग व बिजली विभाग के अधिकारियों को बिजली की समस्या सहित अन्य मांगों को लेकर ज्ञापन दिया था। जिसमें किसानों को सिंचाई के लिये रात की जगह दिन में 10 घंटे लगातार बिजली दिये जाने की मांग की गई थी।लेकिन किसानो की इस मांग पर आजतक कोई सुनवाई नही की गई।उन्होंने बताया कि जिला कृषि प्रधान जिला है। किसानों के द्वारा रबी के लिये धान की बोवाई की गई है और खार भी निकल गई है। अब किसानों को पानी की आवश्यकता है। लेकिन सिंचाई के लिये पर्याप्त पानी नहीं दिया जा रहा है।उन्होंने बताया कि किसानों की फसलों को जंगली जानवरों द्वारा भी नुकसानी पहुंचाया जा रहा है। जिससे किसान आर्थिक संकटों से जूझ रहा है।इसलिए हम रात की जगह दिन में 10 घण्टे बिना किसी कटौती के बिजली प्रदान करने की मांग कर रहे है।

डेंजर बाइपास रोड़, जाम, तो परेशान हुए यात्री व राहगीर

वर्तमान समय में ओवर ब्रिज निर्माण कार्यो के चलते गोंदिया से बालाघाट व बालाघाट से वारासिवनी, लालबर्रा, सिवनी जबलपुर का आवागमन डेंजर रोड बाइपास से किया जा रहा है। ऐसे में किसानों के द्वारा डेंजर रोड बाइपास पर ही धरना दे दिए जाने से यह मार्ग बाधित हो गया और करीब एक घंटे तक बंद रहा जिसके चलते वाहनों की कतार लगने के साथ ही आवागमन बाधित देख बसों व अन्य माध्यमों से अपने गंतव्य की ओर जा रहे यात्री पैदल ही जाने को मजबूर हुए और उन्हें परेशान भी होना पड़ा।

परमिशन को लेकर पुलिस और प्रदर्शनकारियो के बीच हुई बहस

उधर अधीक्षण अभियंता कार्यालय के घेराव के साथ ही डेंजर रोड बाइपास पर जाम लगाकर प्रदर्शन करने की जानकारी पुलिस को मिलते ही कोतवाली थाना प्रभारी कामेश कुमार धुमकेतु अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और सड़क बाधित कर बैठे किसानों को समझाने का प्रयास किया। बताया गया कि उन्हें रैली निकाल ज्ञापन सौंपने की परमिशन है न कि सड़क जाम करने की, लेकिन अपनी बातों पर अडिग प्रदर्शनकारी किसान अधीक्षण अभियंता से मिलने और अपनी मांगों को पूर्ण होने की बात पर अड़े रहे। इस दौरान अधीक्षण अभियंता से मिलने को लेकर भी पुलिस कर्मियों व प्रदर्शनकारियों के बीच बहस हुई।

रात 12:30 सिचाई के लिए दी जा रही बिजली

प्रदर्शनकारी किसानों ने बताया कि खेतों में सिंचाई के लिए पर्याप्त और नियमित बिजली नहीं मिलने से फसलों को भारी नुकसान हो रहा है। बार-बार बिजली कटौती और अनियमित आपूर्ति के कारण किसान समय पर सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं, जिससे उनकी लागत बढ़ रही है और उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।किसानों ने मांग की कि खेती के मौसम को ध्यान में रखते हुए उन्हें निर्धारित समय पर लगातार बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि वे बिना किसी बाधा के अपनी कृषि गतिविधियां संचालित कर सकें। प्रदर्शन के दौरान किसानों ने नारेबाजी करते हुए अपनी मांगों को प्रमुखता से रखा और जल्द समाधान की अपेक्षा जताई।किसानो के आरोप है कि विद्युत विभाग रात के 12.30 बजे सिंचाई के लिए विद्युत व्यवस्था उपलब्ध करा रहा है जो किसानों के लिए घातक साबित हो रही है।

दिन में 8 घंटे बिजली का मिला आश्वासन, तब समाप्त हुआ धरना प्रदर्शन

उधर करीब 1 घण्टे तक चले भारी हंगामे के बीच किसानों के प्रतिनिधि मंडल व अधीक्षण अभियंता अमित कुमार के बीच बंद कमरे में वार्तालाप हुई जिसके बाद बाहर आए प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारियों ने बताया कि तत्काल मांग पर सुनवाई करते हुए अधीक्षण अभियंता ने किसानों की समस्या को जायज ठहराते हुए काफी हद तक उनकी मांग पूरी किया है, और अब दिन में खेती के लिए 6 घंटे मिलने वाली बिजली 8 घंटे तक मिलेगी। इसके साथ ही फरवरी माह से पूरे 10 घंटे बिजली दिन में ही दिए जाने का आश्वासन भी उन्होंने किसानों को दिया है जिसके बाद किसानों ने आंदोलन को समाप्त किया है।

रात को सिचाई करने में है जान का खतरा

किसानो ने बताया कि सबसे चिंताजनक स्थिति यह है कि किसानों को रात के अंधेरे में अनिश्चित समय पर बिजली दी जा रही है। इससे न केवल किसानों की दिनचर्या प्रभावित हो रही है, बल्कि उनकी जान भी खतरे में पड़ गई है। जंगली जानवरों, करंट से होने वाली दुर्घटनाएं, खेतों में हादसे और लगातार बढ़ता मानसिक तनाव किसानों के लिए एक बड़ी चुनौती बन चुके हैं। इसके बावजूद प्रशासन की चुप्पी किसानों को यह महसूस कराती है कि उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था।इसलिए चक्काजाम करना पड़ा।

इन मांगों को पूरा करने की भी लगाई गुहार

किसान गर्जना संगठन ने स्पष्ट किया है कि अब केवल आश्वासन नहीं बल्कि ठोस निर्णय और तत्काल क्रियान्वयन की आवश्यकता है। संगठन की प्रमुख मांगों में प्रदेश के सभी किसानों को कृषि पंपों के लिए प्रतिदिन कम से कम 10 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति, बिजली की लिखित और सार्वजनिक समय-सारिणी जारी करने, सिंचाई सत्र के दौरान किसी भी प्रकार की कटौती या ट्रिपिंग पर पूर्ण रोक, जले या खराब ट्रांसफार्मरों की 24 से 48 घंटे में मरम्मत, रात में बिजली लेने की मजबूरी खत्म करना और उच्च क्षमता वाले नए ट्रांसफार्मरों की स्थापना किए जाने की भी मांग की।

तो सांकेतिक नही, करेंगे उग्र आंदोलन

इस दौरान किसान गर्जना संगठन के प्रतिनिधि नवीन चौधरी और सूरज चौहान ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द से जल्द किसानों की बिजली संबंधी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो संगठन भविष्य में इस तरह का सांकेतिक आंदोलन की जगह किसानों द्वारा उग्र आंदोलन किया जाएगा।क्यो की बिजली, किसानों का अधिकार है और इस अधिकार को लेकर किसान पीछे हटने वाला नहीं है। जब तक मांगें पूरी नहीं होतीं तब तक संघर्ष जारी रहेगा।उन्होंने बताया कि निर्धारित समय-सीमा में इन मांगों पर अमल नहीं किया गया तो प्रदेश भर में तहसील जिला और संभाग स्तर पर अनिश्चितकालीन धरना विद्युत विभाग व प्रशासनिक कार्यालयों का घेराव प्रमुख मार्गों पर चक्का जाम और आवश्यकता पड़ने पर राज्यव्यापी आंदोलन शुरू किया जाएगा।आंदोलन के दौरान उत्पन्न होने वाली किसी भी प्रशासनिक अव्यवस्था आर्थिक नुकसान या कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

प्रपोजल वरिष्ठ कार्यालय पहुंचाया जाएगा-अमित कुमार

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान विद्युत विभाग अधीक्षण अभियंता अमित कुमार ने बताया कि बालाघाट वनों व वन्यप्राणियों से परिपूर्ण जिला है, और रात के समय खेतों में पानी डालने के दौरान वन्यप्राणियों का खतरा किसानों को बना रहता है और वन्यप्राणियों के हमले की घटनाएं भी सामने आती रहती है। किसानों की समस्या जायज है उनके प्रपोजल वरिष्ठ कार्यालय पहुंचाया जाएगा।

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव आज

17 पदों के लिए, 35 अधिवक्ता प्रत्याशियों के भाग्य का होगा फैसला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला अधिवक्ता संघ के दो वर्षीय कार्यकाल के लिए शनिवार को मतदान प्रणाली के तहत चुनाव सम्पन्न कराया जाएगा।जिसके तहत 17 जनवरी को ना सिर्फ मतदान होंगा, बल्कि मतदान के तुरंत बाद, मतगणना कर, चुनावी परिणाम भी जारी कर, जिला अधिवक्ता संघ की नई कार्यकारिणी की भी घोषणा की जाएगी।इस वर्ष जारी चुनावी प्रक्रिया के दौरान उपाध्यक्ष सहित कार्यकारिणी सदस्यों के लिए अपनी दावेदारी पेश करने वाले 4 प्रत्याशियों ने पहले ही चुनावी मैदान छोड़, अपना नामांकन फार्म वापस ले लिया है।तो वही कार्यकारिणी के महज 17 पदों के लिए अब 39 में से 35 अधिवक्ता

प्रत्याशी चुनावी मैदान में डटे हुए है।जिनमें से 17 उम्मीदवारो का चुनाव शनिवार 17 जनवरी को मतदान प्रणाली के तहत किया जाएगा।

505 मतदाता,करेंगे 35 उम्मीदवारो के भाग्य का फैसला, बनाए गए 4 बूथ

बालाघाट जिला अधिवक्ता संघ के 2 वर्षीय कार्यकाल के लिए 17 जनवरी को चुनाव होगा।मतदान प्रक्रिया सुबह 8.30 बजे से शुरू होकर दोपहर 3 बजे तक चलेगी। इस वर्ष मतदाता अधिवक्ताओं की संख्या 505 हो गई है,जिसके चलते मतदान बूथों की संख्या बढ़ाकर 04 कर दी गई है। इस चुनाव में कुल 17 पदों के लिए 35 अधिवक्ता प्रत्याशी मैदान में हैं। इन पदों के लिए अलग-अलग रंगों के मतपत्रों का उपयोग किया जाएगा, जिनमें सफेद, पीला, हरा और गुलाबी रंग के मतपत्र शामिल हैं।जिला अधिवक्ता संघ में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, दो सहसचिव, कोषाध्यक्ष, ग्रंथपाल और 10 कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव होना है।कार्यकारिणी सदस्यों में 3 पद महिलाओं के लिए आरक्षित हैं।

इन 35 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला आज

निर्वाचन अधिकारी और उनकी टीम से मिली जानकारी के मुताबिक जिलाअधिवक्ता संघ चुनाव के लिए विभिन्न पदों पर दावेदारी करने वाले 35 प्रत्याशी अब चुनावी मैदान में है।जिसमे 1 अध्यक्ष पद के लिए 4 प्रत्याशियों में अरविंद राय, आनंद टेभरे,प्रवेश मलेवार और मीना कुर्वे चुनावी मैदान में है।तो वही 1 उपाध्यक्ष पद के लिए अब 3 प्रत्याशी जिसमे धर्मेंद्र धानेश, दिलीप चौधरी और दिनेश्वरी राणा चुनावी मैदान में है। इसी तरह सचिव के 1 पद के लिए 3 प्रत्याशी राकेश सिंगारे, महेंद्र (मधु) बिसेन और विक्रम सिंह भूते चुनावी मैदान में है। जबकि सह सचिव के 2 पदो के लिए 5 प्रत्याशी, मुकेश लिल्हारे, अशोक शर्मा, विकाश खुरसेल, आनंद मेश्राम और गितेश्वरी कुंजाम चुनावी मैदान में डटे हुए है।इसी तरह कोषाध्यक्ष के 1 पद के लिए 3 प्रत्याशी संजय अग्निहोत्री, पंचम लाल खैरवार और गौरव जयसवाल भी चुनावी मैदान में है।तो वही ग्रंथपाल के 1 पद के लिए 2 प्रत्याशियों में से दोनों प्रत्याशी शुभम बोस और धनंजय देशमुख चुनावी मैदान में डटे हुए है।तो वही 10 पदों की कार्यकारिणी सदस्यों के लिए शेष बचे 15 अधिवक्ताओ मो. शाकिर कुरैशी, जितेंद्र जैन, पूजा विश्वकर्मा, कमला सार्वे, डिल्लन सिंह ताराम, अभिषेक डहाके, सत्य प्रकाश शुल्के, दीपेश मोहारे, संगीता बिसेन, आनंद गजभिये, लालचंद मोहारे, महेंद्र पटले, प्रभा सूर्यवंशी, डिगम्बर ढेकवार, और तिलक कावरे के भाग्य का फैसला 17 जनवरी को होना है।

चुनाव की सभी तैयारियां पूर्ण-हरीश नगपुरे

जिला अधिवक्ता संघ चुनाव निर्वाचन अधिकारी हरीश नगपुरे ने बताया कि इस चुनाव में अध्यक्ष के लिए 04, उपाध्यक्ष के लिए 03, सचिव के लिए 03, सह सचिव के लिए 05, ग्रंथपाल के लिए 02, कोषाध्यक्ष के लिए 03 और कार्यकारिणी सदस्य के लिए 15 अधिवक्ता प्रत्याशी चुनावी मैदान में है।जिनका चुनाव 17 जनवरी को होगा।इस चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए अलग-अलग मतपेटी, सुरक्षा कर्मी सहित अन्य व्यवस्थाएं पूर्ण कर ली गई हैं। अब इंतजार सिर्फ 17 जनवरी की सुबह का है, जहां मतदान, के बाद मतगणना व चुनावी परिणाम के बाद जिलाअधिवक्ता संघ की नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी जाएगी।इस दौरान सहायक निर्वाचन अधिकारी अधिवक्ता प्रदीप सोनी, अधिवक्ता प्रशांत गिरी गोस्वामी,अधिवक्ता विकास श्रीवास्तव, अधिवक्ता वेणु शंकर परिमल और अजय बम्हे भी उपस्थित रहे।

कटंगी क्षेत्र में बेशकीमती सागौन की अवैध कटाई और तस्करी जोरो पर

वन विभाग ने जब्त किया वाहन, सागौन से भरी पिक-अप छोड़कर भागे तस्कर

पद्मेश न्यूज। कटंगी। तिरोड़ी तहसील के वन क्षेत्र से बेशकीमती ईमारती लकड़ी सागौन की अवैध कटाई और तस्करी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बात के लगातार संकेत मिल रहे है। वन विभाग ने शुक्रवार की सुबह करीब 09 बजे सीतापठोर से सुकली महकेपार मुख्य सड़क मार्ग के बीच ईमारती लकड़ी सागौन के लट्ठों से भरी एक लावारिस पिक-अप वाहन को जब्त किया है। यह पिक-अप वाहन दुर्घटनाग्रस्त होकर सड़क से नीचे उतरकर एक पेड़ से जाकर टकरा गई है। वाहन का एक पिछला टायर गायब हैं। संभवत यह अनुमान लगाया जा रहा है टायर निकलने से वाहन अनियंत्रित होकर पेड़ से जाकर टकरा गया। इस घटना के बाद तस्कर वाहन को लावारिस हालत में छोड़कर मौके से फरार हो गए। शुक्रवार की सुबह वन विभाग को सागौन के लट्ठों से भरी पिकअप वाहन की जानकारी मिली। दोपहर 12 बजे तक विभाग ने मौका स्थल पर कागजी कार्रवाई पूरी कर वाहन को जब्त करने की कार्रवाई की है। बता दें कि पिकअप में रजिस्ट्रेशन नंबर तक अंकित नहीं है। केवल एमएच 40 ही अंकित प्रदर्शित हो पाया। वाहन किसका है सागौन कहां जा रहा था और किस जंगल से सागौन की कटाई हुई है। फिलहाल इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है। वन विभाग की जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

गौरतलब हो कि 21 दिन पहले 25 दिसंबर 2025 की रात्रि वन विभाग की टीम ने कोयलारी बीट के भाग-2 के कक्ष क्रमांक 788 में पिक-अप वाहन क्रमांक एम 40 सीएम 3729 को सागौन की अवैध तस्करी करते हुए पकड़ा था। इस मामले में राजेश पिता महेश वड़ीचार निवासी महकेपार के खिलाफ वन अपराध दर्ज किया गया था जबकि अन्य 5 आरोपियों के फरार होने की जानकारी वन विभाग ने दी थी। वन विभाग ने आरोपियों

की तलाश किए जाने की बात कहीं थी। इस घटना के ठीक 21 दिन बाद फिर से सागौन के लट्ठों से भरी एक पिक-अप वाहन को सुकली से महकेपार सड़क मार्ग के बीच लावारिस हालत में जब्त किया गया है। यह घटना बता रही है कि सागौन तस्कर अब भी पहले की तरह ही सक्रिय और वन विभाग निष्क्रिय है। पूर्व की कार्रवाई में पकड़े गए आरोपी राजेश वड़ीचार ने सागौन के लट्ठों की महाराष्ट्र तस्करी होने की बात बताई थी। सागौन की तस्करी पठार अंचल के चोर रास्तों से होती है। इन ग्रामीण रास्तों से रात के अंधेरे में सागौन महाराष्ट्र के तुमसर, भंडारा और नागपुर तक पहुंचाया जाता है।

सागौन के पेड़ों की कटाई कुरई के अंतर्गत आने वाले ग्राम धोबीटोला और तिरोड़ी तहसील के दुल्हापुर से सटे एरिया में हो रही है। बीते दिनों यहां पर करीब 100 से अधिक सागौन के पेड़ काटे गए है जिनके ठूंठ आज भी यहां दिखाई दे रहे है। सूत्रों की माने तो इस एरिया में अब भी धड़ल्ले से सागौन के पेड़ों का कत्लेआम किया जा रहा हैं। अवैध कटाई में वन विभाग से लेकर राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारी और कर्मचारियों के कथित संरक्षण की भी चर्चा चल रही है। इन चर्चाओं को तब और अधिक बल मिल जाता हैं जब इस तरह के वाहन जब्त होते है। वन विभाग कुरई के अधिकारी अंतिम छोर पर स्थित धोबीटोला गांव में कभी-कभार ही आते है और बिना जमीनी पड़ताल किए ही चले जाते है उन्हें तो शायद यह भी नहीं मालूम होगा कि विशालकाय सागौन के पेड़ों का कत्लेआम हो रहा है और उनके कर्मचारी ही इस कत्लेआम के संरक्षणकर्ता बने हुए है।

बालाघाट जिले की 3.44 लाख बहनों के खाते में पहुंची 50.12 करोड़ रुपये की राशि

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 16 जनवरी को नर्मदापुरम जिले में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान सिंगल क्लिक के माध्यम से लाड़ली बहना योजना की राशि हितग्राही महिलाओं के खातों में अंतरित की। इसमें बालाघाट जिले की 3 लाख 44 हजार 172 लाड़ली बहनों को जनवरी माह की सहायता राशि के रूप में कुल 50 करोड़ 12 लाख रुपये की राशि अंतरित की गई है। योजना के अंतर्गत प्रत्येक लाड़ली बहन को 1500 रुपये की राशि प्राप्त हुई है। जिले के आंगनवाडी केंद्रो में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सम्बोधन का सीधा प्रसारण दिखाया गया। कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर उपस्थित थी।

महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया ने बताया कि लाड़ली बहना योजना की 32 वीं किश्त के रूप में ग्रामीण क्षेत्रों में विकासखंड बैहर की 19 हजार 432 बहनों के खाते में 02 करोड़ 82 लाख 53 हजार 400 रुपये, विकासखंड बालाघाट की 37 हजार 293 बहनों के खाते में 05 करोड़ 41 लाख 75 हजार 700 रुपये, विकासखंड बिरसा की 26 हजार 954 बहनों के खाते में 03 करोड़ 94 लाख 44 हजार 400 रुपये, विकासखंड कटंगी की 34 हजार 659 बहनों के खाते में 05 करोड़ 04 लाख 18 हजार 500 रुपये, विकासखंड खैरलांजी की 31 हजार 262 बहनों के खाते में 04 करोड़ 56 लाख 90 हजार 800 रुपये, विकासखंड किरनापुर की 38 हजार 352 बहनों के खाते में 05 करोड़ 62 लाख 16 हजार 200 रुपये, विकासखंड लालबर्रा की 37 हजार 224 बहनों के खाते में 05 करोड़ 41 लाख 93 हजार रुपये, विकासखंड लांजी की 38 हजार 190 बहनों के खाते में 05 करोड़ 59 लाख 36 हजार रुपये, विकासखंड परसवाड़ा की 22 हजार 132 बहनों के खाते में 03 करोड़ 20 लाख 74 हजार रुपये एवं विकासखंड वारासिवनी की 32 हजार 862 बहनों के खाते में 04 करोड़ 77 लाख 91 हजार 200 रुपये की राशि जमा हुई है।

इसी प्रकार नगरीय क्षेत्रों में नगर पालिका बालाघाट की 8804 बहनों के खाते में 01 करोड़ 26 लाख 79 हजार 900 रुपये, नगर पालिका मलाजखंड की 5808 बहनों के खाते में 83 लाख 42 हजार 400 रुपये, नगर पालिका वारासिवनी की 3745 बहनों के खाते में 53 लाख 83 हजार 100 रुपये, नगर परिषद बैहर की 2651 बहनों के खाते में 37 लाख 55 हजार 300 रुपये, नगर परिषद कटंगी की 2417 बहनों के खाते में 35 लाख 06 हजार 100 रुपये तथा नगर परिषद लांजी की 2387 बहनों के खाते में 34 लाख 35 हजार 300 रुपये की राशि जमा हुई है।

लाडली बहना योजना के अंतर्गत बालाघाट जिले की 03 लाख 47 हजार से अधिक बहनों को योजना प्रारंभ होने से लेकर 16 जनवरी 2026 तक 1387 करोड़ 64 लाख रुपए की राशि प्राप्त हो चुकी है। यह एक बड़ी राशि है और इसने जिले की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है। इतनी बड़ी राशि के जिले में आने से जिले की अर्थव्यवस्था को भी गति मिली है।

आवश्यकता है
माइक्रो कमपयुटर में
- कम्प्युटर टीचर्स - 03 पद
- कम्प्युटर ऑपरेटर - 02 पद
- स्टेनो टीचर्स - 02 पद
- टैली टीचर्स - 01 पद
- चपरासी - 02 पद
- लाइब्रेरियन - 01 पद

पता-माइक्रो कम्प्युटर
SBI ATM के सामने वाली गली
भटेरा रोड, बालाघाट
मो. 9407311752, 9399009557

कार्यालय जिला शिक्षा केन्द्र बालाघाट

प.क्रमांक/जिशिके/मोबि./2026   बालाघाट दिनांकः-

विज्ञापन

कार्यालय जिला शिक्षा केन्द्र बालाघाट अन्तर्गत 10 विकासखण्डों से शाला स्तर तक निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का सत्र 2026-27 का परिवहन किये जाने हेतु Mp E-tender की निविदा आईडी 2025_RSK_457070_4, Tender reference no ZSK-2025-1498 के माध्यम से चतुर्थ निविदा जारी की गई है। ऑनलाईन आवेदन किये जाने की अंतिम तिथि 24-01-2026 निर्धारित है।

(घनश्याम प्रसाद बर्मन)
जिला परियोजना समन्वयक
जिला शिक्षा केन्द्र बालाघाट

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोनः- 07632-243531
मोः- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

शराब पीने से मना करने पर पत्नी से की मारपीट-दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शराब पीने मना करने पर एक महिला को उसके पति ने बेरहमी से मारपीट कर घायल कर दिया यह घटना जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम सारद मैं हुई। पति द्वारा की गई मारपीट में घायल महिला धनवंती पति खिवेद्र बिसेन 36 वर्ष का इलाज किरनापुर अस्पताल में किया गया और किरनापुर पुलिस ने इस मामले में महिला के खिवेद्र बिसेन पिता भिखारी बिसेन के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सारद निवासी धनवंती अपने परिवार के साथ खेती किसानी करती है। जिसके परिवार में पति खिवेंद्र बिसेन के अलावा चार बेटी है। बताया गया की धनवंती का पति खिवेंद्र बिसेन शराब पीने का आदी है और आए दिन शराब पीकर घर आने पर वह अपनी पत्नी धनवंती को परेशान करते रहता है और धनवंती जब भी पति खिवेंद्र को शराब पीने मना करती है तो वह उसे मारपीट करते रहता है। रोज की तरह 14 जनवरी को रात करीब 8ः00 बजे खिवेंद्र बिसेन शराब पीकर घर आया जिसे उसकी पत्नी धनवंती ने बोली कि रोज-रोज क्यों। शराब पीकर आते हो। बच्चे बड़े हो रहे हैं। इसी बात को लेकर खिवेंद्र ने मुझे शराब पीने मना करने वाली कौन होती है कहकर पत्नि धनवंती को अश्लील गालियां देने लगा। धनवंती ने गाली देने से मना कि तभी खिवेंद्र बिसेन ने आवेश में आकर बाल पकड़कर खीचतान किया और हाथ बुक्के से मारपीट किया। मारपीट करने से धनवंती के सर पीठ में अंदरूनी चोटे आई और हल्ला होने पर मोहल्ले पड़ोस के लोग दौड़े और बीच बचाव किये। जिसके बाद खिवेंद्र ने दोबारा शराब पीने मना करने पर पत्नी धनवंती को जान से मार डालने की धमकी दे दी। रात होने से धनवंती रिपोर्ट करने नहीं पहुंची। 15 जनवरी को धनवंती ने अपने पिता को फोन करके बुलाई और उनके साथ रिपोर्ट करने के लिए किरनापुर पुलिस थाना पहुंची। किरनापुर पुलिस ने मारपीट में घायल धनवंती का इलाज का इलाज अपने यहां के अस्पताल में करवाए और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके पति खिवेंद्र बिसेन के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

दो दिनों से भाजपा के कद्दावर नेता रामकिशोर कावरे और कॉन्ट्रेक्टर संतोष जायसवाल, लाभेश घरडे के घर ऑफिस पर छापा जारी

जीएसटी एंटी विजन ब्यूरो जबलपुर की टीम जाँच कर रही

सिटी रिपोर्टर।
पदमेश न्यूज। बालाघाट।

टैक्स चोरी के इनपुट मिलने पर राज्य गुड्स एवं सर्विस टेक्स जबलपुर की एंटी विजन ब्यूरो टीम द्वारा गुरुवार से शुरू की गई छापेमार कार्यवाही शुक्रवार देर रात तक जारी रही। जहां इस टीम ने एक दिन पहले बालाघाट पहुंचकर भाजपा जिला अध्यक्ष एंव पूर्व मंत्री रामकिशोर नानो कावरे के कार्यालय उनसे जुड़ी हर्ष कंट्रक्शन कंपनी के साथ-साथ पूर्व मंत्री कावरे से जुड़े 2 ठेकेदारों की कम्पनी वैनगंगा कंस्ट्रक्शन कंपनी में भी छापामार कार्यवाही करते हुए, दस्तावेज खंगाले।बताया गया कि गुरूवार को ही दोनो जगह एक साथ यह कार्यवाही की गई।

यह बेहद चौंकाने वाली घटना रही जिसमे मध्यप्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री और भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे के व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में छापामार कार्यवाही कर जीएसटी एंटी विजन ब्यूरो टीम ने जीएसटी से जुड़े महत्वपूर्ण दस्तावेजों को जांच के लिए जब्त किए।जिसकी जांच खबर खिलने तक जारी रही। दस्तावेजों की जांच के बाद ही टैक्स चोरी के आंकड़े सामने आ पाएंगे। हालांकि अब तक कि इस जाच में कहा कहा क्या क्या कमियां पाई गई।फिलहाल इसका खुलासा टीम द्वारा नही किया गया है।

एक साथ कई ठिकानों पर दी गई दबिश

ज्ञात हो कि यह कार्यवाही पिछले 2 दिनों से

जारी है। जीएसटी एंटी विजन ब्यूरो टीम ने गुरुवार को हर्ष कंस्ट्रक्शन और वैनगंगा कंस्ट्रक्शन के कार्यालय में छापामार कार्यवाही की थी। जिसमें हर्ष कंस्ट्रक्शन पूर्व मंत्री व भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर कावरे और उनके बड़े भाई कुमार कावरे का है। वहीं गोंदिया रोड़ स्थित वनैगंगा कंस्ट्रक्शन संतोष जायसवाल और उनके पार्टनर लाभेश घरड़े का है। बताया गया की इस टीम ने वैनगंगा कंस्ट्रक्शन से जुड़े ठेकेदार संतोष जायसवाल और दीनदयाल पुरम निवासी उनके पार्टनर लाभेश घरड़े के घर की भी तलाशी ली, तो वही इस टीम ने गोंदिया रोड निवासी सन्तोष जायसवाल के घर पर बने वैनगंगा कंट्रक्शन के कार्यालय में भी दस्तावेज खंगाले, इसके अलावा बैहर रोड़ स्थित एक पुराने कार्यालय में जाकर वहां भी दस्तावेजों की तलाशी की।इसके अलावा इसी टीम की दूसरी इकाई ने हर्षा कंस्ट्रक्शन और पूर्व मंत्री व भाजपा जिला अध्यक्ष रामकिशोर नानो कावरे के आवलाझरी स्थित कार्यालय में पहुंचकर जीएसटी से संबंधित विभिन्न दस्तावेजों की जांच पड़ताल की, जो अभी जारी है। इस तरह जीएसटी की इन 2 टीमो ने एक साथ कई ठिकानों पर छापामार कार्यवाही कर जीएसटी से जुड़े दस्तावेजों का संकलन किया है।

देर रात तक अधिकारियों ने नहीं किया कोई खुलासा

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जांच अधिकारियों की माने तो कावरे बंधुओं को उनके कारोबार से जुड़े पिछले पांच वर्षों के दस्तावेज उपलब्ध कराने का समय दिया गया था। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक शुक्रवार की देर शाम तक कावरे बंधुओं के कारोबार से जुड़े दस्तावेज लेकर यह टीम वैनगंगा कंस्ट्रक्शन पहुंच चुकी थी लेकिन इस टीम ने कार्यवाही को लेकर कोई खुलासा नहीं किया ।

छापामार कार्यवाही से हडक़ंप

इस कार्यवाही को पूर्ण कर जीएसटी की यह टीम क्या खुलासा करती है।इसपर हर किसी की निगाहें टिकी हुई है।

नरसिंगा गांव मे शराब बनाने, बेचने और पीने पर सख्त मनाही!!

नशामुक्त ग्राम बनाने लामबंद हुए ग्रामीण, निकाली रैली, नशामुक्ति का दिया संदेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गांव में शराब बनाना, बेचना और पीना सख्त मना है। इस नियम को तोडऩे वालों से जुर्माना वसूल किया जाएगा। वही इसकी सूचना देने वालो को नगद इनाम देकर सम्मानित किया जाएगा। कुछ इसी तरह का नियम लामता की ग्राम पंचायत कोचेवाड़ा के ग्राम नरसिंगा में बनाया गया है।जहां ग्राम की महिलाओं ने एकजुट होकर लामता नारी शक्ति महिला संघ का गठन किया है। समिति के माध्यम से गांव को नशा मुक्त करने प्रयास किए जा रहे हैं।इसी कड़ी में शुक्रवार को नशामुक्त गांव का संदेश देने के लिए समिति पदाधिकारियों व ग्रामीणों ने ग्राम में एक वृहद रैली निकालकर नियम व निर्देशों की जानकारी दी।वहीं जन जागरूकता का प्रयास किया।

नशे से बिगड़ रहा ग्राम का माहौल

समिति पदाधिकारियों ने बताया कि सभी जानते हैं शराब पीना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। लेकिन लोग इन चीजों को नजर अंदाज करते हैं और शराब के नशे में आकर घर में वाद-विवाद कर शांति पूर्ण वातावरण को बिगाड़ते हैं। एक कहावत है कि शराब बेचने वाला आबाद और पीने वाला बर्बाद यह लाइनें जिंदगी के लिए सत्य है। जिसने इस लाइन का अर्थ समझ लिया, वह आबाद हो सकता है। नहीं तो शराब पीकर बर्बाद होता है। इन्हीं सब परिस्थितयों को जानकर गांव को नशा मुक्त ग्राम बनाने समिति गठित कर नशा मुक्त गांव बनाने का प्रयास किया जा रहा हैं।

गांव में लगा रहता है शराबियों का जमघट

ग्रामीण महिलाओ ने बताया कि उनके गांव में कच्ची एवं पक्की शराब का अवैध

कारोबार तेज गति से चल रहा है। गांव में कई जगह शराब बेची जा रही है। रोजाना शाम को शराबियों का जमघट गांव के चौक, चराहो पर लग जाता हैं जिसके चलते गाँव मे लड़ाई झगडे होते रहते है और ग्राम की शांति व्यवस्था भंग होती है।शराब पीने के बाद पुरुष वर्ग द्वारा महिलाओ को प्रताडित भी किया जाता है।

तहसीलदार थाना प्रभारी से भी मांगा गया सहयोग

ग्रामीणों ने बताया कि गांव में कुछ लोग खुलेआम अवैध तरीके से शराब, धडल्ले से बेच रहे है जिससे गांव का माहौल ख़राब हो रहा है।आये दिन गावं में जुआ, लड़ाई झगड़ा, मारपीट गंदी-गंदी गाली गलौच का माहौल बना हुआ है। जिससे स्कूली बच्चे एवं लडकियाँ एवं माताएं बहनों पर विपरित प्रभाव पड़ने की वजह बहुत परेशान है।इसलिए हमने मिलकर शराब बंदी का बी ?ा उठाया है।एक दिन पूर्व ही इसकी सूचना थाना प्रभारी नितिन पटले और तहसीलदार मरावी को लिखित में दी जा चुकी है।गांव को नशामुक्त बनाने हर किसी से सहयोग मांगा गया है। आज गांव में नशामुक्त अभियान को लेकर रैली निकाली गई है।जिसके माध्यम से नशे के खिलाफ ग्रामीणों को जागरूक किया गया है। ग्रामीणों ने समिति के माध्यम से शराब बेचने वालो पर जुर्माना एवं पता बताने वालो को इनाम रखा गया है।

गांव में निकली रैली, नशा मुक्ति का दिया संदेश

नशा मुक्ति अभियान के तहत गठित की गई समिति के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने ग्रामीणों के साथ बैठक कर गांव को नशा मुक्ति बनाने का संकल्प लिया है।जिसके तहत शुक्रवार को रैली निकालकर गांव के सभी वार्डों का भ्रमण किया गया। जिसके माध्यम से शराब बंद करने लोगों को जागरूक किया गया है।

बच्चे युवा भी खुलेआम कर रहे नशे का सेवन

ग्रामीणों ने बताया कि उनके गाँव के कुछ घरों में अवैध शराब निर्माण और बिक्री का कार्य किया जाता है जिससे गाँव का माहौल खराब हो रहा है। हम नशा मुक्त गांव चाहते है।ताकि कच्ची शराब बिक्री करने वालो के खिलाफ जल्द से जल्द कार्यवाही की जाए।उन्होंने बताया कि गांव के कुछ लोग अवैध शराब की बिक्री करते हैं। जिससे गांव में छोटे-छोटे बच्चे नशे का शिकार हो रहे हैं।

पूरे गाँव को किया जाए नशा मुक्त

ग्रामीणों ने गांव में भी पूर्णतः शराबबंदी किए जाने की मांग की है।जिन्होंने गांव के कुछ लोगों पर चोरी छिपे शराब बनाने और उस शराब को अवैध तौर पर बेचने का आरोप लगाते हुए, अवैध शराब बनाने और उसकी बिक्री करने वालों के खिलाफ पुलिस कार्यवाही किए जाने की चेतावनी भी दी है।

नियम तोड़ने वालों से वसूला जाएगा जुर्माना

नशा मुक्ति रैली के आयोजन को लेकर की गई चर्चा के दौरान,लामता नारी महिला शक्ति संघ अध्यक्ष इंद्राणी वरकड़े, सदस्य सुकून गौतम, ग्राम पंचायत सरपंच सुनील कटरे और सामाजिक कार्यकर्ता योगेंद्र डहरवाल ने सँयुक्त युक्त रूप से बताया कि गांव में शराब का निर्माण करना, उसे बेचना व पीकर घर व गांव के उपद्रव करने पर पाबंदी लगाई गई है। नशा करने से गांव का शांति पूर्ण माहौल बिगड़ता है। इसलिए ऐसा करने वालो से जुर्माना भी वसूलने नियम बनाया गया है। जिसके तहत शराब बनाकर, उसकी बिक्री करने वाले से 10,000रु, शराब पीकर झगड़ा करने वाले से 5,000 रु का जुर्माना वसूल किया जाएगा।तो वही शराब बनाने और बेचने वालो को पकडाने की जानकारी देने वालो को 2500 रु का इनाम भी दिया जाएगा। जिसकी जानकारी इस रैली के माध्यम से ग्रामीणों को दी जा रही है। हमारा उद्देश्य है पूरा गांव नशा मुक्त हो।

स्वर्ण कप हॉकी टूर्नामेंट का खिताबी मुकाबला आज

फाईनल मैच जीतने, जालंधर और कोलकाता के बीच होंगी भिड़ंत

सेमी फाइनल मैच रहा रोमांचक, खिलाडियों ने दिखाई कलात्मक हॉकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नेहरू स्पोर्टिंग क्लब और जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में नगर के शहीद चंद्रशेखर आजाद एस्टोटर्फ हॉकी मैदान में आयोजित इस 51 वीं स्वर्गीय

नारायणसिंह मेमोरियल ऑल इण्डिया गोल्ड कप हॉकी टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला 17 जनवरी शनिवार को खेला जाएगा।यह खिताबी मुकाबला सुबह 10ः30 बजे से बीएसएफ जालंधर बनाम साउथ इस्टर्न रेल्वे कोलकाता के मध्य खेला जाएगा।जहा फाईनल मैच के साथ पुरस्कारों के वितरण कर 11 से 17 जनवरी तक आयोजित इस स्वर्ण कप हॉकी प्रतियोगिता का समापन होंगा।उधर शुक्रवार को खेल गये प्रतियोगिता के सेमी फाइलन में साउथ इस्टर्न रेल्वे कोलकाता ने कैनरा बैंक बैंगलुरू को 3-1 गोल से पराजित किया,तो वहीं दूसरे मैच में बीएसएफ जालंधर ने पैनाल्टी शूट आउट में सदर्न कमाडेंट बैंगलुरू को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। दोनों ही मैच काफी रोमांचक हुआ और खिलाडियों ने तेज व कलात्मक हॉकी दिखाई। इस दौरान बड़ी संख्या में खेल प्रेमी दर्शक उपस्थित रहे।

सेमीफाइनल में दिखा कड़ा मुकाबला

प्रतियोगिता के फाईनल में प्रवेश के लिए शुक्रवार को 2 सेमीफाइनल मैच कराए गए।जहा टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल दोपहर 1 बजे से साउथ इस्टर्न रेल्वे कोलकाता बनाम कैनरा बैंक बैंगलुरू के मध्य खेला गया। इसमें कोलकाता की टीम शुरू से ही हावी रही और बेहतर खेल का प्रदर्शन करते हुये 3-1 गोल से विजयी हुई। वहीं दूसरा मैच बीएसएफ जालंधर बनाम सदर्न कमाडेंट बैंगलुरू के बीच हुआ। जिसमें खेल शुरू होते ही बैंगलुरू के खिलाड़ी ने गोल कर टीम को 1 गोल से बढ़त दिलाई। वहीं पहले ही हॉफ में जालंधर ने भी गोल कर 1-1 गोल से मैच बराबर कर दी।उधर दूसरे हॉफ का खेल शुरू होते ही बैंगलुरू ने गोल कर फिर बढ़त बना ली, मध्यांतर तक बैंगलुरू 2-1 से बढ़त में थी। लेकिन मध्यांतर के बाद जालंधर ने फिर गोल कर मैच 2-2 गोल से बराबरी पर ला दिया।उधर चौथे हॉफ में बैंगलुरू ने गोल कर 3-2 से बढ़त बनाई, लेकिन खेल समाप्ति के अंतिम 1 मिनट में जालंधर के खिलाड़ी ने शानदार मैदानी गोल कर मैच 3-3 गोल की बराबरी पर ला दिया। इस तरह निर्धारित समय तक दोनों टीम 3-3 गोल की बराबरी पर रही।

पेनाल्टी शूट आऊट से हुआ मैच का फैसला

उधर निर्धारित समय तक दोनो ही टीम के 3-3 गोल से बराबरी पर रहने से पैनाल्टी शूट आऊट से हार-जीत का फैसला किया गया। इसमें जालंधर टीम विजयी होकर फाइनल में पहुंची। ये मैच काफी रोमांचक हुआ और दर्शकों ने पूरे खेल का भरपूर आनंद उठाया।

प्रतियोगिता का फाईनल आज

मंच पर उपस्थित नेहरू स्पिर्टिंग क्लब के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी ने अपने संबोधन में बताया कि ऑल इण्डिया स्वर्ण कप हॉकी टूर्नामेंट का फाइनल व समापन शनिवार को किया जाएगा। फाइनल मैच सुबह 10ः30 बजे से जालंधर व कोलकाता के बीच खेला जाएगा। शुक्रवार को खेले गए प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मैच में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व कैबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन, अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष रामकिशोर कावरे, विशिष्ट अतिथि पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य श्रीमती मौसम हरिनखेड़े, नपाध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, हॉकी इण्डिया के महासचिव फिरोज अंसारी सहित अन्य उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर नेहरू स्पोर्टिंग क्लब के सभी पदाधिकारी व सदस्यों ने खेल प्रेमी दर्शकों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील की है।

गरीब परिवार के बेटे ने बढ़ाया कटेरा गांव का मान, अखिलेश का सीमा सुरक्षा बल में चयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की कटंगी तहसील अंतर्गत ग्राम कटेरा निवासी अखिलेश पिता सुखदास शनिचरे का सीमा सुरक्षा बल (CRPF) में चयन होने से पूरे क्षेत्र में हर्ष और गर्व का माहौल है। सीमित संसाधनों के बावजूद अखिलेश ने अपने कठोर परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

अखिलेश एक गरीब परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता सुखदास शनिचरे एवं परिवार के अन्य सदस्य पीढियों से पुश्तैनी रूप से मिट्टी के बर्तन एवं मूर्तियां बनाने का कार्य कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते आ रहे हैं। आर्थिक कठिनाइयों के बावजूद अखिलेश ने कभी अपने लक्ष्य से समझौता नहीं किया और निरंतर मेहनत करते हुए देश सेवा का सपना साकार किया।

CRPF में चयन होने के बाद अखिलेश की इस सफलता को लेकर उनके परिवारजनों, ग्रामवासियों एवं क्षेत्र के लोगों में विशेष उत्साह है। ग्रामीणों का कहना है कि अखिलेश की उपलब्धि गांव के अन्य युवाओं के लिए भी प्रेरणा है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी आगे बढ़ने का मार्ग दिखाती है।

अखिलेश के चयन को न केवल उनके परिवार बल्कि समाज और ग्राम कटेरा के लिए भी गर्व का विषय बताया जा रहा है। सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि मातृभूमि की सेवा का यह पावन अवसर उन्हें यश, सम्मान और सफलता की नई ऊँचाइयों तक ले जाए।अखिलेश को उनके CRPF में चयन पर क्षेत्रवासियों द्वारा हार्दिक शुभकामनाएं दी जा रही हैं।

तिवड़ी खुर्द में आधा दर्जन युवकों ने आदिवासी महिला के घर हमला किया, मारपीट की

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम तिवड़ी खुर्द में आधा दर्जन से अधिक युवकों ने हमला करते हुए एक आदिवासी महिला को अश्लील गालियां और जातिगत रूप से अपमानित करते हुए उसे हाथ बुक्के मारपीट कर दिए। यह घटना 14 दिसंबर को उस समय हुई, जब यह आदिवासी महिला अपने घर में अकेली थी। हट्टा पुलिस ने इस मामले में पांच नामजद सहित अन्य युवकों के विरूद्ध इस आदिवासी महिला को अश्लील गालियां देने और एक राय होकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह 45 वर्षीय महिला प्रमिला मंडावी अपने परिवार के साथ मजदूरी करती है। जिसके परिवार में पति धनसिंह मंडावी दो बच्चे हैं जिनमे बड़ा लड़का अभिषेक मंडावी और छोटी लड़की दीपिका है। इस महिला का बेटा अभिषेक जेसीबी मशीन चलाता है और 2 हफ्ते से ग्राम कोसमी खुटिया तरफ काम करने गया हुआ है। 14 जनवरी को इस महिला का पति धन सिंह काम चला गया था। घर में यह महिला अपनी बेटी दीपिका के साथ में थी। 9ः00 बजे करीब जब यह महिला घरेलू काम कर रही थी और लड़की दीपिका मोहल्ले में गई थी। तभी अचानक घर के सामने कुछ लोगों के चिल्लाने की आवाज आई,आवाज सुनकर इस महिला ने घर के आंगन में आकर देखी पांच लड़के आंगन में डंडा लेकर खड़े थे और वे इस महिला को देखकर बोलने लगे कि तुम्हारा लड़का कहा है। महिला ने बोली कि लड़का मजदूरी करने के लिए गया है तभी सभी महिला को अश्लील गालियां देने लगे थे। महिला ने अश्लील गालियां देने से मना की थी। तभी दो लड़कों ने इस महिला के साथ बदतमीजी करते हुए धकाबुककी करने लगे। इस दौरान मोहल्ले में हल्ला होने लगा। आवाज सुनकर इस महिला की लड़की दौड़ती आई। वह इन लड़कों को पहचानती थी। महिला ने इन लड़कों को बोली कि मेरे घर आकर गालियां क्यों दे रहो। तभी लड़के इस महिला के बेटे अभिषेक के बारे में पूछने लगे और कहने वालों की हम उसको मार डालेंगे, महिला ने कहा कि क्यों मार डालोगे, उसने हम से गाली गलौज किया है। इसी दौरान दो लड़कों ने इस महिला के साथ। हाथ बुक्के से मारपीट कर दिए जिससे महिला के हाथ पैर में चोटे आई। तभी महिला ने हट्टा पुलिस को फोन की थी। सूचना मिलती हट्टा पुलिस मौके पर पहुंची और सभी लड़कों को थाना लेकर गई। इस महिला की लड़की इन लड़कों को पहचानती थी। जिन्होंने उनका नाम रूपेश सोनवाने ,यश चाकपाक, राजेश मचाड़े, राजा बागडे, सुनील उके सभी ग्राम तिलपेवा ?ा निवासी बताएं। पति के आने के बाद यह महिला रिपोर्ट करने के लिए हट्टा पुलिस थाना पहुंची। हट्टा पुलिस ने इस महिला द्वारा की गई रिपोर्ट पर युवकों के विरुद्ध इस महिला के घर एक राय होकर हमला करने और इस महिला को जाति सूचक शब्दों से अपमानित कर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में धारा 296,351(1),189,333,115(2) भारतीय न्याय संहिता और धारा 3(1)द,3(1)ध अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

यात्री बस की टक्कर से बाइक सवार की मौत, चालक फरार

पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया बस जब्त, जांच में जुटी पुलिस

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

लालबर्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत बालाघाट-सिवनी हाईवे रोड पर स्थित ग्राम डोकरबंदी के पास शुक्रवार की सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि उसका साला बाल-बाल बच गया। घटना के बाद बस चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने यात्री बस को जप्त कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार भमोड़ी, बालाघाट निवासी राजेंद्र चंदेकर 45 वर्ष अपने साले अस्टराज केवट 26 वर्ष के साथ मोटरसाइकिल से रिश्तेदारी में बरघाट (सिवनी) जा रहे थे। इसी दौरान ग्राम डोकरबंदी के पास उन्होंने बाइक सड़क किनारे खड़ी की, जहां अस्टराज बाथरूम के लिए उतरा हुआ था और राजेंद्र बाइक पर बैठा हुआ था। तभी बालाघाट से सिवनी की ओर जा रही एक यात्री बस के चालक ने तेज रफ्तार और लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए सड़क किनारे खड़ी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में राजेंद्र चंदेकर गंभीर रूप से घायल हो गया जबकि उनका साला कुछ दूरी पर होने के कारण बाल-बाल बच गया। वहीं घटना के बाद बस चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। जिसके बाद स्थानीय लोगों के द्वारा पुलिस को घटना की जानकारी दी गई और एम्बुलेंस की मदद से घायल राजेन्द्र चंदेकर को तत्काल लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वहीं सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए शव सौंप दिया है। वहीं पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त यात्री बस को जप्त कर थाना परिसर में खड़ा कर दिया है। बताया जा रहा है कि मृतक राजेन्द्र चंदेकर मजदूरी कार्य करता था, जो परिवार का मुखिया था। जिसके परिवार में पत्नि, दो लड़के, दो लकड़ी है और मजदूरी का कार्य कर प्राप्त आय से परिवार का पालन-पोषण करता था। जिसकी सड़क दुर्घटना में मौत हो जाने से परिवार को जीविकापार्जन करने में कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा। वहीं घटना के बाद से मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने फरार बस चालक की तलाश में जुटी हुई है एवं इस मामले में मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है।

नेवरगाव वा. के वीर बेटे को मिला वोसीओएएस कमेंडेशन अवार्ड

गांव के जवान का सम्मान, भारतीय सेना की उत्कृष्ट सेवा का प्रतीक, खुशी की लहर व्याप्त

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। भारतीय सेना दिवस के अवसर पर नेवरगांव वा. के वीर जवान आनंद गेडाम को वाइस चीफ आफ द आर्मी स्टाफ (वोसीओएएस) कमेंडेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान भारतीय सेना में उनके द्वारा दी गई उत्कृष्ट सेवा, कर्तव्य के प्रति निष्ठा और समर्पण को स्वीकार करते हुए प्रदान किया गया है। जिससे पुरे ग्राम में खुशी की लहर व्याप्त है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आनंद गेडाम की वर्तमान डयूटी स्टेशन 1083 एफ/डब्ल्यूकेएसपी (जीआरईएफ), बीआरओ पदम (कारगिल) जाइनिंग की तिथि 8 नवंबर 2008 (एसई) भारतीय सेना (जीआरईएफ) (जनरल रिज़र्व इंजीनियर फोर्स) भारत के सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) का मूल कैडर है। वहीं रक्षा मंत्रालय के अंतर्गत कार्यरत एक इंजीनियरिंग बल है, जो सीमावर्ती क्षेत्रों में महत्वपूर्ण सड़क नेटवर्क के निर्माण और रखरखाव का कार्य करता है। यह संगठन भारतीय सशस्त्र बलों को लॉजिस्टिक समर्थन प्रदान करने के साथ-साथ राष्ट्रीय विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वहीं श्री गेडाम 17 वर्षों से अपनी सेवा दे रहे है और अपने साहस, समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा से न केवल अपने साथियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बने। बल्कि देश की सुरक्षा में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनका यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत प्रयासों का परिणाम है, बल्कि पूरे गांव और क्षेत्र के लिए गर्व की बात है।

ग्रामीणों में खुशी का माहौल

चर्चा में एकता क्लब नेवरगांव वा. के सचिव एवं पंचायत सचिव विकास मेश्राम ने बताया कि लालबर्रा जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत नेवरगांव वा. के वीर जवान आनंद गेडाम का भारतीय सेना दिवस के मौके पर वाइस चीफ आफ द आर्मी स्टाफ (वोसीओएएस) कमेंडेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया है। जिससे पूरे नेवरगांव वा. ग्राम में इस सम्मान को लेकर खुशी का माहौल निर्मित हो गया है। वहीं लोग एकजुट होकर इस उपलब्धि का जश्न मना रहे हैं और आनंद गेडाम के योगदान की सराहना कर रहे हैं। स्थानीय प्रशासन और सामाजिक संगठन भी उनके सम्मान के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित करने की योजना बना रहे हैं, जिसका भव्य स्वागत भी किया जायेगा। वहीं ग्राम के युवा साथियों ने इस सम्मान को एक ऐतिहासिक पल बताते हुए कहा है कि हमारे लिए यह गर्व की बात है कि हमारे गांव का एक व्यक्ति भारतीय सेना में इस स्तर तक पहुंचा और देश की सेवा में अपनी निष्ठा साबित की। यह आने वाली पीढीयों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेगा। श्री मेश्राम ने बताया कि वीर जवान आनंद गेडाम का यह सम्मान न केवल उनकी मेहनत और लगन का फल है, बल्कि यह सभी सैनिकों और उनके परिवारों के लिए भी प्रेरणा देने वाला है। जो दिन-रात देश की सेवा में जुटे रहते हैं। उनके इस सम्मान से न केवल गांव में सम्मान और गर्व की भावना जागृत हुई है। बल्कि यह पूरे क्षेत्र के लिए एक उदाहरण भी प्रस्तुत करता है कि कड़ी मेहनत, समर्पण और कर्तव्य के प्रति निष्ठा से कोई भी लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। आगे बताया कि यह सम्मान आनंद गेडाम की असाधारण सेवा और साहस को मान्यता देने के लिए दिया गया है। इस सम्मान के साथ उनका नाम भारतीय सेना के गौरवमयी इतिहास में एक और अध्याय जोड़ने जा रहा है। उनके योगदान से प्रेरित होकर आने वाली पीढियां भी देश की सेवा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होगी।

निलजी में दो दिवसीय बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता 19 से

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत निलजी के हुड़की में सार्वजनिक देवस्थान समिति के तत्वाधान में 19 जनवरी से दो दिवसीय बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता एवं 21 जनवरी को मेला का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि ग्राम निलजी के हुड़की में 19 जनवरी से दो दिवसीय बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जिसमें प्रथम दिन सेकेण्ड दौड़ एवं 20 जनवरी को फाइनल दौड़ संपन्न होगी तत्पश्चात रात 9 बजे से आदिवासी लोक कला मंच का आयोजन किया गया है। साथ ही यह भी बताया कि 21 जनवरी को माता बोबलई एवं ढोलापाट व माता अन्नपूर्णा के दरबार में भव्य मेला का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर प्रात:काल से माता की पूजा अर्चना की जायेगी और मेले के अवसर पर ग्रामीणजनों के रात्रिकालीन मनोरंजन के लिए रात 9 बजे से दुय्यम डंढार का आयोजन किया गया है। जिसमें आदर्श कला निकेतन कामथी एवं श्रीकृष्ण रामलीला मंडल सूरजाटोला के डंढार के कलाकारों के द्वारा अपनी प्रस्तुती दी जायेगी। इस अवसर पर सार्वजनिक देवस्थान समिति निलजी के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने दो दिवसीय बैलजोड़ी पट प्रतियोगिता एवं मेले के अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की है।

कंजई के श्री राधाकृष्ण लक्ष्मीनारायण मंदिर में गौमाता की मूर्ति की हुई स्थापना

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत कंजई के श्री राधाकृष्ण लक्ष्मीनारायण मंदिर आखर चौक में गत दिवस 3 दिवसीय मुर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में आचार्य श्री जनार्दन भाई द्विवेदी के द्वारा जल कलश शोभायात्रा, सैय्या पूजन, प्राण प्रतिष्ठा पूजन संपन्न करवाया गया तत्पश्चात मंदिर में दूधपीता बछड़ा गौमाता की मूर्ति की स्थापना की गई। जिसके बाद हवन-पूजन संपन्न होने के बाद महाप्रसादी का वितरण किया गया। वहीं इस तीन दिवसीय मुर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में ग्रामीणजनों ने पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित किये। इस अवसर पर कंजई सरपंच अधिवक्ता आनंद बिसेन, उपसरपंच श्रीमती अनुराधा तिरेन्द्र कुमरे, सरपंच प्रतिनिधि आशीष बिसेन, सुरजभाऊ मुर्खे, प्रहलाद आमाडारे, दिलीप बगारे, रामकिशोर वाघाड़े, अनिल बगारे, ईश्वरी सेन्दरे, राजकुमार मुर्खे सहित पंचायत के सचिव, रोजगार सहायक, पंचगण, समस्त श्री यादव अहिर समाज, मंदिर संरक्षण समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सुहागन महिलाओं के बीच शुरू हुआ वान का दौर

सुहाग की लंबी उम्र की मांगी जा रही दुआ

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। सदा सुहागन बनी रहो वान का परंपरागत मिलन महिलाओं के बीच मकर संक्रांति पर्व के साथ शुरू हो गया है। भारतीय संस्कृति की इस परंपरा का निर्वाहन नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में प्रारंभ हो गया है एवं सुहागिन महिलाएं अपने घर में वान का आयोजन कर सुहागिन महिलाओं को आमंत्रण देती है और उन्हें हल्दी कुमकुम का टीका लगाकर उनके सदा सुहागिन रहने की ईश्वर से कामना करती है। इसी कड़ी में अमोली निवासी श्रीमती रीना पंचेश्वर के निवास में गुरूवार को सुहागन महिलाओं के द्वारा वान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित महिलाओं को श्रीमती रीना पंचेश्वर के द्वारा हल्दी कुमकुम का तिलक लगाकर सामग्री भेंट कर पर्व की शुभकामनाएं दी। साथ ही सदा सुहागिन रहने ईश्वर से कामना की। भारतीय संस्कृति की परंपरा अनुसार महिलाओं को वान का कार्यक्रम आयोजित करने वाली महिला स्नेह भेट करती है जिसमें बहुत ही साधारण वस्तुएं शामिल हुआ करती। जिसकी कीमत भले ही कम हो मगर उसका भाव बहुमूल्य होता है। चर्चा में श्रीमती रीना पंचेश्वर ने बताया कि मकर संक्रांति पर्व के साथ सुहागिन महिलाओं के बीच वान बाटने का क्रम शुरू हो जाता है जो जनवरी माह के अंत तक चलता है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए गुरूवार को वान का कार्यक्रम आयोजित कर उपस्थित महिलाओं को हल्दी कुमकुम का तिलकवंदन कर स्नेह स्वरूप सामग्री भेंट कर ईश्वर से पति की दीर्घायु की कामना की गई। साथ ही यह भी बताया कि भारतीय संस्कृति में सुहागिन महिलाएं अपने पति को परमेश्वर अर्थात ईश्वर का दर्जा देती है और वान का आयोजन कर अपने पति की लंबी उम्र के साथ सदा सुहागिन होने का आशीर्वाद अपने लिए अन्य सुहागिन महिलाओं से प्राप्त करती है। इस अवसर पर महिलाएं उपस्थित रहें।

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के पर्यवेक्षक को फोन पर मिली जान से मारने की धमकी

कलेक्टर, एसपी एवं थाना प्रभारी को सौंपा ज्ञापन, जान से मारने की धमकी देने वाले व्यक्ति पर सख्त कार्यवाही करने की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित शाखा लालबर्रा के पर्यवेक्षक दिलीपकुमार लिल्हारे के साथ फोन पर अभद्र व्यवहार करने और उन्हें जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा लालबर्रा के पर्यवेक्षक दिलीपकुमार लिल्हारे शुक्रवार को सेवा सहकारी समितियों के प्रबंधक एवं कर्मचारियों के साथ लालबर्रा थाना पहुंचकर थाना प्रभारी, जिला मुख्यालय में कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर फोन पर जान से मारने की धमकी देने वाले टेंगनीकला निवासी राज पारधी (पुरेन्द्र पारधी) पर एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिलीपकुमार लिल्हारे जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा लालबर्रा के पर्यवेक्षक के पद पर कार्यरत है। जो 15 जनवरी की शाम करीब 7 बजे जब वे बैंक से घर लौट रहे थे, तब उनके पास एक फोन आया और फोन पर टेंगनीकला निवासी राज पारधी पिता रामकिशोर पारधी के द्वारा उन्हे फोन क्यू नही उठा रहे हो कहा गया। जिस पर श्री लिल्हारे ने कहा कि डिप्टी कलेक्टर महोदय जबलपुर टीम द्वारा धान केन्द्र का निरीक्षण किया जा रहा था इसलिए फोन रिसिव नही कर पाये। जिसके बाद राज पारधी के द्वारा अभद्र भाषा में डिप्टी कलेक्टर के लिए अपशष्दों का प्रयोग किया गया और पर्यवेक्षक को जान से मारने की धमकी दी गई है। इस तरह से जिला सहकारी केन्द्रीय मर्यादित बैंक शाखा लालबर्रा के पर्यवेक्षक दिलीपकुमार लिल्हारे को फोन पर जान से मारने की धमकी देने की घटना के बाद से सेवा सहकारी समिति के अधिकारी-कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है। शुक्रवार को जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा लालबर्रा के पर्यवेक्षक श्री लिल्हारे सहित सेवा सहकारी समितियों के प्रबंधक एवं कर्मचारियों ने थाना पहुंचकर थाना प्रभारी और जिला मुख्यालय में कलेक्टर, एसपी को ज्ञापन सौंपकर श्री लिल्हारे को फोन पर जान से मारने की धमकी देने वाले टेंगनीकला निवासी राज पारधी पर एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्यवाही करने की मांग की है। मांग करने वालों में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा लालबर्रा के पर्यवेक्षक दिलीपकुमार लिल्हारे, शाखा प्रबंधक राजेश दुबे, प्रबंधक एमपी ठाकरे, रतनलाल एड़े सहित समस्त प्रबंधक एवं कर्मचारी शामिल है।

जान से मारने की धमकी देने वाले व्यक्ति पर कार्यवाही करें पुलिस प्रशासन - दिलीप

दूरभाष पर चर्चा में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा लालबर्रा के पर्यवेक्षक दिलीपकुमार लिल्हारे ने बताया कि गुरूवार की शाम में बैंक से काम करने के बाद घर जा रहा था। तभी रास्ते में टेंगनीकला निवासी राज पारधी का फोन आया और कहने लगे कि फोन क्यू नही उठा रहे हो। जब मेरे द्वारा उन्हे फोन न उठा पाने का कारण बताया कि डिप्टी कलेक्टर महोदया (जबलपुर टीम) द्वारा धान केंद्र का निरीक्षण किया जा रहा था। जिसके बाद उसके द्वारा डिप्टी कलेक्टर के लिए भी अपशब्दों का प्रयोग किया गया और मुझे जान से मारने की धमकी दी गई है। इस घटना के बाद से मैं डरा सा महसूस कर रहा हूं क्योंकि मेरा टेंगनीकला मार्ग से रोजाना आना-जाना होता है। श्री लिल्हारे ने बताया कि एक कर्मचारी के साथ फोन पर जान से मारने की धमकी दी गई है जिससे सेवा सहकारी समिति के कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है। लालबर्रा थाना प्रभारी, कलेटर महोदय एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर फोन पर जान से मारने की धमकी देने वाले टेंगनीकला निवासी राज पारधी पर एफआईआर दर्ज कर कठोर कार्यवाही करने की मांग की है।

इनका कहना है-

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित शाखा लालबर्रा के पर्यवेक्षक को एक व्यक्ति के द्वारा फोन पर अभद्र भाषा का प्रयोग कर जान से मारने की धमकी देने के संबंध में लिखित आवेदन थाने में दिया गया है। उक्त मामले की जांच कर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

सुनिल चतुर्वेदी
थाना प्रभारी
लालबर्रा।

घोटी में दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता 19 से

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर ग्राम पंचायत घोटी में भवानी क्लब के तत्वाधान में दो दिवसीय विशाल कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति के संरक्षक सीताराम गजबे ने बताया कि आयोजित दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 15,000 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 10,000 रूपये, तृतीय पुरस्कार 7000 रूपये एवं प्रवेश शुल्क 351 रूपये निर्धारित किया गया है। उक्त कार्यक्रम समाजसेवी अनुराग चतुरमोहता के मुख्य आतिथ्य में प्रारंभ होगा। इस अवसर पर जिलेभर की कबड्डी टीम के खिलाड़ियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपने खेल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की अपील डुलेन्द्र बोरकर समिति अध्यक्ष, मुकेश सार्वे उपाध्यक्ष, टुपेन्द्र देशमुख कोषाध्यक्ष, हितेश चौधरी, छबीलाल गोले सचिव, बस्ताराम बोरकर, कमलेश गौतम, लोकेश वलथरे, हर्षित चौधरी, अंकित सराठे, पियुष लानगे, लुक्की बागड़े, शैलेश कुकड़े, खिलेन्द्र लानगे, गजेन्द्र तितरमारे, निखिल नेवारे, अक्षय मारवाड़ी, प्रकाश लानगे, नितेश सार्वे, राहुल राहंगडाले, निलू सार्वे, पवन लानगे, सुजित सपाटे, मनन लांजेवार, मिनेश जर्वेकर, पवन अंगुरे, राहुल अंगुरे, टिकेन्द्र बोरकर, अनिल माने, मुकेश अवझेकर, कैलाश राऊत, राहुल सहारे, अमित नेवारे, शैलेन्द्र अंगुरे, हर्षित बघेल, लालू चौधरी, महेश चौधरी, राहुल गौतम, गजेन्द्र बोरकर, योगेन्द्र अंगुरे, हिमांशु नागरवाड़े, सुमित कारे, प्रिंस लानगे, त्रिलोक पटले, चन्द्रशेखर अंगुरे, अंकित पटले, संजय देशमुख, निलेश चौधरी, रविन्द्र अंगुरे, राकेश बागड़े, केदार गौतम सहित ग्रामीणजनों ने की है।

रबी धान फसल लगाने नहर के पानी का इंतजार कर रहे मदनपुर के किसान

गेहूं चना लगाने भी पानी नहीं मिलने से आक्रोश में किसान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मदनपुर के किसान नहर में पानी आने का इंतजार कर रहे हैं ताकि वह अपने खेतों में रबी की फसल लगा सके। परंतु नहर सूखी पड़ी हुई है जहां उन्हें गेहूं चना लगाने तक भी पानी प्राप्त नहीं हो पा रहा है जिसको लेकर किसानों में काफी आक्रोश व्याप्त है। जिसके कारण पूरे खेत खाली पड़े हुए हैं और किसान सिंचाई विभाग से पानी देने की मांग कर रहे हैं। परंतु ढूढी नहर के माध्यम से मदनपुर आने वाली माइनर में पानी नहीं आना दिक्कत का विषय मदनपुर के किसानों के लिए बना हुआ है। जिनके द्वारा नहर की मरम्मत करने या सीमेंटीकरण करने की मांग की जा रही है ताकि सीधा पानी उनके खेतों तक आ सके।

नहर गड्ढे झाड़िया गन्दगी से खराब

वारासिवनी क्षेत्र कृषि पर आधारित है अधिकांश लोगों का पेशा किसानी हैं अभी खरीफ का मौसम खत्म हुआ है और रबी का चालू हो गया है। जिसमें प्रशासन के द्वारा अधिक पानी वाली फसल धान लगाने पर रोक लगाकर गेहूं ,चना लगाने के लिए निर्देश दिए गए हैं। जिसके लिए कुछ क्षेत्रों में पानी नहीं मिल पा रहा है। ऐसा ही मदनपुर जहां आलेझरी मुख्य नहर ढूटी से एक नहर आती है जिसमें पानी ग्राम के खेतों तक नहीं पहुंच पा रहा है। ऐसे में कई किसान गेहूं चना जैसी रबी की फसल लगाने से भी वंचित नजर आ रहे हैं। हालांकि किसानों के द्वारा सिंचाई विभाग को शिकायत तो की गई है किंतु वर्तमान तक पानी ग्राम तक नहीं पहुंच पाया है। ऐसे में साधन वाले किसानों के द्वारा थोड़ी बहुत फसल लगा ली गई है बाकी लोग नहर के आने की रास्ता देख रहे हैं। हालांकि गत दिवस नहर का पानी इस इस मदनपुर नहर में आया था परंतु वह खेत तक नहीं पहुंच पाया। क्योंकि नहर में जगह जगह गड्ढे हो गए हैं कुछ स्थानों पर नहर टूट गई है अत्यधिक झाड़ियां पनप गई है तो वहीं नहर के अंदर गंदगी भी एकत्रित है। इसके बाद किसानों के द्वारा खेतों तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था करने की मांग विभाग से की जा रही है। किंतु इस पर जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा अभी तक ध्यान नहीं देने से किसान चिंतित है और वह इस रबी वर्ष को लेकर काफी परेशान नजर आ रहे हैं। ऐसे मैं किसानों के द्वारा सिंचाई विभाग से नहर की मरम्मत करने या पूरी नहर का सीमेंटीकरण करने शासन प्रशासन से मांग की जा रही है ताकि हर बार पानी सीधा किसानों के खेतों तक पहुंच सके।

धान की फसल को लगाने नही दे रहे तो चना गेहूं की फसल को पानी देना चाहिये-दीपेश

किसान दीपेश राहगंडाले ने बताया कि किसानो की स्थिति बहुत बेकार है नहर का पानी नहीं आ रहा है। यह जो नहर है वह कई स्थानों से टूटी हुई है हमारे सामने अब रबी लगाने की समस्या बनी हुई है। रबी में धान की फसल को तो मनाकर दिया गया है किंतु गेहूं चना लगाने का है तो वह लगाने के लिए पानी का यह रास्ता देख रहे हैं। परंतु नहर में पानी का अभाव दिख रहा है ५ किलोमीटर दूरी से यह नहर आता है बीच में दो से चार दिन पानी आया था। किंतु वह खेत तक नहीं आया क्योंकि नहर जगह.जगह से टूट गई है गड्ढे हो गए हैं कचरा भरा हुआ है झाड़ियां हो गई है। जिस कारण पानी उधर ही रुक गया शिकायत भी किये थे जब पैसे लेने के लिए विभाग के लोग आए थे। परंतु अभी तक कुछ नहीं हुआ है हम चाहते हैं कि यह नहर जहां से टूटा है और गड्ढे हो गए हैं उसे बंधवाए या सीमेंटी कारण करें।

पानी नही मिलने से सुख रही फसल से किसानों में आक्रोश है-सुनील

सरपंच प्रतिनिधि सुनील झिल्पे ने बताया कि हमारे यहां नहर की बहुत बुरी स्थिति है रबी के लिए पानी नहीं आ रहा है। यह जो नहर है हमारे गांव में आती है वह आलेझरी में बहने वाली बड़ी नहर ढूटी की है उससे पानी आता है। करीब ५ किलोमीटर का लंबा नहर है इसमें कोई साफ सफ ाई नहीं की गई है गड्ढे हो गए हैं गंदगी पड़ी हुई है। इन चीजों से दिक्कत है और यही कारण है कि माइनर में पानी नहीं आता है कई जगह भुड़के भी लगे हुए हैं। जिस कारण से व्यर्थ में पानी बहता है कुल मिलाकर नहर की स्थिति ठीक नहीं है इसकी मरम्मत होना चाहिए साफ सफाई होना चाहिए। सिंचाई विभाग के अधिकारी भी देखने के लिए नहीं आते हैं। शिकायत करने पर अमीन आकर चले जाते हैं और केवल बना देंगे कहकर संतावना देकर जाते हैं।

तहसील में गणतंत्र दिवस की बैठक का हुआ आयोजन

आयोजन की जिम्मेदारी का वितरण कर दिये आवश्यक निर्देश

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के तहसील कार्यालय स्थित सामुदायिक भवन में २६ जनवरी २०२६ गणतंत्र दिवस मनाया जाने को लेकर आवश्यक बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल ,जनपद सीईओ दीक्षा जैन, नायाब तहसीलदार तीरथ प्रसाद अक्षरिया सहित अन्य गणमान्य नागरिक व अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति में प्रारंभ की गई। जिसमें प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम में भव्य गणतंत्र दिवस कार्यक्रम आयोजन को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। जिसमें ध्वजारोहण एनसीसी व अन्य स्कूलों की परेड विभिन्न स्कूलों एवं विभागों की झांकी नृत्य और पूर्व की तरह ही उत्साह और धूमधाम से गणतंत्र दिवस को मनाया जाने की बात कहीं गई। वहीं अधिकारी कर्मचारियों को १ दिन पूर्व शासकीय इमारतों एवं नगर के चौक चौराहों पर उजाला किए जाने एवं २६ जनवरी की सुबह ध्वजारोहण करने, वही नगर पालिका ,पुलिस विभाग को शासकीय चौक चौराहा प्रतिमाओं एवं भावनाओं पर लगे फ्लेक्स होल्डिंग पांपलेट को निकालना ,जरूरत होने पर चौक चौराहा की पुताई करवाने के लिए निर्देशित किया गया। मुख्य समारोह का आकर्षण का केंद्र प्रतिवर्ष सांस्कृतिक कार्यक्रम रहते हैं जिसमें इस वर्ष कार्यक्रम में भाग लेने वाले स्कूलों को लोकगीत एवं देशभक्ति से प्रेरित गीतों के ऊपर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देने की बात एसडीएम के द्वारा कही गई। ताकि हम अपनी क्षेत्रीय परंपरा को आगे बढ़ा सके इसमें पूर्व की तरह समय रहेगा। इस बीच प्रस्तुति देने पर एसडीएम के द्वारा उपस्थित जनों से चर्चा उपरांत परेड रिहर्सल का समय समय पर निरीक्षण करने निर्देशित परेड रिहर्सल प्रारंभ करने कहा गया। इस दौरान उपस्थित अधिकारी कर्मचारियों को गणतंत्र दिवस पर किए जाने वाले कार्यों की जिम्मेदारी सौंप गई । वहीं निर्णायक पैनल में नगर वासियों को शामिल भी किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शासकीय अधिकारी कर्मचारी सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

15 गेंदों में 12 छक्के और एक चौके हर्ष ठाकरे ने कोचवाही को जिताया मैच

विधायक पटेल ने विजेता और उपविजेता टीमों को किया पुरस्कृत

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत नगझर में सात दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का समापन विधायक विवेक पटेल की उपस्थिति में किया गया। इस टूर्नामेंट में जिले की लगभग दस टीनों ने भाग लिया । समापन मैच ग्राम कोचवाही और नगझर के बीच खेला गया। जिसके मुख्य अतिथि विधायक विवेक पटेल का समिति के द्वारा स्वागत किया गया। जिसके बाद क्रॉस टॉस की प्रक्रिया सम्पन्न की गई। टॉस ग्राम नगझर की टीम ने जीता और पहले बेटिंग करने का निर्णय लिया । इस दौरान सरपंच विजय सहारे, झनकसिंह ठाकरे, निर्मल बिसेन, करणसिंह धुर्वे, रवि टेंभरे, संदीप टेंभरे,बंटी बिसेन, दिनेश बिसेन, मनोज टेंभरे,योगराज बिसेन, नरेंद्र टेकाम, रामसिंह कंगाली, सोनू पटले,पप्पू बिसेन,राहुल टेकाम,निहालसिंह कंगाली सहित खेलप्रेमी मौजूद रहे। टॉस जीतकर बेटिंग करने उतरी नगझर की टीम ने निर्धारित ८ ओवर में ४ विकेट खोकर १२२ रनो का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा कर दिया। नगझर की ओर से सबसे ज्यादा रन अजीम खान ने २० गेंदों में नाबाद ५२ रन बनाए। वहीं रनो का पीछा करने उतरी कोचवाही के बल्लेबाज ओम ने पहली ही बाल पर बाउंड्री के पार छक्का लगा दिया और अगली बाल को फिर छक्का लगाने के चक्कर में बोल्ड हो गए। फिर दूसरा बल्लेबाज शेल्लू बिना रन बनाए कैच आउट हो गए। फिर तीसरा विकेट ३९ रन पर गिर गया ऐसा लग रह था नगझर आसानी से मैच जीत जाएगी फिर पाली संभालने उतरे बल्लेबाज हर्ष ठाकरे ने एक ही ओवर में ४ छक्के लगाकर मैच पलट दिया। उसके बाद मानो हर्ष ठाकरे के छक्कों की बारिश कर दी और पांचवे ओवर में फिर ४ छक्के ठोक डाले और मात्र ११ गेंदों पर ही अपना अर्ध शतक पूरा कर लिया। उसके बाद मानो हर्ष ठाकरे को बॉल फुटबॉल नजर आ रही थी हर बालर की ऐसी धुनाई कर रहे थे। मानो छक्कों की बारिश हो गई होगी। बालर सिर्फ बाउंड्री के पार से सिर्फ बॉल उठाकर ला रहे थे ।और एक ओवर शेष रहते ही अपनी कोचवाही की टीम को हारा हुआ मैच जीता दिया। इस बल्लेबाज की धुंआधार बल्लेबाजी से अतिथि भी अपने आप को नहीं रोक पाए और गले लगाकर उस बल्लेबाज की तारीफ करते रहे। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि हर्ष ठाकरे ने यह साबित कर दिया कि अंतिम बॉल तक हार जीत किसकी होगी कहा नहीं जा सकता। इस बल्लेबाज ने छक्कों की बारिश कर दी। मैदान के अंदर फ ील्डर भी दर्शक बनकर मैच देख रहे थे। फ ील्डर सिर्फ बाउंड्री के पार से बॉल उठाकर ला रहा थे। मैने ऐसा मैच कभी नहीं देखा। एक समय कोचेवाही की टीम के तीन विकेट जल्दी गिर गए थे। फिर भी इस बल्लेबाज ने अपनी टीम को मैच जीता दिया। वैसे ही मेरे साथ राजनीति में भी हुआ था आप लोगों को पता है इसलिए पिच में हर खिलाड़ी को खड़ा रहना चाहिए।

कलश शोभायात्रा के साथ श्रीनर्मदा पुराण का हुआ शुभारंभ

हैदराबाद महोल्ले में प्रतिदिन पूजन रुद्राभिषेक प्रवचन का होगा आयोजन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नं. ११ हैदराबाद महोल्ले में १६ जनवरी को राधा रानी महिला मण्डल एवं वार्डवासी के तत्वाधान में भव्य कलश शोभायात्रा निकाल कर श्री नर्मदा पुराण का शुभारंभ किया गया। इसमें प्रथम दिन पंचांग पूजन करने के उपरांत कथा स्थल से भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा नगर के गोलीबारी चौक ,आंबेडकर चौक ,नेहरू चौक ,जय स्तंभ चौक से वापस कटंगी रोड़ सब्जी बाजार होते हुए वार्ड नंबर ११ हैदराबाद मोहल्ला कथा स्थल पहुंची जहां पर शोभायात्रा का समापन किया गया। इस दौरान कलश लेकर निकली भव्य कलश शोभायात्रा आकर्षण का केंद्र रही। तो वहीं डीजे पर बज रहे भक्ति गीतों पर उपस्थित भक्तों के द्वारा नृत्य भी जगह जगह किया जाता रहा। शोभायात्रा समाप्त होने के बाद कथा स्थल पर विधि विधान से पूजा कर व्यास आसन की पूजा कर महत्व कथा सुनाई गयी। जिसे मौके पर उपस्थित श्रद्धालुओं के द्वारा मग्न होकर पुराण श्रवण किया गया। विदित हो की यह श्री नर्मदा पुराण का आयोजन १६ से २५ जनवरी तक आयोजित किया गया है। जिसमें संस्कारधानी जबलपुर से पधारे ओमप्रकाश महाराज के द्वारा माँ नर्मदा की अमृत धारा की कथा व्यास पीठ पर आसीन होकर संगीतमय प्रवचन के माध्यम से सुनाई जायेगी। जिसमें प्रतिदिन सुबह ८ से १० बजे तक पूजन किया जाएगा । तत्पश्चात सुबह १० से दोपहर १२ बजे तक रुद्राभिषेक एवं दोपहर १ बजे से शाम ५ बजे तक श्री नर्मदा पुराण की गाथा सुनाई जाएगी। जिसमें १७ जनवरी को मारकांडे पांडव चरित्र,१८ जनवरी को कल्प महिमा,१९ जनवरी को माँ नर्मदा कल्प वर्णन ,२० जनवरी को माँ नर्मदा उद्गम कथा,२१ जनवरी को माँ नर्मदा के तटों का वर्णन,२२ जनवरी को दान महिमा परिक्रमा विधि, २३ जनवरी को माँ नर्मदा देव संवाद,२४ जनवरी को माँ नर्मदा पूजन विधि,२५ जनवरी को हवन कन्या भोज भंडारा पूर्णाहूति के साथ समापन किया जायेगा। इस अवसर पर नगर सहित क्षेत्र के लोगो से अधिकाधिक संख्या में उपस्थित होकर कथा श्रावण का लाभ लेने की अपील राधा रानी महिला मण्डल एवं वार्डवासी वार्ड नं. ११ हैदराबाद मोहल्ला ने की हैं।

सड़क हादसे में घायल आशीष कुशराम जिला अस्पताल रिफर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी लालबर्रा मार्ग स्थित ग्राम मुरझड फार्म के पास सड़क हादसे में १६ जनवरी की दोपहर १६ वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। इसमें बताया जा रहा है कि युवक आशीष कुशराम अपनी मोटरसाइकिल से नेवरगांव की तरफ जा रहा था तब यह हादसा हो गया। घायल का सिविल अस्पताल में प्राथमिक उपचार कर बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार आशीष पिता चंद्रपाल कुशराम १६ वर्ष हिमाचल नगर वार्ड नं.१ निवासी है जो मोटरसाइकिल से लालबर्रा की तरफजा रहा था। इस दौरान वारासिवनी लालबर्रा मार्ग पर राजा भोज कृषि महाविद्यालय के आगे ग्राम मुरझड़ की पानी टंकी के पास अचानक मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतरकर पेड़ में घुस गई। जिसमें मोटरसाइकिल सवार युवा गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे तत्काल टोल टैक्स एंबुलेंस के माध्यम से सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया। जहां डॉक्टर के द्वारा युवक की जांच कर उसका प्राथमिक उपचार करने के उपरांत बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया गया। इस दुर्घटना में युवक के हाथ पैर सर सहित शरीर के विभिन्न हिस्सों में अंदरूनी और बाहरी चोट आई है।

आवश्यकता है

वारासिवनी कार्यालय में केबल में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है

स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता

- संपर्क करें -

पद्मेश सिटी केबल

बस स्टेण्ड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

संपादकीय

सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

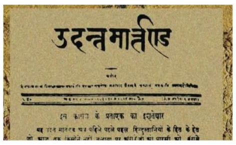

अब सुरक्षा और कूटनीति का मल्लयुद्ध

ईरान संकट गहरा गया है। अमेरिका के साथ तनाव बढ़ने के बीच उसने व्यावसायिक विमानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र बंद कर दिए हैं। भारत के लिए यह संकट केवल एक दूरस्थ आंतरिक उथल-पुथल नहीं, बल्कि पश्चिम और मध्य एशिया में रणनीतिक, आर्थिक और भू-राजनीतिक हितों से सीधे तौर पर जुड़ा हुआ है। अमेरिका के साथ ईरान की कटुता को देखते हुए साफ है कि वहां के हालात बदतर होते गए हैं। ऐसे में नई दिल्ली ने अपना राजनयिक दृष्टिकोण सतर्क और व्यावहारिक रखा। भारत ने ईरान के राजनीतिक नेतृत्व के साथ संपर्क बनाए रखा, ताकि रणनीतिक सहयोग को अल्पकालिक उथल-पुथल से बचाया जा सके। अब जबकि हालात बेकाबू हो रहे हैं, वहां फंसे दस हजार भारतीयों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। विदेश मंत्रालय का कहना है कि उनके अधिकारी विभिन्न इलाकों में जाकर भारतीयों से संपर्क कर रहे हैं। उन्हें निकालकर स्वदेश लाने पर काम हो रहा है। तेहरान स्थित भारतीय दूतावास ने कहा है कि वहां से अपने नागरिकों को निकालने की तैयारी पूरी है और शुक्रवार को पहला जत्था भारत पहुंच जाएगा।

ईरान में सत्ता प्रतिष्ठान जनता और सूचना दोनों पर नियंत्रण खोने से चिंतित है। न सिर्फ नागरिकों का सवाल है, वहां के पूरे परिदृश्य ने भारत की चिंता हर तरह से बढ़ा दी है। भारत की सबसे बड़ी चिंता चाबहार बंदरगाह परियोजना है, जिसमें उसने करोड़ों डालर का निवेश किया है। यह परियोजना पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए अफगानिस्तान, मध्य एशिया, रूस और यूरोप के लिए एक रणनीतिक प्रवेश द्वार का काम करती है। ईरान में लंबे समय से जारी अस्थिरता इस परियोजना की समयबद्धता और रणनीतिक महत्त्व को खतरे में डालती है, विशेष रूप से चाबहार-जाहेदान रेलवे लाइन को। अशांत माहौल चीन को अपना प्रभाव बढ़ाने का अवसर भी दे सकता है, जिससे भारत की क्षेत्रीय और समुद्री स्थिति पर सवाल खड़े हो सकते हैं। क्षेत्रीय समीकरण के अलावा भारत के ऊर्जा हित भी दांव पर हैं, क्योंकि ईरान में राजनीतिक उथल-पुथल क्षेत्रीय ऊर्जा समीकरणों को बाधित कर सकती है और भविष्य के सहयोग को सीमित कर सकती है। नई चिंता ट्रंप प्रशासन द्वारा ईरान के साथ व्यापार करने वाले देशों पर 25 फीसद शुल्क से जुड़ी है। इस साल भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है। वह वैश्विक दक्षिण की आवाज उठाता रहा है। इस नाते उसकी भूमिका अहम हो जाती है। इसमें भारत के लिए चुनौती यह है कि वह अपने रणनीतिक हितों की रक्षा करे और वह भी ईरान के आंतरिक संघर्षों या महाशक्तियों की प्रतिद्वंद्विता में उलझे बिना। तेहरान की स्थिति जटिल दिख रही है। भारत और ईरान के रिश्ते कभी विचारधारा से संचालित नहीं रहे। ये संबंध भूगोल, पहुंच और क्षेत्रीय संतुलन की जरूरत से बने हैं। ईरान में किसी भी तरह का बड़ा झटका भारत की वर्षों से साधी गई व्यापारिक राहों, कूटनीतिक समीकरणों और सुरक्षा गणनाओं को प्रभावित कर सकता है। यदि स्थिति और बिगड़ती है तो तेल बाजार में अस्थिरता, कीमतों में उछाल और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ना तय है। साथ ही, शरणार्थियों की अप्रत्याशित भीड़ और क्षेत्रीय सुरक्षा समीकरणों में बदलाव की आशंका को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

जन्मदिन पर विशेष

मूल्य की पत्रकारिता के पर्याय थे बबन प्रसाद मिश्र

बालाघाट के निकट बरबसपुर नामक गाँव से निकल कर पत्रकारिता के पुरोधा और पर्याय बनने वाले महनीय पत्रकार और सम्पादक प. बबन प्रसाद मिश्र के जन्मदिन के बहाने उनकी पत्रकारीय भूमिका की मीमांसा का यह अनुकूल अवसर है।

आज जब पत्रकारिता पूरी तरह बाजारवाद की चपेट में है और खबरों से ,समाचार से ज्यादा विज्ञापन को महत्व दी दिया जा रहा है तब एक समय ऐसा भी था जब बबन प्रसाद मिश्र जैसे पत्रकार ने अखबार के फ्रंट पेज पर उनके बिना जानकारी के छापे विज्ञापन की वजह से अपने पद से इस्तीफा दे दिया। आज तो अखबार में एक नहीं चार-चार फ्रंट पेज निकाले जा रहे है चारों में विज्ञापन दिया जा रहा हैं ,यह पत्रकारिता के बदलते मूल्य की शुरुआत थी और कुछ लोग ऐसे होते हैं कि जो बदलते मूल्यों के साथ समझौता नहीं करते हैं उनमें से एक थे बबन प्रसाद मिश्र ।समाचार अखबारों की बदलती प्राथमिकताओं के साथ समझौता नहीं करने की वजह से उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दिया।

आज पुरोधा पत्रकार स्वर्गीय बबन प्रसाद मिश्र की जयंती है। यह अवसर केवल एक व्यक्तित्व को स्मरण करने का नहीं, बल्कि हिंदी पत्रकारिता की उस परंपरा को नमन करने का दिन है, जिसमें सत्य, साहस और सिद्धांत सर्वोपरि रहे हैं। बबन प्रसाद मिश्र पत्रकारिता के वो अटल आधार स्तंभ थे, जिन्होंने मूल्यों की पत्रकारिता को न सिर्फ जिया, बल्कि उसे अपने जीवन की तरह साधा। वे उन दुर्लभ पत्रकारों में थे, जिन्होंने कलम को कभी सत्ता का औज़ार नहीं बनने दिया, बल्कि उसे समाज के प्रति जवाबदेह एक जीवंत मशाल की तरह थामे रखा।

उन्होंने अपने संपूर्ण जीवन में पत्रकारिता के उन व्यापक और शाश्वत मापदंडों को न केवल बनाए रखा, बल्कि उन्हें दुनिया की सबसे बड़ी ताकत और जिम्मेदारी का दर्जा दिया। उनकी लेखनी और उनके जीवन में मूल्य इतने गहराई से रचे-बसे थे कि आज भी वे उतनी ही चमक के साथ दिखाई देते हैं। यही कारण है कि बबन प्रसाद मिश्र ने जो लिखा, वह किसी व्यक्ति या संस्था के लिए नहीं, बल्कि उन पत्रकारों के लिए समर्पित रहा जो आज भी अपनी अस्मिता, स्वतंत्रता और नैतिक दायित्व के प्रति सजग हैं।

आज के दौर की पत्रकारिता पर नज़र डालें तो स्पष्ट दिखता है कि संपादक का स्थान प्रबंधन ने ले लिया है। स्वतंत्र सोच, निर्भीक लेखन और जनपक्षधर पत्रकारिता की जगह चरण-वंदन, सत्ता-समीकरण और विज्ञापन की होड़ ने ले ली है।

अखबार के पहले पन्ने पर खबर छपे या विज्ञापन इससे अधिक फर्क नहीं पड़ता, बस कमाई होनी चाहिए। इसी पतनशील समय पर बबन प्रसाद मिश्र की वैचारिक दृढ़ता और नैतिक ऊँचाई और अधिक प्रासंगिक हो जाती है ।उनकी पुस्तक 'मैं और मेरी पत्रकारिता' केवल आत्ममंथन नहीं, बल्कि पत्रकारिता के वर्तमान और भविष्य पर एक गंभीर चेतावनी है। वे लिखते हैं-

'देशभक्ति के लिए निकले समाचार पत्र का स्वरूप शनैः शनैः

राजभक्ति के अखबार का हो गया थाञ् आज तो अखबारों में राजभक्ति की जैसे होड़ सी मची हुई है।'

यह कथन किसी आवेग का परिणाम नहीं, बल्कि उस कठोर सत्य का उद्घाटन है, जो पत्रकारिता के आत्मसम्मान को भीतर तक झकझोर देता है।

बबन प्रसाद मिश्र ने पत्रकारिता में ऐसे उच्च मानक स्थापित किए, जिनकी कल्पना आज दुर्लभ हो चली है। वे ऐसे संपादक थे जिन्होंने किसी अखबार के सर्वोच्च पद पर रहते हुए भी यह कहने में संकोच नहीं किया कि यदि उनके बिना जानकारी के पहले पन्ने पर विज्ञापन छप सकता है, तो वे उस पद पर नहीं रहेंगे। संपादक पद छोड़ देना उनके लिए त्याग नहीं, बल्कि मूल्यों की रक्षा का स्वाभाविक निर्णय था। यह उदाहरण आज की पत्रकारिता के लिए एक मौन प्रश्न भी है और एक जीवंत आदर्श भी ।दैनिक नवभारत और युगधर्म, रायपुर जैसे प्रतिष्ठित समाचार पत्रों के पूर्व संपादक रहे बबन जी, जनधारा के प्रधान संपादक भी रहे। उनकी कलम में सच्चाई की वह आग थी, जो सत्ता के दबाव, प्रबंधन के संकेत और समझौते की राजनीति से कभी ठंडी नहीं पड़ी।

उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए जबलपुर के वरिष्ठ पत्रकार और मध्यप्रदेश हिंदी एक्सप्रेस के संपादक रविंद्र बाजपेयी ने भावुक शब्दों में कहते हैं कि छात्र जीवन में ही उन्होंने बबन जी के डिक्टेशन लेकर पत्रकारिता का पहला पाठ पढ़ा। उनके अनुसार, पूरे जीवन संघर्ष करते रहने के बावजूद चेहरे की निश्छल मुस्कान उनकी पहचान थी। आत्मीयता, संबंधों का निःस्वार्थ निर्वहन और मानवीय संवेदनाएँ उनके वे गुण थे, जिन्होंने उन्हें गहराई तक संस्कारित किया।

वहीं माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार एवं शिक्षक श्री संजय द्विवेदी उन्हें हिंदी पत्रकारिता का यशस्वी हस्ताक्षर और मार्गदर्शक बताते हैं। उनके अनुसार बबन प्रसाद मिश्र जी का लेखन, उनके सरोकार और उनका व्यक्तित्व पत्रकारिता के नैतिक मूल्यों का जीवंत उदाहरण है, जिसे भुलाया नहीं जा सकता।

छत्तीसगढ़ विजुअल एंड आर्ट सोसाइटी के अध्यक्ष एवं स्वर्गीय श्री बबन प्रसाद मिश्र जी के छोटे भाई सुभाष मिश्र ने जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि बबन प्रसाद मिश्र केवल उनके बड़े भाई ही नहीं, बल्कि जीवन भर मार्गदर्शन देने वाले एक नैतिक प्रकाशस्तंभ थे। उन्होंने कहा कि बबन जी ने पत्रकारिता को कभी पद या प्रतिष्ठा का साधन नहीं बनने दिया और सिद्धांतों के साथ समझौता किए बिना जीवन जिया। उनके विचार, उनका साहस और मूल्यनिष्ठा आज भी उन्हें और समाज को सही दिशा दिखाने का काम कर रहे हैं।

आज स्वर्गीय श्री बबन प्रसाद मिश्र की जयंती पर उनका पुण्य स्मरण करते हुए यह कहना अनुचित नहीं होगा कि वे केवल एक व्यक्ति नहीं थे, बल्कि पत्रकारिता की वह आत्मा थे, जो सत्य के साथ खड़ी रहती है, चाहे समय कितना ही कठिन क्यों न हो। उनकी स्मृति, उनकी सोच और उनके मूल्य आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रकाशपुंज बने रहेंगे।

शिक्षा के साथ अब कौशल का दौर

-रंजना मिश्रा

पहले यह धारणा थी कि अगर सफल होना है, तो शिक्षा में उच्च डिग्री हासिल करना जरूरी है। मगर दुनिया अब उस दिशा में आगे बढ़ रही है, जहां यह देखा जाता है कि शिक्षा के साथ ही व्यक्ति को काम क्या आता है और वह कितना कुशल है।

समय की गति चहुत तेज है और इस चदलाव के साथ ही जीने और काम करने के तरीके भी पूरी तरह बदल चुके हैं। चहुत समय से समाज में यह बात गहराई से बैठी हुई थी कि अगर जीवन में सफल होना है, तो एक बड़ी डिग्री का होना सबसे जरूरी है। मगर अब चारों तरफ यह चर्चा हो रही है कि आने वाले समय में सिर्फ डिग्री पाना ही काफी नहीं होगा। कौशल विकास का पैमाना अहम होगा। ऐसे में क्या डिग्री की प्रासंगिकता का सवाल उन करोड़ों छात्रों और अभिभावकों के लिए उठ खड़ा हुआ है, जो अपनी मेहनत की कमाई और जीवन का कीमती समय एक डिग्री हासिल करने में लगा देते हैं। पहले यह माना जाता था कि स्कूल और कालेज की पढ़ाई खत्म करने के बाद जी प्रमाणपत्र मिलता है, चही उज्वल भविष्य की एकमात्र चाबी है, लेकिन अच वह चाची अपनी चमक खो रही है। दुनिया उस दिशा में आगे बढ़ रही है, जहां इस बात से ज्यादा फर्क पड़ता है कि किसी को काम क्या आता है, वह कितनी कुशलता से उसे पूरा कर सकता है।

भारत की शिक्षा व्यवस्था में हाल ही में जो बड़े बदलाव किए गए हैं, उनका मुख्य उद्देश्य भी इसी पुरानी सोच को बदलना है। पुराने समय की पढ़ाई ऐसी थी, जैसे सबकी एक ही सांचे में डालने की कोशिश की जा रही हो। इसे अक्सर %मैकाले की शिक्षा पद्धति% कहा जाता था, जिसका काम केवल सरकारी और निजी दफ्तरों के लिए एक जैसे कर्मचारी तैयार करना था। उस व्यवस्था में छात्रों की अपनी रुचि और उनकी छिपी हुई प्रतिभा के लिए चत्हुत कम जगह थी। मगर अब सोच पूरी तरह बदल रही है। शिक्षा मंत्री ने भी हाल में कहा कि अध देश को केवल डिग्री बांटने वाले संस्थानों की नहीं, बल्कि हुनर भी सिखाने वाले केंद्रों की जरूरत है।

आज के समय में अंतरराष्ट्रीय कंपनियां नौकरी देते समय कालेज का नाम या डिग्री का साल नहीं पूछतीं, बल्कि यह देखती हैं कि सामने वाला व्यक्ति उनकी चुनौतियों को सुलझाने की क्षमता रखता है या नहीं। अब एक हुनरमंद व्यक्ति, जिसके पास कोई बहुत चड़ी डिग्री नहीं है, वह भी अपनी मेहनत और योग्यता के दम पर ऊंचे मुकाम पर पहुंच सकता है। पहले अगर कोई छात्र कालेज की पढ़ाई किसी मजबूरी के कारण बीच में छोड़ देता था, तो उसे अच्छा नहीं समझा जाता था और उसके पिछले साल भी पूरी तरह बेकार चले जाते थे, लेकिन अब ऐसी व्यवस्था बनाई गई है कि छात्र का एक भी दिन बेकार नहीं जाएगा।

अब अगर कोई एक साल पढ़ाई करके छोड़ता है, तो उसे प्रमाणपत्र मिलेगा और अगर दो साल बाद छोड़ता है, तो डिप्लोमा दिया जाएगा। यह बड़ी राहत की बात है। यह इस बात की स्वीकृति है कि सीखना कभी बेकार नहीं जाता और इंसान का हर अनुभव उसकी एक अलग योग्यता है। इससे छात्रों पर पर यह मानसिक बचाव काफी कम हुआ है कि उन्हें हर हाल में लगातार तीन या चार वर्ष तक एक ही कमरे में बैठ कर पढ़ाई पूरी करनी ही है। अब वे अपनी जरूरत और परिस्थिति के हिसाब से पढ़ाई कर सकते हैं और जब भी चाहें वापस आकर अपनी शिक्षा पूरी कर सकते हैं। भारत जैसे विशाल देश में जहां हर वर्ष लाखों युवा अपनी पढ़ाई पूरी करते हैं, वहां सभी को सरकारी नौकरी नहीं मिल सकती। इसीलिए अब कौशल विकास पर जोर दिया जा रहा है। स्कूलों में छठी कक्षा से ही बच्चों को ऐसी चीजें सिखाई जा रही हैं जो उन्हें कामकाज के लिए तैयार करती हैं। चाहे वह कंप्यूटर कोडिंग हो, बिजली

आ लोगों का है, जो खुद को

ने वाला सुनहरा समय उन समय के साथ बदलने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और जो कभी यह नहीं सोचते कि उनकी पढ़ाई स्वत्म हो गई है। अब हर किसी को पूरी जिंदगी एक सक्रिय अत्र बने रहना होगा, क्योंकि जो तकनीक आज नई है, वह कल पुरानी हो जाएगी। हुनर की ताकत पूरी जिंदगी साथ रहती है। कागजों के भारी बोझ को अब कंधों से उत्तार कर हुनर के पंख फैलाने का सही वक्त आ गया है। शिक्षा का असली और एकमात्र अर्थ भी यही है कि वह इंसान को आत्मनिर्भर, जागरूक और एक जिम्मेदार नागरिक बनाए।

का काम हो, बढ़ई का काम हो या कोई और हस्तशिल्प। अब इन सयको पढ़ाई का जरूरी हिस्सा माना जा रहा है। पहले इन कामों को छोटा

समझा जाता था, लेकिन अब यह समझ विकसित हो रही है कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता, बस उसे करने की विशेषज्ञता और उसमें हासिल की गई महारत मायने रखती है। ऐसे में एक अच्छा मैकेनिक या कलाकार किसी औसत डिग्रीधारी से कहीं ज्यादा बेहतर जीवन जी सकता है। यानी शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास अब समय की मांग और जरूरत बनता जा रहा है।

कृत्रिम मंधा (एआइ) के आने से डिग्रियों का मोल और भी कम हुआ है। जो काम पहले लोग वर्षों किताबी पढ़ाई के बाद करते थे, वह अब कंप्यूटर और मशीनें कुछ ही सेकंड में और कहीं ज्यादा सटीकता से कर लेती हैं। ऐसे में यह सब सीखना अब और भी जरूरी हो गया है जो मशीनें कभी नहीं कर सकतीं। जैसे कि नई और मौलिक सोच, दूसरों की भावनाओं को समझना, टीम के साथ मिल कर काम करना और मुश्किल हालातों में सही फैसला लेना। ये ऐसी मानवीय खुधियां हैं जिन्हें किसी किताब की रट कर या कोई परीक्षा पास करके हासिल नहीं किया जा सकता। इन्हें सीखने के लिए निरंतर अनुभव, गलतियों से सबक लेने की इच्छा और लगातार अभ्यास की जरूरत होती है। इसलिए भविष्य की शिक्षा में अब %क्या पढ़ना है% के बजाय %सीखने की प्रक्रिया% पर ध्यान देने की जरूरत है।

जब हर किसी को पूरी जिंदगी एक सक्रिय छात्र चने रहना होगा, क्योंकि जो तकनीक आज नई है, यह काल पुरानी हो जाएगी। पुरानी डिग्री की ताकत केवल शिक्षण संस्थान तक थी, लेकिन हुनर की ताकत पूरी जिंदगी साथ रहती है। एक बहुत अच्छी डिग्री वाला व्यक्ति भी कभी-कभी जीवन की दौड़ में पीछे छूट जाता है और बेरोजगार बैठा रहता है, जबकि अब एक हुनरमंद व्यक्ति अपना छोटा सा काम शुरू करके भी सफलता की ऊंचाइयों को छू रहा है। इससे समाज की वह पुरानी सोच टूट रही है जो केवल डाक्टर, इंजीनियर या आइएएस चनने को ही सफल जीवन का पैमाना मानती थी। एक पहलू यह भी है कि आने वाले समय में कंपनियां डिग्री के बजाय चह काम दिखाने के लिए कहेंगी जो वास्तव में पहले किया है। उदाहरण के लिए, अगर कोई ग्राफिक डिजाइनर चनना चाहता है, तो उसकी डिग्री से ज्यादा यह देखा जाएगा कि उसने अब तक कौन-कौन से डिजाइन बनाए हैं। यानी जो सच में काबिल होगा, अब वही आगे चढ़ पाएगा।

यह व्यवस्था उन लोगों के लिए वरदान है जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और बड़े कालेजों की फीस नहीं भर सकते, लेकिन जिनमें कुछ कर दिखाने का जज्या है। बहरहाल, डिग्री पूरी तरह से गायच तो नहीं होगी, लेकिन उसका पुराना स्वरूप जरूर खत्म हो जाएगा। वह अब केवल करिअर की शुरुआत का एक छोटा सा रास्ता बन कर रह जाएगी, मंजिल नहीं। असली पहचान हमेशा उस काम से होगी जो कोई व्यक्ति अपनी मेहनत और कौशल से जमीन पर करके दिखाएगा। आने वाला सुनहरा समय उन लोगों का है, जो खुद को समय के साथ बदलने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं और जो कभी यह नहीं सोचते कि उनकी पढ़ाई और सीखने का समय खत्म हो गया है। कागजों के भारी चोझ को अब कंधों से उतार कर हुनर के पंख फैलाने का सही वक्त आ गया है। शिक्षा का असली और एकमात्र अर्थ भी यही है कि वह इंसान को आत्मनिर्भर, जागरूक और एक जिम्मेदार नागरिक बनाए।

समाज

संकल्प की महत्ता का चिंतन

संकल्प अंतर्मन में उत्पन्न होने वाली एक ऐसी अद्भुत शक्ति है, जो जीवन की कठिन से कठिन परिस्थितियों पर विजय प्राप्त करने और साथ ही दुस्साध्य लक्ष्य को भी भेदने में समर्थ होती है। दरअसल, संकल्प हमारे मन-मस्तिष्क की एक विशेष अवस्था है, जिसमें हमारा मन चरम उत्साह के साथ-साथ अथक परिश्रम और प्रयत्न के भाव से ओत प्रोत रहता है। ये विशिष्ट भाव अंतर्मन को तीव्र गति प्रदान करते हैं और परिणामस्वरूप हमारा अंतर्मन शरीर को त्वरित प्रयास के लिए निर्दिष्ट करते हुए लक्ष्य के साधन को सफल बनाता है। परिस्थितियों की प्रतिकूलता, मार्ग की कठिनता एवं संसाधनों की सीमा, ये सभी प्रतिकूल कारक संकल्प की शक्ति के आगे प्रभावहीन हो जाते हैं।

संकल्प हमारे भीतर लक्ष्य के प्रति एक सशक्त प्रतिबद्धता का उदय करता है और उस दशा में हम समस्त बाधाओं को दरकिनार करते हुए निरंतर आगे की ओर उन्मुख होते हैं। संकल्प सही अर्थों में एक ऐसा मानसिक अनुबंध है, जो मनुष्य स्वयं से करता है। जब कोई व्यक्ति संकल्प लेता है, तो वह केवल विचार ही नहीं करता, बल्कि अपने विचारों, कर्मों और समय को एक दिशा में केंद्रित करते हुए अपनी यात्रा आरंभ करता है। संकल्प से ही विचार कर्म में और कर्म उपलब्धि में रूपांतरित होता है। बिना संकल्प के जीवन दिशाहीन हो जाता है और दिशाहीनता असफलता को जन्म देती है। संकल्प जीवन को एक निश्चित उद्देश्य प्रदान करते हुए उसमें सार्थकता का समावेश करता है।

आज के परिवेश में, जबकि विकल्पों की भरमार है और विशेष बात यह कि ध्यान को विचलित करने वाले कारक प्रत्येक स्थान एवं परिस्थिति में उपस्थित हैं, संकल्प का महत्त्व विशिष्ट हो जाता है। आमतौर पर मनुष्य स्वप्न तो बहुत देखता है, लेकिन उन्हें साकार करने के लिए प्रयत्न एवं कर्म करने में सर्वथा असफल रहता है। यही वजह है कि मनुष्य निराशा से घिर जाता है। दरअसल, समस्या सामर्थ्य की नहीं, संकल्प के अभाव की होती है। दृढ़ संकल्प साधारण व्यक्ति को भी असाधारण बना देता है। भारतीय संस्कृति में संकल्प को विशेष महत्त्व दिया गया है। हमारे शास्त्रों में %संकल्प शक्ति% को ईश्वर की प्राप्ति का माध्यम माना गया है। जब व्यक्ति किसी व्रत को धारण करता है, तब वह अपने मन को नियंत्रित करते हुए पूरी तरह लक्ष्य पर केंद्रित करता है। यही कारण है कि महापुरुषों, मुनियों एवं साधकों ने कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी अपने संकल्प से बिना विचलित हुए समाज को नई दिशा प्रदान की। संकल्पशीलता के अनेक उदाहरण इतिहास के महासागर में विद्यमान हैं। महात्मा गांधी का सत्य और अहिंसा का संकल्प, भगत सिंह का स्वतंत्रता के लिए बलिदान का संकल्प,

भीमराव आंबेडकर का सामाजिक न्याय का संकल्प, इन सभी ने न केवल अपने जीवन को सार्थक बनाया, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र को दिशा दी। संकल्प व्यक्ति के चरित्र को भी निर्मित करता है। संकल्प पर अडिग व्यक्ति आत्मविश्वास से भरा होता है। उसे अपने कर्म एवं निर्णयों पर पूरा विश्वास होता है और वह असफलताओं से भय से लेशमात्र भी घबराता नहीं। असफलता उसके लिए अंत नहीं, बल्कि एक शिक्षा और नई शुरुआत होती है।

संकल्पशील व्यक्ति असफलता मिलने पर भी कहीं अधिक दृढ़ता से उठता है। इसके विपरीत, क्षीण संकल्प वाला व्यक्ति छोटी-सी बाधा आने पर ही निराश हो जाता है और प्रयत्न को त्याग देता है। सामाजिक जीवन में संकल्प व्यक्ति को उत्तरदायित्व का बोध कराता है। जब कोई व्यक्ति समाज के प्रति अपने कर्तव्यों का संकल्प लेता है, तब वह केवल अपने हित तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि दूसरों के कल्याण के लिए भी तत्पर रहता है। दृढ़ संकल्प के माध्यम से ही समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। यह सच है कि बड़े परिवर्तन हमेशा लघु संकल्पों से ही प्रारंभ होते हैं। व्यक्तिगत जीवन में संकल्प आत्म परिवर्तन और आत्म-परिष्कार का माध्यम है। अवगुणों को त्यागते हुए सद् ?गुणों से युक्त स्वस्थ जीवन शैली को अपनाने के लिए संकल्प नितांत आवश्यक है।

परिवर्तन केवल इच्छामात्र से नहीं होता, बल्कि दृढ़ निश्चय और निरंतर प्रयास से संभव हो पाता है। जब व्यक्ति जीवन को सुंदरता और सार्थकता प्रदान करने के लिए स्वयं से वचनबद्ध होता है, तभी वास्तविक बदलाव की शुरुआत होती है। हालांकि संकल्प को बनाए रखना आसान नहीं है।

परिवर्तन केवल इच्छामात्र से नहीं घटित होता, बल्कि दृढ़ निश्चय और निरंतर प्रयास से संभव हो पाता है। जब व्यक्ति जीवन को सुंदरता और सार्थकता प्रदान करने के लिए स्वयं से वचनबद्ध होता है, तभी वास्तविक परिवर्तन की शुरुआत होती है। यह भी एक कटु सत्य है कि संकल्प को बनाए रखना आसान नहीं होता। समय और परिस्थितियां उत्साह को क्षीणता की ओर अग्रसर करते हैं, बाधाओं को बढ़ा सकते हैं। ये कर्म और प्रयत्न के तारतम्य को भी बाधित करते हैं। ऐसी दशा में आत्मचिंतन और आत्मप्रेरणा आवश्यक हो जाती है। व्यक्ति को संकल्प का स्मरण कर उसके उद्देश्य को फिर से समझते हुए कर्म की निरंतता को किसी भी तरह बनाए रखना चाहिए।

संकल्प जितना स्पष्ट और दृढ़ होगा, लक्ष्य को साधना उतना ही आसान होगा। कहा जा सकता है कि संकल्प मानव जीवन की वह आधारशिला है, जिस पर सफलता, चरित्र और सार्थकता का भवन खड़ा होता है। संकल्प के साथ साधारण क्षमता भी असाधारण उपलब्धियों को अर्जित कर सकती है। संकल्प व्यक्ति को परिस्थितियों का दास नहीं, बल्कि उनका स्वामी बनाता है। जीवन की प्रत्येक चुनौती संकल्प की कसौटी है और प्रत्येक उपलब्धि संकल्प की विजय। इसलिए आवश्यक है कि हम अपने जीवन में संकल्प की शक्ति को पहचानते हुए उसे लगातार विकसित करें। छोटे-छोटे संकल्पों से आरंभ करते हुए धीरे-धीरे बड़े लक्ष्यों की ओर बढ़ें। जब संकल्प सशक्त होगा, तब जीवन अपने आप ही सशक्त होता जाएगा। यही संकल्प की वास्तविक महत्ता है।

-प्रेरणा अवस्थी

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 42 पैसे टूटकर 99.76 पर बंद हुआ। आज सुबह रुपये में लगातार तीसरे सत्र में गिरावट रही और यह 10 पैसे टूटकर 90.44 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और डॉलर के मजबूत रुख से घरेलू मुद्रा पर दबाव बना रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कम कीमतों और शेयर बाजार के सकारात्मक माहौल ने घरेलू मुद्रा को हालांकि निचले स्तर पर समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 90.37 प्रति डॉलर पर खुला। फिर डॉलर के मुकाबले 90.44 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 10 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.34 पर बंद हुआ था। मुंबई में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव के अवकाश के मद्देनजर गुरुवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी की गिरावट के साथ 99.10 पर रहा।

अनधिकृत वॉकी-टॉकी बेचने वाले ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म्स पर 44 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 और दूरसंचार कानूनों का उल्लंघन करने वाले ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म्स के खिलाफ स्वत: संज्ञान लेते हुए कार्रवाई शुरू की। यह कार्रवाई उन प्लेटफ़ॉर्म्स के खिलाफ की गई, जिन्होंने अनधिकृत वॉकी-टॉकी (पीएमआर) को सूचीबद्ध और बेचा। सीसीपीए ने विभिन्न प्लेटफ़ॉर्म्स पर 16,970 से अधिक गैर-अनुपालन उत्पादों की पहचान की। जिनमें मीशो, मेटा प्लेटफ़ॉर्म्स (फेसबुक मार्केटप्लेस), फ्लिपकार्ट, अमेजन, चिमिया, जियोमार्ट, टॉक प्रो, मास्कमैन टॉयज, ट्रेडइंडिया, अंतरिक्ष टेक्नोलॉजीज, वरदानमार्ट, इंडियामार्ट और कृष्णा मार्टे शा ?मिल हैं। प्राधिकरण ने पाया कि ये मंच लाइसेंस छूट वाले आवृत्ति बैंड (446.0-446.2 एमएचजेड) के बाहर वाले पीएमआर उपकरणों की बिक्री कर रहे थे। इन उपकरणों के लिए उपकरण प्रकार अनुमोदन (ईटीए) प्रमाणन और लाइसेंसिंग आवश्यकताओं का पालन नहीं किया गया। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने बताया कि प्राधिकरण ने उपभोक्ता अधिकारों के उल्लंघन, भ्रामक विज्ञापनों एवं अनुचित व्यापार प्रथाओं के लिए मीशो, मेटा प्लेटफॉर्म्स इंक (फेसबुक मार्केटप्लेस), फ्लिपकार्ट तथा अमेजन पर 10 लाख रुपये और चिमिया, जियोमार्ट, टॉक प्रो और मास्कमैन टॉयज पर एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। उन्होंने बताया कि मीशो, मेटा, चिमिया, जियोमार्ट और टॉक प्रो ने अपना जुर्माना अदा कर दिया है। शेष मंचों ने अभी भुगतान नहीं किया है।मौजूदा नियमों के तहत, लाइसेंस छूट केवल 446.0-446.2 मेगाहर्ट्ज बैंड में ही संचालित होने वाले पीएमआर पर लागू होती है। लघु-श्रेणी रेडियो आवृत्ति उपकरणों के उपयोग संबंधी नियम 2018 का नियम पांच यह अनिवार्य करता है कि विनिर्माताओं तथा विक्रेताओं को ऐसे उपकरणों के आयात, बिक्री या संचालन से पहले ईटीए (अनुमति और प्रमाणीकरण) प्राप्त करना होगा।

चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट, सोना भी हुआ सस्ता

नई दिल्ली। एजेंसी। घरेलू वायदा बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर बाजार खुलते ही चांदी की कीमतों में तेज दबाव देखने को मिला और यह करीब 6,000 रुपये प्रति किलो तक टूट गई। वहीं सोने की कीमतों में भी मामूली कमजोरी नजर आई, जिससे निवेशकों में थोड़ी सतर्कता देखी गई। 5 मार्च डिलीवरी वाली चांदी पिछले कारोबारी सत्र में 2,91,577 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। शुक्रवार को यह गिरावट के साथ 2,87,127 रुपये प्रति किलो पर खुली। शुरुआती कारोबार में चांदी 2,85,513 रुपये के निचले स्तर तक फिसल गई, जबकि इसका ऊपरी स्तर 2,88,901 रुपये रहा। इस समय चांदी 2,527 रुपये की गिरावट के साथ 2,89,050 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रही थी। बाजार में आई इस गिरावट को मुनाफावसूली और वैश्विक संकेतों से जोड़कर देखा जा रहा है। वहीं सोने की कीमतों में भी हल्की गिरावट देखने को मिली। 5 फरवरी डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 1,43,121 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था, जबकि शुक्रवार को यह 1,42,589 रुपये पर खुला। शुरुआती कारोबार में सोना 1,42,400 रुपये के निचले स्तर तक गया और 1,42,837 रुपये के उच्च स्तर तक पहुंचा। इस समय सोना 322 रुपये की गिरावट के साथ 1,42,799 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता नजर आया। हालांकि कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है, लेकिन लंबी अवधि के लिहाज से कीमती धातुओं का रुझान मजबूत बना हुआ है। साल 2026 में अब तक सोने की कीमत करीब 5 फीसदी और चांदी की कीमत लगभग 15 फीसदी बढ़ चुकी है। वहीं बीते एक साल में सोने ने करीब 80 फीसदी का रिटर्न दिया है, जबकि चांदी ने लगभग 192 फीसदी की जबरदस्त तेजी दिखाई है।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में बन रहा वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का रणनीतिक केंद्र

नई दिल्ली। एजेंसी। एक बहुराष्ट्रीय कंपनी ने हाल ही में केंद्र सरकार को प्रस्तुत किया कि भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में धीरे-धीरे रणनीतिक अनिवार्यता की ओर बढ़ रहा है, जबकि विश्व अभी भी चीन पर निर्भर है। कंपनी के अनुसार भारत ने 2022 से 2027 के बीच निर्यातोन्मुख रणनीतियों को बढ़ावा दिया है और वैश्विक बाजार के अनुरूप उत्पादन और समन्वय बढ़ाया है। वर्ष 2022 में घरेलू चिप निर्माण के लिए सेमीकंडक्टर मिशन शुरू हुआ। इसके अलावा 2023 में लैपटॉप और सर्वर के स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए आईटी हार्डवेयर प्रोत्साहन योजना 2.0 लागू की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि 2028 के बाद भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र और अधिक निर्यात-केंद्रित और आपूर्ति श्रृंखला में अपरिहार्य बन सकता है। वहीं चीन की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर निर्भरता अभी भी अधिक है। चीन ने 1980 के दशक में वैश्विक ब्रांडों का विनिर्माण शुरू किया, 1990 के दशक में घरेलू कंपनियों का निर्माण किया और 2000 के दशक में श्याओमी, वीवो, ओपो और हुआवेई जैसे ब्रांड वैश्विक स्तर पर उभरे। चीन की प्रतिस्पर्धात्मक ताकत में शून्य आयात शुल्क, तैयार प्लग ऐंड प्ले इन्फ्रास्ट्रक्चर, कम लागत वाली पूंजी और सरकारी अनुदान शामिल हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 188, निफ्टी 29 अंक उछला

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही आईटी शेयरों में खरीदारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स सेंसेक्स 187.64 अंक बढ़कर 83,570.35 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 28.75 अंक ऊपर आकर 25,694.35 अंक पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से इन्फोसिस, टेक महिंद्रा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक और पावर ग्रिड के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही। वहीं इन्फोसिस के शेयर में तो 5 फीसदी से अधिक उछाल आया। इससे आईटी क्षेत्र में भी तेजी रही। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2026 के लिए कमाई का अनुमान बढ़ाकर निवेशकों को हैरान किया है। इन्फोसिस एआई के

क्षेत्र में अपनी मजबूत साझेदारी से बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने पर जोर दे रहा है। इससे पहले आज घरेलू बाजारों की शुरुआत मजबूती के साथ हुई। खास तौर पर आईटी सेक्टर के दिग्गज शेयरों में जोरदार खरीदारी देखने को मिली, जिससे बाजार को शुरुआती कारोबार में अच्छा सपोर्ट मिला। इन्फोसिस के नेतृत्व में टीसीएस, विप्रो और एचसीएल टेक जैसे अन्य आईटी शेयरों में भी खरीदारी देखने को मिली। अमेरिकी बाजारों में टेक शेयरों की मजबूती और सकारात्मक ग्लोबल संकेतों से आईटी सेक्टर को फायदा मिला। सेंसेक्स मजबूत बढ़त के साथ 83,670 अंक पर खुला और कुछ ही देर में 83,700 अंक के स्तर के ऊपर निकल गया। सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 238.09 अंक की तेजी के साथ 83,620.80 अंक पर कारोबार कर रहा था। बैंकिंग और आईटी शेयरों में खरीदारी ने सेंसेक्स को मजबूती प्रदान की। निफ्टी-50 भी तेजी के साथ खुला। निफ्टी ने कारोबार की शुरुआत 25,696 अंक पर की और खुलते ही 25,700 अंक के स्तर को पार कर गया।

नए कर्तव्य भवन में तैयार हो रहा केंद्रीय बजट

नई दिल्ली। एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जब 1 फरवरी को केंद्रीय बजट पेश करेंगी, तो यह कई मायनों में ऐतिहासिक क्षण होगा। यह किसी भी वित्त मंत्री द्वारा लगातार पेश किया जाने वाला नवां केंद्रीय बजट होगा, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। इसके साथ ही पहली बार बजट रविवार के दिन संसद में पेश किया जाएगा। इस बार बजट की एक और खास बात यह है कि इसे पहली बार कर्तव्य भवन में तैयार किया गया है। यह भवन नई दिल्ली के सेंट्रल विस्टा कॉम्प्लेक्स का हिस्सा है और अब वित्त मंत्रालय का नया घर बन चुका है। दशकों तक रायसीना हिल्स स्थित नॉर्थ ब्लॉक में बजट निर्माण की परंपरा रही, लेकिन महज 2.5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित कर्तव्य भवन युगांतकारी बदलाव का प्रतीक बन गया है। नॉर्थ ब्लॉक की लाल पत्थर की भव्य इमारत वर्षों तक बजट निर्माण की गवाह रही है, जहां कड़ी गोपनीयता के बीच युद्ध स्तर पर तैयारियां होती थीं। बजट से पहले गलियारों को सील कर दिया जाता था, प्रवेश सीमित रहता था और प्रिंटिंग प्रेस के इलाके में करीब एक हफ्ते का पूर्ण लॉकडाउन होता था। इस दौरान इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद रहती थीं। अधिकारियों के अनुसार, लगभग 200 लोग बेसमेंट में क्वारंटीन रहते थे। हालांकि इस साल भी परंपरागत हलवा सेरेमनी होगी और कुछ अधिकारी क्वारंटीन में रहेंगे, लेकिन सब कुछ एक नई और आधुनिक सेटिंग में होगा। कर्तव्य भवन की वास्तुकला नॉर्थ ब्लॉक के गुंबदों और स्तंभों से बिल्कुल अलग है। वित्त मंत्रालय के एक अधिकारी के अनुसार, यह इमारत किसी आधुनिक कॉरपोरेट कार्यालय जैसी है।

कई शहरों में पेट्रोल-डीजल सस्ता, कुछ जगह बढ़े दाम

नई दिल्ली। एजेंसी। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में पिछले दो दिनों के दौरान 4 डॉलर से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है। इसका सीधा असर शुक्रवार सुबह जारी पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों पर देखने को मिला। देश के कई शहरों में तेल के दाम घटे हैं, जबकि कुछ जगहों पर मामूली बढ़ोतरी भी दर्ज की गई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बीते 24 घंटों के दौरान कच्चे तेल की कीमतों में जोरदार गिरावट आई है। ब्रेंट क्रूड 2.76 डॉलर लुढ़ककर 63.76 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। वहीं, अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड करीब 1 डॉलर की गिरावट के साथ 59.29 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। कच्चे तेल की इस कमजोरी का असर घरेलू बाजार पर भी दिखने लगा है। सरकारी तेल कंपनियों के अनुसार उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले यानी नोएडा में पेट्रोल 16 पैसे सस्ता होकर 94.74 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। डीजल की कीमत में भी 20 पैसे की गिरावट आई है और यह 87.81 रुपये प्रति लीटर हो गया है। वहीं गाजियाबाद में पेट्रोल 12 पैसे महंगा होकर 94.70 रुपये प्रति लीटर और डीजल 14 पैसे बढ़कर 87.81 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। बिहार की राजधानी पटना में भी आज उपभोक्ताओं को राहत मिली है। यहां पेट्रोल 18 पैसे गिरकर 105.23 रुपये प्रति लीटर हो गया है, जबकि डीजल 17 पैसे सस्ता होकर 91.49 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। देश के चार प्रमुख महानगरों में आज पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये तथा कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर के भाव पर मिल रहा है।

मेष- आज आपको पारिवारिक रिश्तों में एकजुटता बनाए रखनी होगी और प्रेम व सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। जीवनसाथी को आपकी कोई बात बुरी लग सकती हैं। यदि ऐसा हो आप उन्हें मनाने की पूरी कोशिश करें और यदि आपने किसी से धन उधार लेने का सोचा है, तो फिलहाल रुक जाएं, क्योंकि आपको उसे उतारने में समस्या आएगी।

वृषभ- आज का दिन विद्यार्थियों के लिए बढि़या रहने वाला है, उन्होंने यदि किसी नए कोर्स को करने का सोचा था, तो वह उसमें दाखिला दिला सकते हैं। आपकी इनकम के सोर्स बढ़ेंगे, जो आपको खुशी देंगे। परिवार में किसी नए मेहमान का आगमन होने से सभी सदस्य व्यस्त रहेंगे और आपके चारों ओर का माहौल खुशनुमा रहेगा।

मिथुन- आज आपकी कला व कौशल में निखार आएगा। धार्मिक कार्यों में आपकी काफी रुचि मिलेगी और रोजगार की तलाश में दर-दर भटक रहे लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आप काम के सिलसिले में कहीं बाहर जा सकते हैं और आपको राजनीति में थोड़ा सोच समझकर कदम बढ़ाना होगा, क्योंकि लोग वहां आपका फायदा उठाने की कोशिश करेंगे।

कर्क- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। छोटे बच्चों के साथ आप कुछ समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे। आपकी कुछ खास लोगों से मुलाकात होगी, जो आपके लिए बेहतर रहेगी और आप अपने किसी पैतृक संपति संबंधित विवाद को लेकर अपने भाई व बहनों से बातचीत करेंगे, जिससे वह मामला आपस में ही निपट जाएगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपकी इनकम बढ़ने से खुशी होगी। आपको कुछ नए लोगों से मेलजोल बढ़ाने का मौका मिलेगा। आपका व्यापार पहले से बेहतर चलेगा और आप अपनी बुद्धि व विवेक से निर्णय लेकर लोगों को हैरान करेंगे। आपकी जीवन साथी आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलेंगे। साथ की इनकम और बेहतर होगी।

कन्या- आज आप अपने दोस्तों के साथ कुछ समय मौज मस्ती करने में व्यतीत करेंगे, लेकिन इसके साथ-साथ आप अपनी जिम्मेदारियों पर भी पूरा ध्यान देंगे। यदि कोई शारीरिक समस्या है, तो उसको लेकर आप उसको लेकर अच्छे डॉक्टर से परामर्श ले और वाहनों का प्रयोग सावधान रहकर करें, नहीं तो कोई दुर्घटना होने की संभावना है।

तुला- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप अपने दिनचर्या को बेहतर करने के प्रयासों में तेजी लाएंगे और आपके बॉस से आपकी किसी बात को लेकर कहासुनी हो सकती हैं। आपको अपनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा। आपको अपनी संतान की सेहत पर पूरा ध्यान देने की आवश्यकता है और किसी अजनबी से कोई लेनदेन ना करें, नहीं तो बाद में आपको धन की कमी का सामना करना पड़ सकता है। आपका मन परेशान रहेगा और आपके घर किसी परिजन का आगमन होने से आपके खर्च बढ़ेंगे।

वृश्चिक- आज आप अपने कामों को लेकर परेशान रहेंगे, लेकिन आपको काम को लेकर हिम्मत नहीं हारनी हैं और समस्याओं का डटकर सामना करना होगा। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा। परिवार में किसी बात को लेकर प्रचार विमर्श हो सकता है। एक साथ काफी काम हाथ लगने से आपकी व्याकाग्रता बढेगी। घूमने फिरने के दौरान आपको कोई महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।

धनु- आज का दिन आपके लिए कुछ नए खर्च करने के लिए रहेगा। आप अपने भविष्य को लेकर कोई सोच विचार करेंगे। माता जी आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकती है। आप अपने भाई व बहनों की जरूरत को समय से पूरा करने की कोशिश करें, नही तो वह आपसे नाराज हो सकते हैं।

मकर- आज आपके मन में काम को लेकर नए-नए विचार आएंगे और आपका बिजनेस पहले से बेहतर चलेगा। आपके कामों मे कोई पार्टनरशिप होने की संभावना है। आपको किसी सरकारी योजना में इन्वेस्टमेंट करना बेहतर रहेगा, लेकिन आपको कुछ शत्रुओं को पहचान कर चलना होगा, नहीं तो वह आपको धोखा देने की कोशिश कर सकते हैं। आपकी कोई प्रिय वस्तु खो सकती है, इसलिए आप अपने सामानों की सुरक्षा अवश्य करें।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए बाकी दिनों की तुलना में अच्छा रहने वाला है। विद्यार्थियों के लिए कोई पढ़ाई लिखाई से संबंधित वस्तु मिल सकती है। आपको कार्यक्षेत्र में किसी पॉलिटिक्स का हिस्सा बनने से बचना होगा, नहीं तो इसका असर आपके प्रमोशन पर भी पढ़ सकता है। आपकी संतान आपकी उम्मीदों पर खरी उतरेगी। आपको अपने लेनदेन से संबंधित मामलों पर पूरा ध्यान देना होगा। आपकी कुछ नया करने की कोशिश रंग लाएगी और आप उन्नति के राह पर आगे बढ़ेंगे।

मीन- आज आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा और आपको अच्छा मुनाफा होने की संभावना है और आपको आज बॉस की ओर से कोई उपहार भी मिल सकता है। आप किसी काम को लेकर यात्रा पर जा सकते हैं, जो आपके लिए लाभकारी रहेगी। यदि आप किसी प्रॉपर्टी को लेकर कोई लोन अप्लाई कर रहे थे, तो वह भी आपको मिल जाएगा।

शब्दजाल - 8143

शब्दजाल में दस 'ग्रहों' के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

शनि,बुध,गुरु,शुक्र,चंद्र,मंगल,राहू, केतु, हर्षल,प्लूटो

ता	ल	र	बु	दा	प	र	तू	ग	झ	न
ज	अ	ल	ध	आ	प्लू	टो	ब	त	शा	र
अं	इ	न	दि	ल	दा	ल	ढ	र	ला	ई
श	म	अ	प	बे	र	क	फ	ह	र्ष	ल
स	नि	श	र	व	के	तु	इ	ग	वी	ट
री	रं	ल	च	व	लि	र्त	रा	ती	प	गु
जो	गा	ल	प	गा	प	म	हू	कै	या	रू
चं	बा	शु	क्र	त	क	छ	प्रे	ग	श	थ
द्र	स	मि	व	व	न	ज	न	शा	जू	द
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
थो	औ	प	ग	र	मं	ग	ल	द्रु	क	

शब्दजाल - 8142 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7087

बायें से दायें:-

१. 'किसी नजर को तेरा' गीत वाली राज बब्बर, सुरेश, डिम्पल की फिल्म-४
३. बॉबी, लारा, गुल पनाग की 'मैं यहां तू कहां' गीत वाली फिल्म-२
५. जैकी श्राफ, अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'ना जइयो परदेस' गीत वाली फिल्म-२
६. सनी, मीनाक्षी, ममता की फिल्म-३
८. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'छेड़ ना मुझ को' गीत वाली फिल्म-३
९. फिल्म 'आखिरी डाकू' में नायिका-२,२
११. 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
१२. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
१३. शशिकपूर, शबाना आजमी की 'तोता मैना की कहानी तो' गीतवाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'बारिश' में नायिका कौन थी-२
१५. सलमान, नगमा की 'कैसा लगता है अच्छा लगता है' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तू कितने बरस की' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
१७. फिल्म 'निगाहें' में नायक कौन था-२
१९. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
२१. धारावाहिक 'एहसास' में 'तराना' द्वारा निभाया गया बड़ी बहू का पात्र-३
२२. 'पुलिस केस ना' गीत वाली जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता की फिल्म-३
२४. अमिताभ, वहीदा, जीनत, की 'हर गोरी रानी यहाँ' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'पराई हूँ पराई' गीत वाली शशिकपूर, आशा की फिल्म-४
२८. संजयदत्त, पूनम की 'तेरे दिल की तू जाने' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'बाबूल का ये घर बहना' गीत वाली मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-२
३०. राजबब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो जमुना' गीत वाली फिल्म-३
३१. सलमान, स्नेहा की एक फिल्म-२
३२. फारूख शेख, पूनम की 'चोरी चोरी कोई आये' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षयकुमार, करीना, प्रियंका की 'नजर आ रहा है' गीत वाली फिल्म-४
२. 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. 'मिर्ची ये मिर्ची' गीत वाली फिल्म-३
४. 'दुल्हन बनती हैं नसीबों वालियां' गीत वाली रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-२
५. अनिलकपूर, अक्षयकुमार वाली फिल्म 'बेवफा' की नायिका कौन है-३
६. 'डोन्ट से नो' गीत वाली सनी देओल, मीनाक्षी शेशाद्रि की फिल्म-३
७. 'जैसी करनी वैसी भरनी' गीत वाली राजकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की फिल्म-४
१०. गोविंदा, करिश्मा की 'अआ ई उ ऊ ओ मेरा दिल ना तोड़ो' गीत वाली फिल्म-२,२
११. 'बचके मेरी जान बचके' गीत वाली मिथुन, शत्रुघ्न, अनिता राज, हेमा की फिल्म-४
१३. 'बार बार दिन ये आये' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'तिनका तिनका जरा जरा' गीत वाली जॉन अब्राहम, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-३
१८. राजकुमार, मनोजकुमार, वहीदा की 'खाली डब्बा खाली बोतल' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
२३. 'ये लड़की जरा सी दीवानी' गीत वाली कुमार गौरव, विजेयता पंडित की फिल्म-२,२
२५. नसीरूद्दीनशाह, रंजीता, स्मिता पाटिल की 'तू क्या जाने तुझमें' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल के टुकड़े टुकड़े कर के' गीत वाली अमजद खान, बिंदियागोस्वामी की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7086

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

17 जनवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	मकर	06.33 बजे से
चंद्र	धनु में	कुंभ	08.23 बजे से
मंगल	मकर में	मीन	09.56 बजे से
बुध	धनु में	मेष	11.27 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृष	13.07 बजे से
शुक्र	मकर में	मिथुन	15.05 बजे से
शनि	मीन में	कर्क	17.18 बजे से
राहु	कुंभ में	सिंह	19.35 बजे से
केतु	सिंह में	कन्या	21.46 बजे से
		तुला	23.57 बजे से
		वृश्चिक	02.12 ब.से
		धनु	04.28 बजे से

राहुकाल 9.00 से 10.30 बजे तक

शनिवार 2026 वर्ष का 17 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शिशिर। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** माघ (दक्षिण भारत में पौष) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्दशी 00.04 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** मूल 08.12 बजे को समाप्त। **योग** व्याघात 21.18 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 11.16 बजे तदनन्तर शकुनि 00.04 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 20° 47' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872592 **जूलियन दिन** 2461057.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रज्जब **तारीख** 27

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: खुशी का राज

एक बार एक सज्जन पंडित जवाहरलाल नेहरू से मिलने आए और बोले, 'यदि आप इजाजत दें तो मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूं।' नेहरू जी ने सहर्ष इसकी अनुमति दे दी। उनकी सहमति मिलने पर उस सज्जन ने कहा, 'आप इस उम्र में भी एकदम ताजा गुलाब की तरह स्वस्थ और आकर्षक नजर आते हैं जबकि आपके ऊपर काम का अत्यधिक बोझ है। लेकिन आपको तो देखकर लगता है कि आप पर जैसे उम्र का कोई असर ही नहीं है। अपनी प्रसन्नता का रहस्य हमें बताएं।' यह सुनकर नेहरू जी हंसकर बोले, 'अरे भाई, यह तो बहुत ही सहज है। कोई भी व्यक्ति यदि केवल तीन बातों पर ध्यान दे तो वह भी हमेशा ताजा गुलाब की तरह तरोताजा रह सकता है।' उस सज्जन ने पूछा, 'वे कौन सी तीन बातें हैं। हमें भी तो बताइए।' नेहरू जी ने कहा, 'सबसे पहली बात तो यह कि मैं बच्चों से घुल-मिल जाता हूं, उन्हें प्यार करता हूं। उनके भोलेपन और मासूमियत में मैं स्वयं को भी उन्हीं के जैसा महसूस करता हूं। कभी-कभी बच्चों के साथ बच्चा बनकर खेलने में बहुत आनंद आता है और दिल को सुकून मिलता है। दूसरी बात, मैं कुदरत के सुंदर दृश्यों से गहरा संबंध रखता हूं। पहाड़, नदी, झरने, पक्षी, चांद, सितारे, हरे-भरे जंगल और हवाएं भी मेरी जिंदगी को गुलाब की तरह ताजा रखती हैं। प्रकृति से तो स्वास्थ्य का बहुत गहरा संबंध है। तीसरी बात, ज्यादातर लोग छोटी-छोटी किस्म की बातों में फंस कर तनावग्रस्त हो जाते हैं। मैं ऐसा नहीं करता। जिंदगी को लेकर मेरी सोच और नजरिया बिल्कुल अलग है। जीवन है तो समस्याएं भी होंगी। इसलिए सबका मुकाबला धैर्य और शांति से करें। यह जान लीजिए कि समस्याएं हमेशा रहेंगी। अगर हम उनसे डरकर तनावग्रस्त हो जाएं तो हमारा जीवन संकटग्रस्त हो जाएगा।' नेहरू जी की बात से वह सज्जन संतुष्ट हो गए।

सूडोकु नवताल- 7396

★☆☆☆☆ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

सूडोकु नवताल -7395 का हल

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

शब्द पहेली - 8611

बाएँ से दाएँ

1. शमशीर,कृपाण-4
4. उपद्रवी,आतंकी-4
6. अनुबंध,संधि-3
8. धोखा,छल,मक्कारी-3
9. चांदी-3
11. अश्रु-2
13. नीचता-5
15. कुंजी,जिससे ताला खोलते हैं-2
16. पुराना जुकाम-3
18. प्रश्न-3
19. चांदी-3
20. जहां ताजिये दफन किए जाते हैं-4
22. बोरिया-बिस्तर-4

ऊपर से नीचे

1. झगड़ा,कहासुनी-4
2. संगीत यंत्र-2
3. बहुत बड़ा,विशाल-3
4. अपनत्व,अपनापा-5
5. अनबन,झगड़ा-4
7. कपड़े धोनेवाला-3
10. तहजीबदार-5
12. अकस्मात,सहसा-4
14. दृष्टि,निगाह-3
17. बेमिसाल,अनूठा-4
18. बलवान-3
21. उम्मीद,आशा-2

शब्द पहेली -8610 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

जंगली सुअर का मांस बेचने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी क्षेत्र के वन परिक्षेत्र पश्चिम लांजी अन्तर्गत वन अमले ने वन्य प्राणियों के संरक्षण अधिनियम के तहत बड़ी कार्यवाही करते हुये जंगली सुअर का शिकार कर उसका मांस विक्रय करने वाले तीन आरोपियों को हिरासत में लेकर आवश्यक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय में पेश किया जायेगा। प्रकरण के संबध में प्राप्त जानकारी के अनुसार वनविभाग की टीम ने शुक्रवार को सभी तीन आरोपियों घोटी घुसमारा निवासी रामदास पिता नागो हनोते, बोरगांव निवासी संतलाल भुर्रे पिता मनीराम और गणेश कुमार भंवरे को, न्यायालय में पेश कर उनका रिमांड मांगा है। दरअसल, वन परिक्षेत्र लांजी पश्चिम सामान्य की टीम को वनक्षेत्र में जंगली सुकर का मांस खाने की मंशा से शिकार किए जाने की सूचना मिली थी। जिसके बाद परिक्षेत्र अधिकारी सपन ताम्रकार के निर्देशन में सहायक परिक्षेत्र अधिकारी की टीम ने घोटी-घुसमारा निवासी रामदास हनोते के खेत में बने अस्थाई झोपड़ी में दबिश दी। जिसके झोपड़ी के आसपास तलाशी के दौरान, खेत की मेढ़ पर घास में छिपाकर रखे गए जंगली सुकर के मांस से भरी पॉलीथिन मिली। जिसे वनविभाग ने विधिवत समक्ष गवाहान जप्त कर रामदास हनोते से मांस को लेकर पूछताछ की। जिसने बताया कि उसने बोरगांव निवासी गणेश भंवरे से मांस खरीदा है। जिसके बाद वनविभाग की टीम ने गणेश भंवरे और उसके साथी संतलाल भुर्रे को भी उक्त प्रकरण में हिरासत में लिया तथा उनके खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की विभिन्न धाराओ के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। परिक्षेत्र अधिकारी सपन ताम्रकर ने बताया कि आरोपियों से 4 किलो मांस बरामद किया गया है और पूछताछ जारी हैं। बताया जाता है कि आरोपियों ने पहले सुकर का शिकार किया और फिर उसके मांस का विक्रय किया सभी आरोपियों के विरूद्ध वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम के तहत कार्यवाही की जाकर न्यायालय में पेश किया जायेगा जहां से इन आरोपियों की रिमाण्ड लेकर अग्रिम कार्यवाही की जावेगी।

जिला शिक्षा अधिकारी ने शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घोटी का किया आकस्मिक निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। लांजी। जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी कुमार उपाध्याय द्वारा 15 जनवरी को 3.35 बजे शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय घोटी का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। जिसमें सर्वप्रथम शिक्षको की उपस्थिति ,अवकाश में रहने वाले शिक्षकों की जानकारी, छात्र छात्राओं की कक्षावार दर्ज संख्या एवं उपस्थिति की

जानकारी ली गई। तत्पश्चात् कक्षा दसवीं एवं बारहवीं की कक्षाओ में जाकर, प्रायोगिक कार्य लागबुक पंजी,डेली डायरी पाठ्यक्रम पंजी का अवलोकन विद्यार्थियों से कठिन विषय कौन-कौन से हैं पर चर्चा की। विद्यार्थियों द्वारा कठिन विषय में सामाजिक अध्ययन,गणित और अंग्रेजी विषय का नाम बताया तत्पश्चात कक्षाओं का अध्यापन कराने वाले विषय शिक्षक ,शिक्षिकाओं के समक्ष सभी विषय का परीक्षा परिणाम का लक्ष्य 100 प्रतिशत होना चाहिए ऐसे निर्देश दिए। और लक्ष्य निर्धारण के लिए विद्यार्थियों और शिक्षकों को अध्ययन अध्यापन के पैटर्न में बदलाव करने के सुझाव और तरीके, ट्रिप्स दिये। और सभी छात्र छात्राओं को शिक्षकों द्वारा दिये गये अभ्यास कार्य,गृहकार्य को पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। और शिक्षकों को 12 से 14 दिवस की कार्ययोजना में विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण प्रश्नो के उत्तर कैसे उत्तर पुस्तिका में लिखा जाना चाहिए उसका अभ्यास कक्षा में हि कैसे करें, विद्यालय में ही महत्वपूर्ण प्रश्नो के उत्तर कैसे याद विद्यार्थियों को करवायें ऐसी आवश्यक जानकारी दी।और अंत में विद्यार्थियों को परीक्षा कालावधि मैं शांत वातावरण में पढ़ाई-लिखाई, सात्विक भोजन करने और सभी प्रकार के डर से भयमुक्त रहने के निर्देश दिए।

शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनेरी में पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम तहत हुई प्रतियोगिता

पद्मेश न्यूज। लांजी। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनेरी में 15 जनवरी 2026 को इको क्लब के द्वारा पर्यावरण शिक्षण कार्यक्रम अंतर्गत चित्रकला प्रतियोगिता योग एवं वन संरक्षण पर आधारित प्रश्नोत्तरी एवं वन्य संरक्षण की आवश्यकता पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के 150 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। 16 जनवरी को विद्यालय में इन विभिन्न प्रतियोगिताओं का परिणाम घोषित किया गया, जिसमें प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पंचशीला लील्हारे, द्वितीय स्थान साधना नागपुरे, तृतीय स्थान प्रियांशी सहारे। इसी प्रकार चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम स्थान दिव्या सोनी, द्वितीय स्थान कु दिव्या बालोरे एवं तृतीय स्थान कु भूमिका नागपुरे रही। कार्यक्रम के समापन अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के द्वारा छात्रों को पुरस्कार वितरण किया गया। जिसमें शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनेरी प्राचार्य आर एस घोरमारे द्वारा प्रथम स्थान पर आए छात्रों को स्कूल बैग, द्वितीय स्थान पर आए छात्रों को टिफिन बॉक्स और तृतीय स्थान पर आए छात्रों को कंपास बॉक्स का वितरण किया गया। इसी क्रम में इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले समस्त छात्रों को प्रमाण पत्र एवं विद्यालय की तरफ से पेन का वितरण किया गया किया गया। समापन कार्यक्रम में प्राचार्य आर एस घोरमारे, जी सी घोरमारे, इको क्लब प्रभारी रविंद्र धामडे, जगदीश हनोते, रूपलाल कटरे, वीरेंद्र कुमार हूमने, नितिन कुमार रणदीवे, जगदीश ढोक, चन्द्र शंकर बनोठे, दुर्गा प्रसाद नंदनवार, सुरेश खीरेकर, हीरालाल चिखले, टी सी पांचे, शांतनु उपराडे, श्रीमती लक्ष्मी ढोक, श्रीमती दीपलता वाकडे, व्यावसायिक शिक्षक भेजेंद्र गोले, श्रीमती मीना पंचेश्वर, श्रीमती प्रीति पिछोड़े, अमृतलाल धामडे, डुडेश्वर लिल्हारे, तिलकचंद माहुले, यश बसेना, धर्मेंद्र गजभिए, श्रीमती रजनी मोहरे एवं अन्य शिक्षक साथी उपस्थित थे।

रोमांचक फाइनल मुकाबले के साथ विधानसभा क्रिकेट लीग 2026 का हुआ भव्य समापन

सांई आराध्या को हराकर भरवेली टॉपर्स बनी विजेता

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी नगर के विरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम में विधानसभा क्रिकेट लीग 2026 का भव्य समापन प्रतियोगिता के अंतिम मुकाबले के साथ हुआ जहां हजारो की तादाद में उपस्थित दर्शको ने रोमांचक फाईनल मुकाबले का आनंद प्राप्त कर प्रतियोगिता की भरपूर सराहना की। समापन समारोह में प्रमुख रूप से उपस्थि बतौर मुख्य अतिथि एवं प्रतियोगिता के संरक्षक विधायक राजकुमार कर्राहे, भाजपा मण्डल अध्यक्ष आलोक चौरसिया, देवेश ऐडे, पार्षद विजय गोस्वामी, किशोर रामटेक्कर, कस्तुरा वाकड़े, शरद आसटकर, सचिन अग्रवाल, कैलाश गोस्वामी, नुतेन्द्र रहमतकर, शैलेन्द्र महोबिया सहित अन्य आमंत्रित अतिथि एवं प्रतियोगिता में सहयोग कर्ता मंचासीन रहे जिनकी प्रमुख उपस्थित में प्रतियोगिता का फाईनल मुकाबला खेला गया। जहां इस तीसरे संस्करण का भव्यता के साथ समापन हुआ।

सांई आराध्या को हराकर भरवेली टॉपर्स बनी

विधानसभा क्रिकेट लीग 2026 के तीसरे संस्करण में 10 फ्रेन्चाईसी टीमों ने हिस्सा लिया था जिसमें भरवेली टापर्स एवं सांई आराध्या चैलेन्जर्स ने अपने अपने ग्रुप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुये ग्रुप टॉपर बनी तथा सेमीफाईनल मुकाबले में दोनो ही टीमों ने अपने अपने प्रतिद्वदीयों को हराकर फाईनल में प्रवेश किया। अंतिम मुकाबलें में भरवेली टॉपर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 12 ओवरों में 6 विकेट खोकर 171 रनों का लक्ष्य रखा जिसमें शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन सोनू मड़ावी 19 गेंदो मे 45 रन, अभिषेक एवं आयुष ने भी 24 और 32 रनों की उत्कृष्ट पारी खेली। जवाबी पारी में सांई आराध्या चैलेन्जर्स की टीम के द्वारा भी उत्कृष्ट बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया गया पहले कुछ ओवरो में सांई आराध्या ने अपने 4 विकेट खो दिये थे लेकिन बाद में रवि भुरे शानदार गगनचुंबी 10 छक्को एवं 2 चौको की सहायता से 24 गेंदो में 75 रन बनाकर सांई आराध्या को प्रतियोगिता मे बनाये रखा, बाद में चंदू ने शानदार 41 रनो की पारी खेली लेकिन अपनी टीम को जीत नही दिला पाये एवं भरवेली टॉपर्स ने 10 रनों से यह खिताबी भिड़त अपने नाम की। उल्लेखनीय है सांई आराध्या चैलेन्जर्स विधानसभा क्रिकेट लीग के तीनों संस्करण में लगातार उपविजेता का खिताब अपने नाम किया है। टीम ओनर अमित आसटकर ने सांई आराध्या चैलेन्जर्स के सभी खिलाड़ी एवं कोच को बधाई प्रेषित की है उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये तथा आगे भी इस प्रतियोगिता की हिस्सा सांई आराध्या चैलेन्जर्स रहेगी। आयोजन कर्ताओ के द्वारा ईनामी राशि के रूप में भरवेली टॉपर्स को 1 लाख रूपये तथा विजेता कप एवं उप विजेता सांई आराध्या को 51 हजार रूपये एवं कप प्रदान किया जो कि विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा प्रदान कर दोनो ही टीमों को बधाई प्रेषित की गई।

विधानसभा क्रिकेट लीग के संयोजको ने किया सम्मान

विधानसभा क्रिकेट लीग के संरक्षक एवं संयोजको के प्रतियोगिता को सफल बनाने में जिन जिन लोगो का सहयोग प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से रहा उन सभी का संयोजको के द्वारा मोमेन्टो भेंट कर सम्मान किया गया। संपूर्ण लीग का संयोजन करने वाले गौरव बैस, राकेश रामटेक्कर, मनीष अतकरे, दीनू उईके, देवा भण्डारकर, जय श्रीवास्तव, विकास सातपुते मोन्टू के द्वारा अतिथियों के हस्ते उन सभी लोगो का सम्मान कराया गया जो इस पूरी प्रतियोगिता का हिस्सा रहे।

विधानसभा क्रिकेट लीग के चौथे संस्करण में महिला क्रिकेट टीम भी होगी

प्रतियोगिता का हिस्सा - राजकुमार कर्राहे

संपूर्ण प्रतियोगिता के संरक्षक विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा खिलाड़ियो एवं उपस्थित जन समुदाय को सबोधित करते हुये अव्वल तो दोनो ही खिताबी मुकाबला खेल रही टीमों सहित प्रतियोगिता में भाग लेने वाली 10 फ्रेन्चाईसी टीमों एवं लेजेन्ड्स टीमो के सभी खिलाड़ियो को बधाई प्रेषित की। आपने बताया कि हमारा आगामी 3 वर्षो को विजन डाक्यूमेंट तैयार है जिसमे हम लांजी सहित लगभग 15 ऐसे ग्राम है जहां मिनी स्टेडियम का निर्माण कार्य किया जायेगा तथा लांजी और किरनापुर मुख्यालय में बड़ा स्टेडियम बनाया जायेगा। साथ इन्डोर स्टेडियम भी दोनो ही मुख्यालयो मे स्थापित होंगे। क्रिकेट सहित अन्य खेलो में भी हमारे क्षेत्र की प्रतिभाओं ने लोहा मनवाया है। आज हमारे क्षेत्र के बच्चे, कराते, व्हालीबाल, फुटबॉल, बास्केटबॉल, कबड्डी, इन्डोर खेलो मे बैडमिटन, शतरंज सहित अनेको खेलो में क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर से लेकर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक रोशन किया है। हमारा विजन है कि हम एक अच्छा उत्कृष्ट खेल प्रांगण इन खिलाड़ियो को दे। जिसके लिये हमारो द्वारा प्रयास जारी है तथा बालाघाट प्रवास के दौरान खेल मंत्री विश्वास सारंग जी के द्वारा घोषणा भी गई है। आपने एक महत्वपूर्ण घोषणा की विधानसभा क्रिकेट लीग के चौथे संस्करण में हमारा यह प्रयास होगा कि हम महिला सशक्तिकरण के तहत महिला टीम को भी इस लीग में आमंत्रित करेगे ताकि हमारे क्षेत्र की बेटियॉ भी क्रिकेट खेल में रूचि दिखाते हुये उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन करे। आपने अंत में सभी संयोजक टीम, सहयोग कर्ता, टीमों सहित खिलाड़ियो का धन्यवाद ज्ञापित किया है। प्रतियोगिता में आभार व्यक्त गौरव बैस एवं राकेश रामटेक्कर के द्वारा किया गया। सफल मंच संचालन गौरव बैस के द्वारा किया गया।

लेजेन्ड्स लीग के विजेता रहे राईडर्स

विधानसभा क्रिकेट लीग के 3 संस्करण में लेजेन्ड्स लीग का आयोजन किया गया था जिसमे 6 टीमों ने प्रतिभागिता की थी, इस लीग की विजेता रही लेजेन्ड्स राईडर्स कप्तान देवा भण्डारकर, एवं उपविजेता रही लेजेन्ड्स ईगल कप्तान महेन्द्र कर्राहे जिन्हे, विधायक राजकुमार कर्राहे के द्वारा विजेता टीम को 11 हजार रूपये तथा उपविजेता को 5 हजार रूपये पुरस्कार दिये जाने की बात कही। क्रिकेट लीग का यह पहला प्रयोग था जो कि सफल हुआ आने वाले समय में और भी बेहतर तरीके से लेजेन्ड्स लीग का आयोजन होगा। जिसमे निश्चित रूप से क्षेत्र 35 वर्ष से अधिक खिलाड़ी जो कि अपनी प्रतिभा दिखाना चाहते है वे इस लीग का हिस्सा बन प्रतियोगिता आनंद प्राप्त कर सकते है।

शासकीय माध्यमिक शाला के शिक्षक धन्नालाल बिसेन और छात्रा कशिश कटरे सेमिनार में संभाग स्तर हेतु चयनित

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जिला स्तरीय विज्ञान गणित पर्यावरण और सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी १५ जनवरी २०२६ को डाइट बालाघाट में आयोजित की गई। जिसमें शासकीय माध्यमिक शाला नरोड़ी से माध्यमिक

शिक्षक धन्नालाल बिसेन और छात्रा कशिश कटरे ने विचार संगोष्ठी में भाग लिया और क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त कर संभाग स्तरीय प्रतियोगिता हेतु क्वालीफाई किया। जिला स्तरीय विचार संगोष्ठी का विषय प्लास्टिक प्रदूषण को कम करना था। शिक्षक और छात्रा की इस उपलब्धि डाइट बालाघाट प्राचार्य श्री मलगाम, जिला शिक्षा केंद्र बालाघाट से ए पी सी श्री गुप्ता जनपद शिक्षा केंद्र वारासिवनी से बी आर सी श्री शरणागत ,भोजराज पटले ,प्राचार्य आर के बारमाटे , रोशनलाल नगपुरे और विद्यालय की ओर से संस्था प्रमुख सविता रिनायत तथा शिक्षक रूपसिंह उईके सहित सभी शिक्षक शिक्षिकाओं और ग्राम पंचायत नरोड़ी की ओर से शुभकामनाएं प्रेषित कर उज्वल भविष्य की कामना की है ।

सांदीपनि विद्यालय में सम्पन्न हुआ कैरियर मेला

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। लोक शिक्षण संचालनालय म.प्र. भोपाल के अनुसार शालेय स्तरीय कैरियर मेले का आयोजन सांदीपनि विद्यालय वारासिवनी में शुक्रवार को आयोजित किया गया। इस कैरियर मेले की थीम सक्षम युवा समर्थ भारत थी। जिसमें अलग अलग क्षेत्रों से आये हुए

विश्वविद्यालय, महाविद्यालय एवं शैक्षणिक संस्थानों ने अपनी सहभागिता प्रस्तुत की। कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथि,अध्यक्षता एवं शिक्षकों की उपस्थिति में माँ सरस्वती के पूजन अर्चन से प्रारंभ हुआ। तत्पश्चात् विभिन्न क्षेत्रों से आये हुए विद्वान अतिथियों का स्वागत उपरांत कार्यक्रम में विभिन्न वक्तव्य प्रारंभ हुये। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि दीक्षा जैन मुख्य कार्यपालन अधिकारी ज.पा.वारासिवनी , घनश्याम देशमुख कृषि महाविद्यालय बालाघाट, विनय सुराना , डॉ मनोज वर्मा इंजिरियरिंग कॉलेज सरदार पटेल विश्वविद्यालय बालाघाट, डॉ प्रिंस वर्मा , डॉ अभिषेक आड़े,गोरखनाथ भुरे ,डॉ विक्रम सिंह गौर , डॉ उमंग बघेल एवं महाकौशल यूनिर्वसिटी जबलपुर, ए.के.एस यूनिर्वसिटी सतना, टी.आई.टी. कॉलेज ऑफ इंजिनियरिंग भोपाल, बंसल ग्रुप ऑफ कॉलेज, वी.एन.एस कॉलेज भोपाल के वक्ताओं ने विद्यालय के छात्र छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों की सारगर्भित जानकारी प्रदान की। जिससे छात्र अपने कैरियर में इसे उपयोग कर पायेगें। इस कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में नि:शुल्क चिकित्सा शिविर व स्टाल लगाए गए। जिसमें विद्यालय के शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के द्वारा स्वास्थ्य लाभ एवं जानकारी प्राप्त की गई। तथा बच्चों के द्वारा अपने कैरियर से संबंधित जिज्ञासा एवं शंकाओं का समाधान भी किया गया। इस कायक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को सशक्त , समर्थ, कौशल विकास उन्नयन एवं राष्ट्र निर्माण में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना था।

प्रेमलाल सोनवाने का निधन

पद्मेश न्यूज। लांजी। माता मंदिर बूढ़ी बालाघाट निवासी (मूल निवासी सुनार ककोड़ी) प्रेमलाल कालूराम सोनवाने का 74 वर्ष की आयु में 16 जनवरी को दोपहर 3 बजे निधन हो गया। इनका अंतिम संस्कार आज 17 जनवरी को दोपहर 12.30 ब ज

स्थानीय मोक्षधाम में किया जायेगा। आप अपने पीछे दो पुत्र संजय सोनवाने, प्रवीण सोनवाने का भरा-पूरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गए। इनके निधन पर रिश्तेदारों और समाज के लोगों ने श्रद्धांजलि अर्पित कर परिवार को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

- आईपीएस सर्विस मीट के शुभारंभ अवसर पर सीएम मोहन ने कहा...

राष्ट्रविरोधी ताकतों को जड़ से खत्म कर रही है मप्र पुलिस

- नक्सल मुक्ति असंभव था, लेकिन हमारी पुलिस ने कर दिखाया

[illegible]

प्रदेश पुलिस देश के लिए आदर्श उदाहरण

[illegible]

पीसीसी चीफ ने पूर्व लोकसभा स्पीकर से की मुलाकात

मप्र में पानी कांड को लेकर बंद कमरे में हुई चर्चा

[illegible]

प्रदेशभर में सामाजिक ऑडिट कराएगी कांग्रेस

[illegible]

सुमित्रा महाजन ने मानी खराब पानी की समस्या

[illegible]

राइट टू एजुकेशन की आड़ में आधा दर्जन स्कूलों ने हड़प ली गरीब छात्रों की 26 लाख की फीस

ईओडब्ल्यू जबलपुर ने 6 निजी स्कूल मालिकों और नोडल अधिकारियों पर दर्ज की एफआईआर

[illegible]

जांच में सामने आये 628 फर्जी एडमिशन

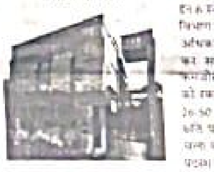

यह था मामला

[illegible]

दूषित पेयजल को लेकर एनजीटी ने अपनाया कड़ा रुख

पेयजल आपूर्ति की गुणवत्ता की निगरानी और सुधार के दिए निर्देश

[illegible]

प्रदेश भर में मांगों को लेकर कर्मचारी संगठनों का प्रदर्शन

कर्मचारियों का आरोप- लंबे समय से की जा रही मांगों पर नहीं लिया कोई फैसला

[illegible]

मप्र में जाम छलकाना पड़ेगा महंगा

- नई आबकारी नीति में शराब की कीमतों में होगी बढ़ोतरी

[illegible]

कोई नई दुकान नहीं खुलेगी

[illegible]

भोपाल में 18 जनवरी को होगी ओबीसी-एससी-एसटी संयुक्त मोर्चा की आमसभा

- प्रदेश भर के सामाजिक संगठन, युवा और बुद्धिजीवी होंगे शामिल

[illegible]

सरकार को जगाने की कवायद

[illegible]

बिजली कंपनी के दफ्तरों में लगा क्यूआर कोड

[illegible]

सांसद भोपाल की अधिकारियों को चेतावनी

जनता की सेवा के लिए जनता द्वारा चुना हुआ सांसद हूं

[illegible]

प्रदेश की जनता जानना चाहती है कि मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर कब बनाया जाएगा - उमंग सिंघार

[illegible]

आज होगा भारत और बांग्लादेश का मुकाबला

बुलावायो । भारतीय टीम अंडर-19 विश्वकप क्रिकेट में शनिवार को बांग्लादेश टीम से खेलेगी। आयुष म्हात्रे वाली भारतीय टीम का लक्ष्य इस मैच में जीत के साथ ही अपना लगातार दूसरा मैच जीतना रहेगा। पहले मैच में भारतीय टीम ने यूएसए को आसानी से हराया था। पिछले कुछ समय में भारतीय टीम का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है और वह जीत की प्रबल दावेदार नजर आती है।

भारतीय टीम के तेज गेंदबाज हेनिल पटेल ने पहले ही मैच में सात ओवरों में 16 रन देकर पांच विकेट लिए और वह ये प्रदर्शन इस मैच में भी दोहराना चाहेंगे। भारतीय टीम के बल्लेबाजों आयुष के अलावा वैभव सूर्यवंशी ओर अभिज्ञान कुंडू पर भी सबकी नजरें रहेंगी। इसके अलावा टीम के पस उप कप्तान विहान मल्होत्रा, ऑलराउंडर आरोन जॉर्ज और वेदांत त्रिवेदी जैसे बल्लेबाज भी हैं। भारतीय टीम ने पिछले एक साल में इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में सीरीज जीती है।अमेरिका के खिलाफ जीत पिछले 17 मैचों में भारत की 14वीं जीत थी। टीम की गेंदबाजी भी काफी अच्छी है। उसके पास डी दीपेश, आरएस अंबरीश, हेनिल पटेल, किशन कुमार सिंह और उद्धव मोहन के रूप में अच्छे तेज गेंदबाज हैं। स्पिनर के तौर पर टीम के पास कनिष्क चौहान, खिलन पटेल और मोहम्मद एनान हैं। वहीं दूसरी ओर ??बांग्लादेश के पास कप्तान अजीजुल हकीम जैसा खिलाड़ी है। वह उप कप्तान जावेद अबरार के साथ बांग्लादेश की बल्लेबाजी शुरु करेंगे। बांग्लादेश के पास अच्छा गेंदबाजी आक्रमण भी है जिससे भारतीय टीम को सावधान रहना होगा। उसके पास तेज गेंदबाज इकबाल हुसैन और अल फहद जैसे तेज गेंदबाज हैं। बाएं हाथ के स्पिनर समीउन बसीर भी उनसे साथ हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं =

भारत= आयुष म्हात्रे (कप्तान), आरएस अंबरीश, कनिष्क चौहान, डी दीपेश, मोहम्मद एनान, एरोन जॉर्ज, अभिज्ञान कुंडू, किशन कुमार सिंह, विहान मल्होत्रा, उधव मोहन, हेनिल पटेल, खिलन ए पटेल, हरवंश सिंह, वैभव सूर्यवंशी, वेदांत त्रिवेदी।

बांग्लादेश= अजीजुल हकीम तमीम (कप्तान), जवाद अबरार, समिउन बसीर रतुल, शेख परवेज जिबोन, रिज़ान होसन, शहरिया अल अमीन, शादीन इस्लाम, मोहम्मद अब्दुल्ला, फरीद हसन फैसल, कलाम सिद्दीकी अलीन, रिफत बेग, साद इस्लाम रजिन, अल फहद, शहरयार अहमद, इकबाल हुसैन। रिजर्व= अब्दुर रहीम, देबाशीष सरकार देबा, रफी उज्जमां रफी, फरहान शहरियार, फरजान अहमद अलीफ, संजीद मजूमदार, एमडी सोबुज।

विराट सबसे अधिक समय तक नंबर एक पर रहने वाले विश्व के तीसरे बल्लेबाज बने

रिचर्ड्स और लारा है पहले और दूसरे नंबर पर

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अपने पहले वाले आंकड़े में बदलाव करते हुए कहा है कि भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली अपने करियर में 825 नहीं बल्कि कुल 1,547 दिन नंबर एक बल्लेबाज रहे हैं। इसके साथ ही विराट एकदिवसीय रैंकिंग में सबसे अधिक समय तक शीर्ष पर रहने वाले तीसरे बल्लेबाज बन गये हैं। अब केवल वेस्टइंडीज़ के महान खिलाड़ी विव रिचर्ड्स ही 2,306 दिन और ब्रायन लारा ही 2,079 दिन के साथ ही उनसे आगे हैं। आईसीसी ने अपने ताजा अपडेट में लिखा, विराट अक्टूबर 2013 में पहली बार एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे थे और अब तक कुल 1547 दिन नंबर 1 स्थान रहे हैं, ये किसी भी अन्य भारतीय बल्लेबाज से ज्यादा समय है। वहीं विश्व स्तर पर सूची में वह तीसरे नंबर पर हैं, इस सूची में नंबर एक पर वेस्टइंडीज के दिग्गज विवियन रिचर्ड्स हैं, जो 2,306 दिनों तक शीर्ष पर रहे थे जबकि ब्रायन लारा 2,079 दिन के साथ ही दूसरे नंबर पर हैं। इस बदलाव से अब विराट कई दिग्गज खिलाड़ियों से आगे निकल गए हैं और लंबे समय तक शीर्ष पर रहने के मामले में रिचर्ड्स और लारा के बाद तीसरे नंबर पर आ गए हैं।

सुंदर न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से भी बाहर हुए

टी20 विश्व कप 2026 में खेलना भी संदिग्ध

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली पांच टी20 मैचों की सीरीज से पहले ही करारा झटका लगा है। टीम के स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर एकदिवसीय के बाद अब टी20 सीरीज से भी बाहर हो गये है। सुंदर को पहले एकदिवसीय में चोट लग गयी थी। इस कारण वह दूसरे और तीसरे एकदिवसीय से भी बाहर हो गये थे। वहीं अब वह टी20 सीरीज में भी नहीं खेलेंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार वह अभी तक पसली की चोट से नहीं उबर पाये हैं। वडोदरा में एकदिवसीय सीरीज के पहले मैच के दौरान ही उन्हें ये चोट लगी थी। अभी ये तय नहीं है कि सुंदर टी20 विश्व कप 2026 में खेल पायेंगे या नहीं। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज 21 जनवरी से नागपुर में शुरु हो रही है। वहीं विश्वकप अगले माह 7 फरवरी से खेला जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार सुंदर का अभी ठीक होने में समय लगेगा। अभी ये पता नहीं चला है कि वह टी20 विश्व कप से पहले पूरी तहर से ठीक हो पाएंगे या नहीं। वह शनिवार को रिहैब के लिए बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) में पहुंचेंगे। उसी के बाद पता चलेगा कि उन्हें ठीक होने में कितना समय लगेगा। सुंदर की जगह आयुष बडोनी को एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया था। बडोनी बल्लेबाजी के साथ ही स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं। अब देखना है कि उन्हें टी20 सीरीज में भी जगह मिलती है या नहीं

सुंदर के चोटिल होने के साथ ही विश्वकप से पहले टीम को दूसरा झटका लगा है। इससे पहले तिलक वर्मा भी चोटिल होकर सीरीज से बाहर हो गए थे। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टी20 मैच 21 जनवरी को नागपुर में खेला जाएगा। इसके बाद 23 जनवरी को रायपुर में दूसरा टी20 मैच आयोजित होगा। तीसरा मैच 25 जनवरी को गुवाहाटी जबकि 28 जनवरी को चौथा मैच विशाखापत्तनम में खेला जाएगा। सीरीज का अंतिम मैच 31 जनवरी को तिरुवनंतपुरम में खेला जाएगा।

एसएक 20 क्रिकेट लीग में हैट्रिक लगाने वाले दूसरे गेंदबाज बने बार्टमैन

सेंचुरियन। यहां जारी एसएक 20 क्रिकेट लीग में ओटनील बार्टमैन ने शानदार हैट्रिक और पांच विकेट लेकर पार्ल रॉयल्स को प्रिटोरिया कैपिटल्स के खिलाफ जीत दिलाकर प्लेऑफ में पहुंचाया। बार्टमैन ने 16 रन देकर 5 विकेट लेकर प्रिटोरिया की पारी 127 रनों पर ही समेट दी। बार्टमैन अब लुंगी एनगिडी के बाद इस लीग में हैट्रिक लेने वाले दूसरे गेंदबाज बन गए हैं। , इसक बाद प्रिटोरिया ने 29 गेंदें पहले ही मुकाबला जीत लिया। हाल में टी20 विश्वकप के लिए बार्टमैन को टीम में जगह नहीं मिली थी। जिसका उन्होंने करारा जवाब दिया है। उन्होंने अबतक 11 विकेट लिए हैं। बार्टमैन अब इस लीग में 14.10 की औसत से सिर्फ 30 मैचों में 57 विकेट लेकर सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ बन गए हैं।

डब्ल्यूपीएल : हरलीन के शतक से यूपी वारियर्स को मिली पहली जीत

नई दिल्ली। हरलीन देओल के नाबाद 64 रनों की सहायता से यूपी वारियर्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) क्रिकेट में मुंबई इंडियंस को सात विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही यूपी को इस टूर्नामिंट में पहली जीत मिली है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए नैट साइवर ब्रंट के अर्धशतक 65 रनों की सहायता से मुम्बई ने पांच विकेट पर 161 रन बनाये थे। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को यूपी ने तीन विकेट के नुकसान पर 18.1 ओवरों में ही 162 रन बनाकर हासिल कर लिया। हरलीन ने 64 रनों की नाबाद पारी खेलकर टीम की जीत में सबसे बड़ा योगदान दिया।

इस मैच में यूपी की ओर से मैग लैनिंग और किरण नवगिरे ने पावरप्ले में अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 42 रन बनाये। लैनिंग 25 और किरण 10 बनाकर पेवेलियन लौटीं। लगातार दो विकेट गिरने से परेशानी में आई यूपी को हरलीन ने संभाला। इसके अलावा फोएबे लिचफील्ड ने 25 रन जबकि क्लोए ट्रोन ने नाबाद 27 रन बनाए। हरलीन ने 39 गेंदों में 12 चौके लगाते हुए 64 रनों की पारी खेलकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। चार मुकाबलों में यूपी की यह पहली जीत है।

वहीं इस मैच में हार से मुंबई की साइवर ब्रंट की अर्धशतकीय पारी बेकार हो गयी। ब्रंट ने 43 गेंद में 65 रन बनाकर मुम्बई को अच्छे स्कोर तक पहुंचाया था। उनके अलावा अमनजोत कौर ने 38 रन बनाये थे।

मुंबई इंडियंस को इस सत्र में चार मुकाबलों में दो में हार मिली है। मुंबई अंकतालिका में चार अंक के साथ ही दूसरे स्थान पर है। वहीं चार अंक के साथ ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) बेहतर रन औसत के कारण पहले नंबर पर है। वहीं गुजरात जायंट्स तीन मैचों में दो जीत और एक हार के साथ चार अंक लेकर तीसरे स्थान पर है।

अंडर-19 में खेल रहे जकीम पोलार्ड नहीं हैं कीरोन पोलार्ड के बेटे

हरारे । अंडर-19 विश्व कप 2026 में तंजानिया से हुए पहले मैच में वेस्टइंडीज ने 5 विकेट से जीत हासिल की। इस दौरान वेस्टइंडीज की टीम में शामिल जकीम पोलार्ड नाम के क्रिकेटर की चर्चाएं रहीं। कहा गया कि जकीम पोलार्ड पूर्व क्रिकेटर कीरोन पोलार्ड के बेटे हैं। इसके बाद सोशल मीडिया पर जकीम को कीरोन पोलार्ड के साथ जोड़कर दिखाया गया पर बाद में पता चला कि ये सही नहीं है। जकीम कीरोन पोलार्ड के बेटे नहीं हैं। कीरोन पोलार्ड के बेटे का नाम कैडेन पोलार्ड है और वह 16 साल के हैं। कैडेन ने हाल ही में अंडर -15 में खेला था। वहीं जकीम एक एक बाएं हाथ के गेंदबाज हैं। जकीम को हाल ही में वेस्टइंडीज के लिए श्रीलंका, इंग्लैंड और आयरलैंड अंडर-19 टीम के खिलाफ खेलने का अवसर मिला था।

रोहित को कप्तानी से हटाने पर पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी ने उठाये सवाल

मुम्मई । पूर्व क्रिकेटर मनोज तिवारी अपने विवादास्पद बयान के लिए हमेशा चर्चाओं में रहे हैं। अब उन्होंने एक नया मामला उठा दिया है। तिवारी ने कहा है कि एकदिवसीय टीम की कप्तानी से रोहित शर्मा को हटाने के पीछे मुख्य कोच गौतम गंभीर की भी भूमिका होगी। तिवारी का कहना है कि जिस प्रकार से रोहित की जगह शुभमन गिल को एकदिवसीय की कप्तानी दी गयी है उससे ये संदेह गहराता है। उनका कहना है कि केवल चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर इस प्रकार का फैसला ले लेंगे ये हो नहीं सकता है तिवारी के अनुसार रोहित ने टीम को आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में जीत दिलायी और और काफी अच्छी बल्लेबाजी भी की थी। उन्होंने कहा कि ये सवाल इसलिए भी उठ रहे हैं क्योंकि रोहित भारतीय क्रिकेट के सबसे सफल कप्तानों में से एक रहे हैं। हाल के वर्षों में उन्होंने दो आर्सीसी टूर्नामेंटों में भारत को खिताबी जीत दिलाई और टीम को स्थिरता दी। इसके बावजूद चयन समिति ने एकदिवसीय

प्रारुप में कप्तानी से हट दिया। इस कदम को भविष्य की तैयारी के तौर पर पेश किया गया है पर कई पूर्व खिलाड़ियों और प्रशंसको को ये बात सही नहीं लगी है।

तिवारी ने कहा कि यह मानना कठिन है कि इतना बड़ा फैसला तभी लिया जाता है जब टीम मैनेजमेंट और कोचिंग स्टाफ से कोई संकेत मिलते हैं। उन्होंने कहा कि गंभीर की राय भी इस फैसले में शामिल रही होगी और जिम्मेदारी केवल चयन समिति प्रमुख पर नहीं डाली जा सकती है। गौरतब है कि कि इससे पहले चयन समिति ने कहा था कि साल 2027 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए युवा बल्लेबाज शुभमन गिल को एकदिवसीय कप्तान बनाया है। बोर्ड का मानना है कि लंबे समय तक एक कप्तान के साथ काम करने से टीम को स्थिरता मिलेगी। हालांकि, रोहित की उम्र को लेकर उठे सवालों के बावजूद उन्होंने फिटनेस, प्रदर्शन और मानसिक मजबूती से साबित किया है कि वह अभी भी शीर्ष स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं।

शुभमन के बचाव में उतरे गुजरात टाइटंस के सीओओ

कोलकाता। गुजरात टाइटंस के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) कर्नल अरविंदर सिंह ने टीम के कप्तान शुभमन गिल का बचाव करते हुए कहा कि टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह नहीं मिलना एक छोटा सा झटका है और उन्होंने इसे स्वीकार किया है। वह अपने प्रदर्शन से इसका जवाब देंगे। साथ ही कहा कि इस प्रकार के अवसर हर एक खिलाड़ी के जीवन में आते हैं। शुभमन इससे सबक लेते हुए एक बेहतर खिलाड़ी बनेंगे। गौरतलब है कि टेस्ट और एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन को पहले टी20 प्रारुप में भी उपकप्तान बनाया गया था पर विश्वकप के ठीक पहले उन्हें बाहर कर दिया गया था।

सहवाग, युवराज और कैफ 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के प्रोमो में नजर आये

मुम्बई (ईएमएस)। कपिल शर्मा के लोकप्रिय कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का नया प्रोमो सामने आया है। इस शो में तीन दिग्गज क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग, युवराज सिंह और मोहम्मद कैफ मेहमान के तौर पर पहुंचे हैं। प्रोमो की शुरुआत में ही कपिल अपने मजाकिया अंदाज में हैं कि युवराज सिंह और वीरेंद्र सहवाग इतने चौके-छक्के मारते थे कि चीयरलीडर्स दुआ करती थीं कि राहुल द्रविड़ बल्लेबाजी करने आएं, जिससे उन्हें थोड़ी देर आराम मिल सके। इससे सभी हंसने लगते हैं। वहीं प्रोमो में मोहम्मद कैफ अपने को सहवाग और युवराज के मुकाबले गरीब बताते नजर आते हैं। कैफ हंसी मजाक में कहते हैं कि अगर सहवाग और युवराज यहां अपने कपड़े भी झाड़ दें, तो 5-6 करोड़ रुपये वैसे ही गिर जाएं। इस पर सभी जोरदार हंसने लगने हैं। वहीं कपिल तीनों रिटायर्ड क्रिकेटर्स से यह भी पूछते हैं कि क्रिकेट से संन्यास के बाद वे अपना ज्यादातर समय किस काम में बिताते हैं। इस पर युवराज कहते हैं कि वह आलसी हो गये हैं। वह गोल्फ खेलते हैं और अपने पुराने साथी खिलाड़ियों को भी खेलने के लिए बुलाते हैं, लेकिन कोई आता ही नहीं। इस पर सहवाग तुरंत जवाब देते हैं कि वह गोल्फ-वोल्फ कुछ नहीं खेलते, बल्कि खाने पर पूरा ध्यान देते हैं और गोल्फ खेलने से क्या फायदा होगा। प्रोमो के अंत में तीनों क्रिकेटर्स एक-दूसरे की नकल उतारकर सामने वाले से पहचानने को कहते हैं। युवराज हरभजन सिंह की नकल करते हैं, लेकिन मोहम्मद कैफ उसे पहचान नहीं पाते और उनसे और बेहतर एक्टिंग करने को कहते हैं। इसके जवाब में युवराज भी कैफ से बदला लेते हुए उनसे कहते हैं कि वह भी क्रिकेटर की थोड़ी अच्छी नकल करें, ताकि वह पहचान सकें। इससे ये शो दर्शकों के लिए खासा मनोरंजक बन गया।

मांजरेकर के एकदिवसीय प्रारुप को आसान कहने से सहमत नहीं हैं हरभजन

मुम्बई। पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि कोई भी प्रारुप आसान नहीं होता है। हरभजन ने ये बात पूर्व बल्लेबाज संजय मांजरेकर के उस बयान को लेकर दी है। जिसमें उन्होंने कहा था कि विराट कोहली को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं लेना चाहिये था। साथ ही कहा कि एकदिवसीय प्रारुप आसान होने के कारण ही विराट उसमें खेल रहे हैं। वहीं हरभजन ने मांजरेकर के इस बयान को खारिज करते हुए कहा है कि ये उनके निजी विचार हो सकते हैं। कोई भी प्रारुप आसान नहीं होता। अगर ऐसा होता तो कोई भी एकदिवसीय में रन बना लेता।

इस पूर्व स्पिनर ने कहा कि किसी भी फॉर्मेट में रन बनाना आसान नहीं होता। उन्होंने कहा, अगर किसी प्रारुप में रन बनाना इतना ही आसान होता तब तो हर कोई रन बनाता।ये मायने नहीं रखता कि कौन किस प्रारुप में खेल रहा है। जहां तक विराट की बात है वह एक प्रारुप में खेलें या सभी में, वह एक शानदार खिलाड़ी हैं और भारत के लिए लंबे समय से मैच विजेता रहे हैं। हरभजन ने कहा कि अपने प्रदर्शन से विराट अगली पीढ़ी को प्रेरित करते हैं। मांजरेकर के सोचने का अपना तरीका हो सकता है पर मैं मानना हूं कि विराट और एकदिवसीय प्रारुप में खेल रहे खिलाड़ियों ने इस खेल को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाई है। विराट एक अविश्वसनीय खिलाड़ी हैं। यहां तक कि अगर आज भी वह टेस्ट क्रिकेट खेलते तो वह हमारे मुख्य खिलाड़ी होते।वहीं इससे पहले मांजरेकर ने कहा था कि विराट अपनी कमियों, समस्याओं पर काम करने की जगह पर टेस्ट से दूर हो गये। उन्होंने कोहली के टेस्ट पर एकदिवसीय को रखने पर भी नाराजगी जताई। मांजरेकर ने कहा था, जैसे जो रूट टेस्ट क्रिकेट में नई ऊंचाई हासिल कर रहे हैं, विसा ही विराट भी कर सकते थे।

बांग्लादेशी खिलाड़ियों ने नजमुल से सार्वजनिक रुप से माफी मांगने कहा

ढाका। बांग्लादेश में क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के निदेशक नजमुल इस्लाम के वित्तीय प्रुमख के पद से इस्तीफे के बाद भी क्रिकेटरों का गुस्सा कम नहीं हुआ है। क्रिकेटरों ने नजमुल की अपमानजनक टिप्पणियों की आलोचना करते हुए उनसे सार्वजनिक रुप से माफ मांगने की मांग की है। इससे पहले बीसीबी ने नजमुल को अपनी वित्त समिति के प्रमुख पद से भी हटा दिया था। इसके बाद भी क्रिकेटरों की नाराजगी समाप्त नहीं हुई है। उन्होंने साफ कहा है कि नजमुल को सार्वजनिक रुप से माफी मांगनी होगी। इसके बाद ही खिलाड़ी खेलने के लिए उतरेंगे। इससे बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) के मुकाबले भी रुक गये हैं। गत दिवस क्रिकेटरों के बहिष्कार के कारण दोनो मैचों को स्थगित करना पड़ा था। नजमुल को बीसीबी की वित्तीय कमिटी के चेयरमैन पद से तो हटा दिए गए हैं पर वह अभी भी बोर्ड निदेशक के पद पर अभी भी बने हुए हैं पर माना जा रहा है कि क्रिकेटरों के बहिष्कर को देखते हुए उन्हें इस पद से भी हटाया जाना तय है। वहीं क्रिकेटर्स वेल्फेयर असोसिएशन ऑफ बांग्लादेश ने कहा है कि नजमुल के सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने के बाद ही वे खेलने लौटेंगे।

गौरतलब है कि नजमुल ने टी20 विश्व कप के लिए भारत जाने से इंकार करते हुए कहा था कि खिलाड़ियों को मुआवजा नहीं दिया जाएगा क्योंकि उन्होंने अब तक एक भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) टूर्नामेंट नहीं जीता है। इस बयान से खिलाड़ी बेहद नाराज हुए और उन्होंने इसे अपना अपमान माना है। बीसीबी ने नजमुल को इसके लिए कारण बताओ नोटिस भी जारी किया।

बीसीबी ने कहा, ' बोर्ड आपत्तिजनक टिप्पणियों पर अपनी ओर से खेद जताता है। बीसीबी इन टिप्पणियों से हुई चिंता को स्वीकार करता है और पेशेवरपन, क्रिकेटरों के प्रति सम्मान और क्रिकेट के खेल को बढ़ावा देने वाले मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता है।' बोर्ड ने कहा कि नजमुल के खिलाफ पहले ही औपचारिक अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है। नजमुल ने इससे पहले पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को 'भारत का एजेंट' बताया था जब उन्होंने भारत के साथ गतिरोध को संयम से संभालने की बात कही थी और चेतावनी दी थी कि आज लिए गए फैसलों का असर 10 साल तक दिखेगा। खिलाड़ियों ने नजमुल के बयान की कड़ी निंदा की थी।

अगले माह पांच फरवरी तक दक्षिण अफ्रीका में अभ्यास करेंगे नीरज

नई दिल्ली । भारत के ओलंपिक पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा अभ्यास के लिए दक्षिण अफ्रीका के पोटचेफस्ट्रूम गये हैं। खेल मंत्रालय ने मिशन ओलंपिक सेल के नए कोच जय चौधरी के साथ उनके 32 दिवसीय इस शिविर को मंजूरी दी है। नीरज ने पिछले सप्ताह ही चेक गणराज्य के जान जेलेजनी के साथ अपना कोचिंग करार तोड़ दिया था। इसके बाद वह कोच के तौर पर जय के साथ जुड़ गये थे। एक रिपोर्ट के अनुसार नीरज पांच फरवरी तक पोटचेफस्ट्रूम में ही रहेंगे। गौरतलब है कि टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) में शामिल एलीट खिलाड़ियों के लिए ये योजना शुरु की गयी है ताकि वह बेहतर तरीके से तैयारी कर सकें। अभ्यास शिविर के लिए नीरज के साथ फिजियोथेरेपिस्ट इशान मारवाहा भी गये हैं। इस अभ्यास सत्र का लक्ष्य इस साल होने वाली प्रमुख प्रतियोगिताओं एशियाई खेलों के साथ ही राष्ट्रमंडल खेलों के लिए खिलाड़ियों की तैयारियों को बेहतर बनाना है। नीरज पिछले साल मांसपेशी में खिंचाव के कारण दोहा डाइमंड लीग में 90 मीटर से अधिक भाला नहीं फेंक पाये थे।

किरनापुर मे ऑल इंडिया वालीबॉल टूर्नामेंट का हुआ भव्य शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। सूर्योदय स्पोर्टिंग वालीबॉल क्लब किरनापुर के तत्वावधान मे तीन दिवसीय वालीबॉल टूर्नामेंट का भव्य शुभारंभ अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मायाराम कौल के मुख्यातिथ्य, तहसीलदार किरनापुर वर्षा झारिया की अध्यक्षता एवं जनपद पंचायत किरनापुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रामगोपाल यादव, नायब तहसीलदार बबीता मुर्रा, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष भूषण भाऊ राहंगडाले,सामाजिक कार्यकर्ता मंगल प्रसाद रैकवार, करणव सेना अध्यक्ष प्रकाश बर्डे, जनपद पंचायत सभापति योगराज भास्कर सहित अनेक गणमान्य नागरिकों की मौजूदगी में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सर्वप्रथम एसडीएम मायाराम कौल द्वारा सूर्योदय स्पोर्टिंग वालीबॉल क्लब के ध्वज का ध्वजारोहण कर करते हुए राष्ट्रगान जन गण मन का सामूहिक रूप से गायन किया गया। तत्पश्चात् नेट से वालीबॉल का फीता काट कर शुभारंभ किया गया। वही प्रतियोगिता का शुभारंभ मैच दिल्ली एवं साई पंजाब के टीमों के मध्य खेलकर टूर्नामेंट का आगाज किया गया।इस अवसर पर टूर्नामेंट समिति अध्यक्ष डॉ नर्स बद्रीकार, उपाध्यक्ष मुकेश सिंह चौहान,सचिव शिव तारन, कोषाध्यक्ष संजय चौधरी,आर पी श्रीवास्तव, लखन यादव, योगेन्द्र सुनेरी डी डी मेश्राम,मंगल प्रसाद रैकवार, जे पी रामटेके,अजय सर्राकोल्हे, सोनू अली,कमलेश चौधरी, चंद्रप्रकाश राहंगडाले,अनिल बारपेकर, परवेज अली,बंटी अर्जुनवार,अंकुश पचधरिया, राकेश बोरकर, अहद लाजा, शुभम शेंडे,दीपक भालाधरे, सुमित शेंडकार, अंकुश गोस्वामी,पीयूष शर्मा, अमोल पचधरिया सहित अनेक सदस्यगण एवं वालीबॉल खिलाड़ियों ने क्षेत्रवासियों से वालीबॉल टूर्नामेंट के मैचों का लुत्फ लेने अधिक से अधिक संख्या मे उपस्थित होने की अपील की है।

बच्चे खेल के माध्यम से क्षेत्र का नाम रोशन करें - एसडीएम कौल

इस अवसर पर अपने उद्बोधन मे एसडीएम मायाराम कौल ने कहा कि किरनापुर जैसे छोटे से जगह पर बीते 25 सालों से राष्ट्रीय स्तर वालीबॉल का टूर्नामेंट कराया जाना अपने आप मे बेहद ही गर्व का विषय है। आशा है किरनापुर एवं आसपास के गांवों के उभरते हुए खिलाड़ी भी इस प्रतियोगिता मे शामिल हो। तथा राष्ट्रीय स्तर पर नये होनहार बच्चे खेल के माध्यम से क्षेत्र का नाम रोशन करें। टूर्नामेंट के भव्य आयोजन के लिए आयोजकों को भी बहुत बहुत शुभकामनाएं।

राष्ट्रीय स्तर का आयोजन करना करवाना अपने आप मे गर्व का विषय - तहसीलदार झारिया

इस कार्यक्रम के दौरान अपने उद्बोधन मे तहसीलदार वर्षा झारिया ने कहा कि किरनापुर जैसे छोटे से जगह पर राष्ट्रीय स्तर वालीबॉल टूर्नामेंट मे का आयोजन किया जाना हर्ष की बात है। यहां जो टीमें भाग ले रही उन सभी को शुभकामनाएं। जैसा कि क्लब का नाम ही सूर्योदय है उसी तरह से आप सभी उत्तरोत्तर प्रगति करते रहें सभी को शुभकामनाएं।

पटले दुग्ध डेयरी में की छापामार कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। कटंगी। बालाघाट कलेक्टर मृणाल मीणा के निर्देशन पर शुक्रवार की शाम 04 बजे खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने कटंगी शहर के पुराना पेट्रोल पंप चौक में स्थित पटले दुग्ध डेयरी में छापामार कार्रवाई की। पाथरवाड़ा निवासी भरत पटले के द्वारा पटले दुग्ध डेयरी का संचालन किया जा रहा था। खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी मनीष मोहिते के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा अधिकारी योगेश डोंगरे और गीता नाईकर ने कार्रवाई को अंजाम दिया। प्रारंभिक जांच में फूड लाइसेंस एक्सपायर मिला। डेयरी से दूध के नमूने एकत्रित किए गए हैं जिसे जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। इसके साथ ही डेयरी संचालक को लाइसेंस को वैधता जारी रखने के लिए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि कटंगी में अब इस तरह की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि जिले में नागरिकों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। और, अगर अब विभाग अपने इन दावों पर ईमानदारी से कार्य करता है तो कटंगी शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में संचालित होने वाली कई दुकानें बंद हो सकती है।

दो सैकड़ा से अधिक श्रद्धालुओं का जत्था रामलला के दर्शन करने अयोध्या रवाना

अयोध्या से रामजी के चरणरज व सरयू और गंगा से जल लेकर आएंगे श्रद्धालु

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या धाम दर्शन के लिए 16 जनवरी शुक्रवार को होशपुर भरवेली से श्रद्धालुओं का जत्था अयोध्या के लिए रवाना हुआ।जहा के दो सैकड़ा से अधिक श्रद्धालुओं को श्रीरामंदिर से 4 बसों के द्वारा रवाना किया गया। इस दौरान विष्णुधाम इमलीटेकरा होशपुर से ढोल व बैण्ड की धुनों के साथ पैदल श्री राममंदिर तक श्रद्धालुओं को रवाना करने स्थानीयजन व विहिप एवं राष्ट्रीय स्वयं संघ के पदाधिकारी भी पहुंचे। श्रीराम मंदिर में प्रभु श्रीराम व वीर हनुमान की पूजा कर श्रद्धालुओं को रवाना किया गया। इस यात्रा को उद्योगपति व समाजसेवी किरण भाई त्रिवेदी, राष्ट्रीय स्वयं सेवक पदाधिकारी वैभव कश्यप, विहिप जिलाध्यक्ष चंद्रेश लालू चावड़ा, भरवेली सरपंच श्रीमती रीता बिसेन द्वारा झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में स्थानीयजन मौजूद रहे।

इस अवसर पर समाजसेवी किरण भाई त्रिवेदी ने बताया कि विष्णुधाम इमलीटेकरा होशपुर में 205 फीट ऊंची हनुमानजी की मूर्ति स्थापित की जा रही है। यहां मंदिर निर्माण के लिये अयोध्या में प्रभु श्रीराम के चरण रज व सरयू एवं प्रयागराज से गंगा का जल लेकर श्रद्धालु वापस लौटेंगे। उन्होंने बताया कि अयोध्या धाम के लिये विष्णुधाम होशपुर के सेवक नरेन्द्र महाराज के नेतृत्व में श्रद्धालुओं का जत्था अयोध्या के लिये रवाना हुआ है।

विष्णुधाम इमलीटेकरा में सबसे ऊंची हनुमानजी की प्रतिमा स्थापित की जा रही है। जो सभी श्रद्धालुओं के लिये आस्था का केन्द्र बनेगी।

इस दौरान विहिप जिलाध्यक्ष चंद्रेश चावड़ा व नरेन्द्र महाराज ने बताया कि प्रभु श्रीराम की कृपा से विष्णुधाम इमलीटेकरा में हनुमान जी की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। जिसका भूमिपूजन शीघ्र किया जाएगा। इसके लिये दो सैकड़ा से अधिक श्रद्धालुगण प्रभु श्रीराम लल्ला के दर्शन करने व अयोध्या से मिट्टी एवं सरयू व गंगा का जल लाने रवाना हुये है। श्रद्धालुजन सरयू व प्रयागराज में आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य लाभ लेंगे। इस दौरान प्रमुख रूप से राजकुमार सोनी, पवन माकाम, डॉ. अंकित असाटी, शैलेन्द्र सेन, अनिल बिसेन, अंकित शिववंशी, पवन उइकवार सहित अन्य मौजूद रहे।

अब गांव के खिलाड़ी करेंगे मध्य प्रदेश ओलंपिक की तैयारी-विधायक अनुभा मुंजारे

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के ग्रामीण अंचलों के प्रतिभावान खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर देने के उद्देश्य से जिला स्तरीय खेलो एमपी यूथ गेम्स जिला स्तर खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के अंतर्गत आज खो-खो, कबड्डी, जूडो, बॉक्सिंग, कुश्ती एवं एथलेटिक्स खेलों का आयोजन हुआ, जिसमें जिले के 10 विकासखंडों से लगभग 500 खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती अनुभा मुंजारे जी, विधायक बालाघाट रहीं। उन्होंने भारत माता के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला खेल अधिकारी राहुल बारेला, जिला कबड्डी संघ के सचिव, एथलेटिक संघ के अध्यक्ष सहित अन्य खेल संघों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अपने उद्बोधन में विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने खेलो एमपी यूथ गेम्स मध्य प्रदेश की जय हो, हम सबकी विजय के स्लोगन के साथ खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि खेलो एमपी यूथ गेम्स मध्य प्रदेश शासन की एक सराहनीय पहल है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों को जिला स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल रहा है। यहां खिलाड़ी आगे चलकर संभाग एवं राज्य स्तर पर बालाघाट जिले का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अब गांव के खिलाड़ी भी मध्य प्रदेश ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं, जो जिले के लिए गर्व की बात है।

प्रतियोगिता में सभी खेल संघों, शिक्षा विभाग, आदिवासी विकास विभाग, खेल विभाग के अधिकारी, प्रशिक्षक एवं समस्त युवा समन्वयक मौजूद रहे और सफल आयोजन में सहयोग प्रदान किया। आयोजन समिति ने बताया कि कल 17 दिसंबर को एथलेटिक्स, शतरंज, टेबल टेनिस एवं टेनिस की प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी।

सड़क हादसे में घायल युवक की जिला अस्पताल में हुई मौत

पद्मेश न्यूज। कटंगी। कटंगी थाना क्षेत्र में खरपिया आवास टोला की ओर जाने वाले रास्ते के पास में गुरुवार की शाम करीब 06 बजे के आस-पास कटंगी से तिवसी की ओर जा रहे यात्री बस और विपरीत दिशा से आ रहे बाइक के बीच जबरदस्त टक्कर हो गई। इस सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल एक युवक की जिला अस्पताल बालाघाट में उपचार के दौरान मौत हो गई है। शुक्रवार को दोपहर 2 बजे कटंगी पुलिस पुष्टि करते हुए बताया कि सड़क हादसे में घायल निकेश तामेश्वर की मौत हो गई है। जिला अस्पताल में ही पीएम की कार्रवाई पूरी की गई। शुक्रवार को शाम करीब 6 बजे बस क्रमांक एमपी 50 पी 9763 से बाइक क्रमांक एमपी 50 एमडी 7753 की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार निकेश तामेश्वर और एकन डामेश्वर दोनों निवासी अमेरा गंभीर रूप से घायल हुए थे। दोनों को जिला अस्पताल में बालाघाट में भर्ती करवाया गया था। जहां निकेश ने अंतिम सांस ली। यह दोनों ही युवक अपने परिवार के लोगों के साथ अखा माई धाम आए हुए थे। दर्शन के बाद परिजन घर चले गए थे और यह दोनों युवक जन्मदिन की पार्टी के लिए चले गए थे। शाम करीब 06 बजे अमेरा की तरफ लौट रहे थे इसी दौरान हादसे का शिकार हो गए थे।

आज रोजगार मेला समेत अन्य आयोजनों में शामिल होंगी सांसद

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बालाघाट सिवनी संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी 17 जनवरी को प्रातः 10 बजे अपने निवास पर आमजनों से भेंट करेंगी और प्रातः 11 बजे गायखुरी बालाघाट में आयोजित राजा भोज क्रिकेट प्रतियोगिता कार्यक्रम में शामिल होंगी। सांसद श्रीमती पारधी प्रातः 11:30 बजे मुलना स्टेडियम बालाघाट में खेलो एमपी यूथ गेम्स 2025 के कार्यक्रम में शामिल होंगी और दोपहर 12:05 बजे हॉर्सशाइनिंग लॉन बालाघाट में राष्ट्रीय स्तरीय कराते प्रतियोगिता का शुभारंभ करेंगी। दोपहर 12:30 बजे वे पुलिस लाइन बालाघाट में रोजगार मेले के माध्यम से टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स में चयनित 110 बालिकाओं को बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगी। सांसद श्रीमती पारधी दोपहर 01 बजे बालाघाट से कटंगी के लिए प्रस्थान करेंगी और कटंगी में श्री मुकेश चौकसे की भांजी की तेरहवीं कार्यक्रम में शामिल होने के पश्चात दोपहर 02:30 बजे कटंगी से मुंबई के लिए प्रस्थान करेंगी।

भालवा महिला पुरुष एवं सुसवा ग्राम शाखाओं का पुनर्गठन संपन्न

योगराज पटले- संगीता भौतेकर भालवा,जितेंद्र चौहान सुसवा अध्यक्ष मनोनीत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारतीय बौद्धों की सर्वोच्च धार्मिक संस्था दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया माध्यम से धम्म का कारवां निरंतर गतिमान करने का कार्य निरंतर जारी है जिसके लिए राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष ट्रस्टी एवं केंद्रियमंत्री डॉ.भीमराव यशवंत राव आंबेडकर साहेब के निर्देशानुसार पूरे भारत देश में धम्म कार्य गतिमान हो रहा है उसी परिपेक्ष में मप्र राज्य में डॉ धनराज डोंगरे के कुशल नेतृत्व में धम्म संस्था के माध्यम से धम्म कार्य गतिमान हो रहा है इसी कड़ी में अशोक कुमार मेश्राम जिलाध्यक्ष एवं तहसील अध्यक्ष किरनापुर के निर्देश से ग्राम शाखा भालवा महिला पुरुष एवं सुसवा ग्राम शाखाओं का पुनर्गठन सर्कल अध्यक्ष डॉ सुभाषचंद्र रंगारे, महासचिव टी.चोरे इन कार्यकर्ताओं द्वारा अमूल्य योगदान देकर सम्पन्न कराया गया, जिसमें दिनांक 13 जनवरी को ग्राम भालवा के पुनर्गठन में अध्यक्ष योगराज पटले,महासचिव संजय भौतेकर, उपाध्यक्ष मनोज वैद्य,संघटक वैद्य,कोषाध्यक्ष मुकेश सोनवाने,कार्य सचिव प्रभुराज रंगारे,सचिव अजीत रंगारे,हिमराज रंगारे, कैलाश बासनिक, लेखा परीक्षक सुरेश वैद्य संगठक सालनंद मेश्राम, प्रमोद चोरे,अनंतलाल रंगारे,सुखलाल रंगारे,महिला शाखा भालवा के अध्यक्ष संगीता भौतेकर, महासचिव ममता वासनिक,उपाध्यक्ष कल्पना गजभिए, अनीता रंगारे,कोषाध्यक्ष भीमी वैद्य कार्य सचिव दुर्गावती वासनिक,सचिव पुष्प वैद्य संगठक वैद्य,ललिता मेश्राम, लेखा परीक्षक लता वासनिक,संगठक जसवंता वैद्य, अनीता बोरकर,किरण मेश्राम,मंजू सोनवाने को निर्विरोध किया गया तथा सुसवा ग्राम शाखा के पुनर्गठन में अध्यक्ष जितेंद्र चौहान,महासचिव संजय वैद्य कोषाध्यक्ष अशोक रामटेके,उपाध्यक्ष खुमेश रामटेके,सचिव सतीश भालाधारे,कार्य सचिव मनोज मेश्राम,सचिव उम्मेद खोब्रागडे,मदन रामटेके,दुर्योधन

राउत,साधना चौहान,लेखा परीक्षक निशा मेश्राम,संगठक अजय बोरकर अरविंद चौहान विक्की खोब्रागडे दीपक मेश्राम आदि को नियुक्तिया की गई,नियुक्ति पूर्व सभी ने धम्म संस्था को सदस्यता ग्रहण कर संस्था माध्यम से किए जाने वाले धम्म कार्य को निष्ठा से करने का संकल्प लेकर महासचिव एव दिया सर्कल के पदाधिकारी ने गठन पूर्व संगठन एवं नियम पर सभी जानकारियां दी।इस अवसर पर,सर्कल शाखा भालवा के कोषाध्यक्ष मनोज डोंगरे, सचिव जितेंद्र डोंगरे, उक्त तीनों ग्राम पुनर्गठन समारोह में धम्म अनुयायि भारी संख्या में उपस्थित रहे।

01 लाख 15 हजार 566 किसानों से 1419 करोड़ रुपए की खरीदी गई धान

समर्थन मूल्य पर 59 लाख 70 हजार 360 क्विंटल धान की हुई खरीदी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम दिलाने के लिए प्रदेश शासन की उपार्जन नीति के अनुरूप खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में बालाघाट जिले में समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी 01 दिसम्बर 2025 से की जा रही है, जो 20 जनवरी 2026 तक चलेगी।

जिला आपूर्ति अधिकारी श्री आर्क ठाकुर ने बताया कि चालू सीजन में जिले में 16 जनवरी 2026 को शाम तक 01 लाख 15 हजार 566 किसानों से 1419 करोड़ रुपए की 59 लाख 70 हजार 360 क्विंटल धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा चुकी है। किसानों से खरीदे गए धान का तेजी से उठाव कर गोदामों में पहुंचाया जा रहा है। अब तक 87 प्रतिशत से अधिक धान का परिवहन किया जा चुका है। किसानों को 1031 करोड़ रुपए का भुगतान किया जा चुका है। खरीदी केंद्रों पर किसानों से खरीदी गई धान का तेजी से उठाव कर परिवहन किया जा रहा है और गोदामों में पहुंचाया जा रहा है। अब तक 50 लाख 48 हजार 780 क्विंटल धान का परिवहन कर गोदामों में पहुंचाया गया है, जो कि कुल खरीदी गई धान का 87 प्रतिशत है।

किसानों के खाते में पहुंची 1031 करोड़ रुपए की राशि

अब तक 1031 करोड़ रुपए की राशि किसानों के खाते में पहुंच गई है। उल्लेखनीय है कि खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए 01 लाख 30 हजार 37 किसानों द्वारा अपना पंजीयन किया गया है। जिले के जिन खरीदी केंद्रों पर अधिक मात्रा में धान की खरीदी हो रही है, उन पर अतिरिक्त निगरानी रखी जा रही है। खरीदी केंद्रों से धान का उठाव कर उसे शीघ्रता से गोदामों में पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। किसानों से कहा गया है कि शासन की उपार्जन नीति के अनुसार एफएक्यू गुणवत्ता का धान ही समर्थन मूल्य पर खरीदा जाएगा। अतः वे अपनी धान को अच्छी तरह से साफ कर एवं सुखाकर ही विक्रय के लिए लाए। उल्लेखनीय है कि जिले में गत वर्ष 01 लाख 09 हजार 961 किसानों से 54 लाख 99 हजार 620 क्विंटल धान की समर्थन मूल्य पर खरीदी की गई थी।

लामता महाविद्यालय में स्टार्टअप दिवस का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय महाविद्यालय लामता में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वावधान में तथा प्राचार्य श्री मुद्दलाल बिसेन की अध्यक्षता में 16 जनवरी को स्टार्टअप दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्री बिसेन ने उद्यमिता एवं स्वरोजगार पर विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित कर न केवल आत्मनिर्भर बना जा सकता है, बल्कि दूसरों को भी रोजगार उपलब्ध कराया जा सकता है। उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों के माध्यम से कम लागत में अधिक आय अर्जित करने पर जोर दिया।

कार्यक्रम प्रभारी डॉ. दुर्गेश्वरी टेम्भरे ने मंच संचालन करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को अध्ययन के साथ-साथ भविष्य की रोजगार संभावनाओं पर भी ध्यान देना चाहिए, जिससे वे नौकरी मांगने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बन सकें। कार्यक्रम में श्रीमती वंदना उरकुड़े ने कहा कि स्टार्टअप योजनाओं की प्रचार करने के साथ-साथ उन्हें निरंतर आगे बढ़ाने की सोच आवश्यक है। डॉ. अनिल चौरे ने छोटे-छोटे रोजगारों को देश की अर्थव्यवस्था की मजबूत करने का आधार बताया। श्री भूपेंद्र राजपूत ने कहा कि आत्मनिर्भरता और रोजगार देश की आर्थिक मजबूती की पहचान है। वहीं श्री प्रवेश यादव ने दोना-पत्तल निर्माण जैसे पारंपरिक रोजगारों से आय अर्जन की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को जागरूक करने की बात कही। कार्यक्रम में श्रीमती तुलसी झारिया, श्री महेश बरया, डॉ. भैरो प्रसाद अहिरवार सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

धान से भरे 39 ट्रकों को रजेगांव चेक पोस्ट से गोंदिया के लिए रवाना किया गया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की अंतिम तिथि 20 जनवरी निर्धारित है। धान खरीदी के अंतिम दिनों में कोई भी व्यापारी या बिचौलिया किसान के नाम पर अपनी धान का विक्रय न कर पाये इसके लिए कलेक्टर, मृणाल मीना के मार्गदर्शन में व्यापक स्तर पर निगरानी की जा रही है। इसी कड़ी में 15 जनवरी को रात्रि में कजई चेक पोस्ट से 39 धान के ट्रकों को राजस्व, पुलिस, मंडी एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों की निगरानी में कान्वाय बनाकर रजेगांव चेक पोस्ट से गोंदिया के लिए रवाना किया गया है। यह सभी ट्रक अन्य जिले एवं प्रदेश से धान लेकर आए थे, जिन्हें इस कजई चेक पोस्ट पर रोका गया था, ताकि इन ट्रकों का धान जिले के किसी भी केंद्र पर न पहुंच सके। 16 जनवरी को भी कजई चेक पोस्ट पर धान लेकर गोंदिया जाने वाले 06 ट्रक एवं जिले में खाली होने वाले 11 ट्रकों को रोका गया है। ट्रकों में भरी धान के दस्तावेजों को जांच के बाद गोंदिया जाने वाले ट्रकों को कान्वाय बनाकर के दी निगरानी में रजेगांव चेक पोस्ट से बालाघाट जिले की सीमा से बाहर किया जाएगा और जिले में खाली होने वाले धान के ट्रकों को 20 जनवरी तक चेक पोस्ट पर ही रोककर रखा जाएगा।

सुदृढ़ सड़क निर्माण कार्य से ग्रामीण मजदूरों को मिल रहा रोजगार

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। जनपद पंचायत किरनापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मडकापार में सुदृढ़ सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ होने से ग्राम के ग्रामीण मजदूरों को उनके अपने ही ग्राम में रोजगार मिल रहा है। ग्राम मडकापार के आवासटोला पहुंच मार्ग जो पूर्व में बरसात के दिनों में कीचड़ से सराबोर रहता था जहाँ हो जाया करता था। जिससे किसानों को अपने खेतों में आने जाने में एवं आवास टोला के ग्रामीणों नागरिकों को अपने घरों तक पहुंचने में भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। मार्ग के निर्माण हो जाने से अब ग्रामीण नागरिकों एवं किसानों की आवाजाही अब सुगम हो जाएगी। बताया गया है कि सुदृढ़ मार्ग में आवास टोला पहुंच मार्ग 1400 मीटर सड़क मार्ग के निर्माण कार्य के प्रथम चरण में मिट्टी डाली गई है। जिसे मार्ग पर फैलाने के काम में ग्राम के दर्जनों लोगों का सहारा लेकर कार्य करवाया जा रहा है। इस कार्य में ग्राम पंचायत मडकापार सरपंच नंदकिशोर बदवाईक, उपसरपंच कमल चौधरी ग्राम के समस्त पंचगण,सचिव बसंतलाल मलाहे,ग्राम रोजगार सहायक रेखा बिसेन, मेट सहित प्रतिष्ठितजनों का सहयोग मिल रहा है। वहीं ग्राम में आसानी से काम मिलने से ग्रामीणों में हर्ष की लहर व्याप्त है।

श्रमोदय आवासीय विद्यालयों में प्रवेश परीक्षा की अंतिम तिथि 28 जनवरी तक बढ़ी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल एवं स्कूल शिक्षा विभाग के मध्य हुए एमओयू के तहत संचालित पूर्णतः निःशुल्क श्रमोदय आवासीय विद्यालय में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए राहत भरी खबर है। पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों को सत्र 2026-27 में प्रवेश दिलाने के उद्देश्य से प्रवेश परीक्षा हेतु ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 20 जनवरी से बढ़ाकर अब 28 जनवरी 2026 कर दी गई है। जिला श्रम पदाधिकारी श्री मनोज टोप्पो ने बताया कि श्रमोदय आवासीय विद्यालय में सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 6वीं से 9वीं तक प्रवेश परीक्षा का आयोजन 8 फरवरी 2026 को किया जाएगा। श्रमोदय आवासीय विद्यालय भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, इंदौर में अधिक से अधिक विद्यार्थियों को अवसर देने के लिए आवेदन की अवधि बढ़ाई गई है। श्रमोदय आवासीय विद्यालय जबलपुर में प्रवेश से संबंधित जानकारी के लिए श्रीमती अर्चना साहिर रीछ, प्राचार्य मोबाइल नं. 9826471657, श्री प्रदीप सल्लामे प्रवेश प्रभारी मोबाइल नं. 9009099566, श्रीमती ग्रीटिका नंबर प्रवेश सहायक संदर्भ मोबाइल नं. 8319447571, श्री हुसैन कम्प्यूटर ऑपरेटर मोबाइल नं. 7582084259, 9644086853 एवं श्री अजीत गुप्ता मोबाइल नं. 7745968502 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

न्यूज गैलरी

किन्ही रोड पर मोटरसाइकिल की टक्कर से युवक की दर्दनाक मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना अंतर्गत ग्राम किन्ही रोड पर गुरुवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में 42 वर्षीय युवक की मौत हो गई। तेज रफ्तार और लापरवाही से चला रहे मोटरसाइकिल ने पैदल जा रहे युवक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक बालकृष्ण पिता दिलीप बिसेन (42 वर्ष) निवासी ग्राम खैरलांजी निवासी है। यह दुर्घटना 15 जनवरी की शाम लगभग 6 बजे उस समय हुई, जब बालकृष्ण खैरलांजी चौक से पैदल अपने घर की ओर जा रहा था। उसका घर किन्ही रोड पर स्थित पुरानी पुलिस चौकी के पास था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पुराने चौक के आगे किन्ही रोड पर खैरलांजी निवासी राहुल तिरपुडे ने तेज गति और लापरवाहीपूर्वक मोटरसाइकिल चलाते हुए बालकृष्ण को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बालकृष्ण के दोनों हाथ और दोनों पैरों में गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल को तत्काल खैरलांजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। चिकित्सकों के अनुसार, अत्यधिक गंभीर चोटों के कारण संभवतः बालकृष्ण की मौत मौके पर ही हो चुकी थी। जानकारी के मुताबिक, बालकृष्ण मूल रूप से ग्राम मुक्कुटोला, मोहाडी का निवासी था, लेकिन बचपन से ही अपने माता-पिता के साथ नाना-नानी के घर खैरलांजी में रह रहा था। उसके माता-पिता और नाना का पहले ही निधन हो चुका है। उसकी दो बहनों की शादी हो चुकी है और वे अपने-अपने ससुराल में रहती हैं, जबकि नानी अपनी बेटी के यहां निवास करती है। बालकृष्ण खैरलांजी में पुराना पुलिस चौकी के पास अकेला रहता था और खैरलांजी चौक पर गुमटी में जूते-चप्पल की दुकान चलाकर अपनी आजीविका अर्जित करता था। घटना की सूचना मिलने पर ग्राम मुक्कुटोला, मोहाडी से परिजन एवं रिश्तेदार, जिनमें अशोक बिसेन सहित अन्य लोग शामिल थे, मौके पर पहुंचे। 16 जनवरी को खैरलांजी पुलिस ने मृतक का शव पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिया। खैरलांजी पुलिस ने इस मामले में मोटरसाइकिल चालक राहुल तिरपुडे के विरुद्ध तेज गति व लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाकर मृत्यु कारित करने का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस द्वारा मामले की विवेचना जारी है। स्थानीय लोगों ने सड़क पर तेज रफ्तार वाहनों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

नई तारीख: गर्रा आरओबी की डेडलाईन 30 मार्च; वारासिवनी आरओबी की नई डेडलाईन 15 मार्च

कलेक्टर मृणाल मीना ने की रेलवे ओव्हरब्रिज निर्माण कार्यों की समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

कलेक्टर मृणाल मीना ने 16 जनवरी को रेलवे, सेतु निर्माण संभाग, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर जिले में विभिन्न स्थानों पर बनाए जा रहे रेलवे ओव्हरब्रिज के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में एसडीएम गोपाल सोनी भी उपस्थित थे। कलेक्टर श्री मीना ने बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि रेल ओव्हरब्रिज के कार्य शीघ्रता से पूर्ण किये जाए। ब्रिज पर लाईटिंग की समुचित व्यवस्था की जाये जिससे अंधेरे के कारण किसी भी तरह की दुर्घटना आदि न हो। ब्रिज के कार्य गुणवत्ता के साथ किये जाए। रेल ओव्हरब्रिज के कार्य पूर्ण नहीं होने से यातायात में समस्या हो रही है, अतः इस कार्य को शीघ्रता से पूर्ण कराया जाए। गर्डर लांचिंग की समय सीमा अब नहीं बढ़ायी जाएगी।

बैठक में सर्वप्रथम सरेखा रेल ओव्हरब्रिज के कार्य पर चर्चा की गई। इस दौरान बताया गया कि इस ब्रिज की एक ओर की सर्विस रोड का कार्य एक सप्ताह में प्रारंभ कर दिया जाएगा। कलेक्टर श्री मीना ने सरेखा ओव्हरब्रिज रोड के सरफेस (सतह) का कार्य संतोषजनक नहीं होने के कारण इस कार्य में सुधार करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि ओव्हरब्रिज की दोनों ओर की सर्विस रोड का कार्य पूर्ण हो जाने पर ओव्हरब्रिज में कुछ समय के लिए ट्रैफिक डायवर्ट कर सरफेस के सुधार एवं मरम्मत का कार्य कराया जाए। उन्होंने सेतु निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले में अन्य स्थानों पर बन रहे रेल ओव्हरब्रिज की सड़क के सरफेस पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। सरेखा रेल ओव्हरब्रिज पर लाईटिंग एवं हाईमास्क लाईट शीघ्र लगाने के निर्देश दिए।

गर्रा रोड पर वैनगंगा के किनारे बन रहे रेल ओव्हरब्रिज की समीक्षा के दौरान बताया गया कि कार्य स्थल पर गर्डर आ चुके है और इसके लांचिंग का कार्य 27 जनवरी तक पूर्ण कर लिया जाएगा। गर्डर लांचिंग के बाद सेतु निर्माण विभाग द्वारा 10 फरवरी तक शेष कार्य को पूर्ण कर लिया जाएगा और 20 से 30 मार्च तक इस ओव्हरब्रिज में यातायात प्रारंभ कर दिया जाएगा।

वारासिवनी रोड पर बाम्हनी में बन रहे रेल ओव्हरब्रिज के कार्यों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि इस ब्रिज के गर्डर असेम्बल कर लिये गए है और 30 जनवरी तक गर्डर लांचिंग का कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। इसके बाद शेष कार्य सेतु निर्माण संभाग द्वारा किया जाएगा और 15 मार्च से इस ब्रिज से यातायात प्रारंभ हो जाएगा।

कलेक्टर श्री मीना ने भटेरा रेल ओव्हरब्रिज निर्माण के लिए भटेरा रोड पर अस्थायी बस स्टैण्ड की शीघ्र व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने रेलवे एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को सरस्वती नगर का डायवर्सन रोड का कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अस्थायी बस स्टैण्ड प्रारंभ होने एवं डायवर्सन रोड से यातायात शुरू होने के साथ ही ओव्हरब्रिज का कार्य तेजी से आगे बढ़ाया जाए।

बालाघाट में जागपुर घाट पर बन रहे पुल की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने इस कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर की और ठेकेदार को निर्देशित किया कि 30 जून तक इस कार्य को अनिवार्य रूप से पूर्ण कराए, अन्यथा उनका कांट्रेक्ट निरस्त करने की कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर श्री मीना ने सेतु निर्माण संभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये कि वे ठेकेदार के लिए इस कार्य का साप्ताहिक लक्ष्य तय करें और हर सप्ताह की प्रगति की रिपोर्ट उनके समक्ष प्रस्तुत करें। इस दौरान बताया गया कि पुल की स्लैब का अलग अलग भागों में निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है और पुल के पीयर का कार्य पूर्ण होते ही स्लैब को पीयर के ऊपर असेम्बल कर लगाया जाएगा। यह कार्य 30 जून तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

• बैठक में रेलवे के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि वारासिवनी कटंगी रोड पर शेरपार चौकी एवं अगासी में बन रहे रेल ओव्हरब्रिज का कार्य मार्च 2026 में पूर्ण हो जाएगा और इनसे आवागमन शुरू हो जाएगा।

उल्लेखनीय है कि भटेरा रेलवे क्रासिंग पर ओव्हरब्रिज निर्माण के लिए बैहर रोड पर डॉ. शिशिर खरे के मकान के सामने से भटेरा रोड के लिए ट्रैफिक डायवर्ट किया जाना प्रस्तावित है। इस मार्ग पर रेलवे द्वारा क्रासिंग बनाया जाना है। इस प्रस्तावित रेलवे क्रासिंग के आगे से दो पहिया वाहनों के लिए पंप हाउस गली होते हुए भटेरा रोड पर निकलने का रास्ता दिया जाएगा। जबकि हल्के चार पहिया वाहनों के लिए रेलवे क्रासिंग के आगे से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की छोटा सड़क को जोड़ा जाना प्रस्तावित है, इसके लिए 900 मीटर डब्ल्यूबीएम डायवर्सन रोड निर्माण की मंजूरी मिल गई है। भटेरा की ओर से आने वाली बसों के लिए पेट्रोल पंप के पास अस्थायी बस स्टैण्ड बनाया जाना भी प्रस्तावित है।

बैठक में सेतु निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री जोपी पटले, एसडीओ अर्जुन मनोडिया, गति शक्ति यूनिट रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर नितिश कुमार सिंह, मनीष श्रीवास्तव, दलिप बोहरे, रेलवे के अधिकारी एवं ठेकेदार उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम के दौरान दो पक्षों में झड़प, दो घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के खैरलांजी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम शंकर पिपरिया में मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर आयोजित छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान दो पक्षों के बीच विवाद हो गया, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। इस घटना में दो युवक घायल हो गए। दोनों घायल युवक ताजेंद्र पिता भागचंद पन्द्रे 21 वर्ष, और राज पिता छगनलाल बिसेन 17 वर्ष का इलाज सिविल अस्पताल खैरलांजी में किया गया। पुलिस ने दोनों पक्षों के कुल छह लोगों के खिलाफ मारपीट, जान से मारने की धमकी सहित अनुसूचित जाति एवं जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम शंकर पिपरिया निवासी ताजेंद्र पन्द्रे, मजदूरी करता है। वह 14 जनवरी की रात करीब 1 बजे अपने भाई अमन पन्द्रे के साथ गांव के अंबेडकर चौक में मकर संक्रांति के अवसर पर आयोजित छत्तीसगढ़ी कार्यक्रम देखने गया था। दोनों भाई कार्यक्रम स्थल पर बैठकर सांस्कृतिक कार्यक्रम देख रहे थे।

इसी दौरान गांव के राज बिसेन और उसका भाई विजय बिसेन भी कार्यक्रम स्थल पर मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान सभी लोग नाच रहे थे। नाचते-नाचते राज बिसेन, ताजेंद्र पन्द्रे के ऊपर गिर गया। इस पर ताजेंद्र ने उससे ठीक से नाचने को कहा। इसी बात पर राज बिसेन भड़क गया और उसने ताजेंद्र को जातिगत गालियां देते हुए विवाद शुरू कर दिया।

आरोप है कि इसके बाद राज बिसेन ने ताजेंद्र पन्द्रे के साथ अश्लील गालियां देते हुए हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। वहीं उसका भाई विजय बिसेन भी मौके पर पहुंच गया और ताजेंद्र के साथ मारपीट करने लगा। इसी दौरान ताजेंद्र के भाई अमन पन्द्रे, भीम पन्द्रे और प्रतीक सहारे भी वहां पहुंच गए और दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हो गई।

मारपीट के दौरान ताजेंद्र पक्ष द्वारा राज बिसेन को अश्लील गालियां देते हुए उसके गले में गमछा लपेटकर दोनों तरफ से खींचा गया, जिससे राज बिसेन को चक्कर आ गया और वह जमीन पर गिर पड़ा। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे को जान से मारने की धमकी भी दी। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव किया, तब जाकर मामला शांत हुआ। घटना में घायल हुए दोनों युवक 15 जनवरी को रिपोर्ट दर्ज कराने खैरलांजी थाना पहुंचे। पुलिस ने दोनों घायलों का चिकित्सकीय परीक्षण सिविल अस्पताल खैरलांजी में कराया। खैरलांजी पुलिस ने ताजेंद्र पन्द्रे की रिपोर्ट पर राज बिसेन और विजय बिसेन के खिलाफ मारपीट, जान से मारने की धमकी एवं अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम तथा भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। वहीं राज बिसेन की रिपोर्ट पर अमन पन्द्रे, भीम पन्द्रे, ताजेंद्र पन्द्रे और प्रतीक सहारे के विरुद्ध मारपीट एवं जान से मारने की धमकी के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की विस्तृत जांच में जुटी हुई है।

20 को होगी जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिला पंचायत की सामान्य सभा की बैठक 20 जनवरी दोपहर 12 बजे जिला पंचायत कार्यालय के सभा कक्ष में जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सिंह सरस्वार की अध्यक्षता में आयोजित की गई है। बैठक में जिले के विकास कार्यों की समीक्षा की जाएगी। बैठक के एजेंडे में पिछली सामान्य सभा के पालन प्रतिवेदन का प्रस्तुतीकरण, खनिज विभाग, वन विभाग, पीएमजीएसवाई अंतर्गत कार्यों, सिंचाई विभाग तथा उद्योग विभाग के कार्यों की समीक्षा शामिल है। इसके अतिरिक्त अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों पर भी चर्चा की जाएगी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ ने सभी सदस्यों से बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का अनुरोध किया है, ताकि जिले के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया जा सके।

मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिरी, युवक गंभीर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के परसवाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत चिखलाझोड़ी रोड पर ग्राम दलवाड़ा के पास बुधवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिरने से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में घायल युवक प्रतीक सोनवाने पिता शंकर सोनवाने, 30 वर्ष ग्राम माझापुर, थाना लालबर्रा निवासी है। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। बताया गया है कि प्रतीक अपने परिवार के साथ खेती किसानी का कार्य करता है। बुधवार शाम प्रतीक अपनी मोटरसाइकिल से अपने गांव माझापुर से मामा के गांव भौंडी (परसवाड़ा) जा रहा था। इसी दौरान चिखलाझोड़ी से परसवाड़ा की ओर जाते समय ग्राम दलवाड़ा के पास तेज रफ्तार के कारण मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई और वह मोटरसाइकिल सहित सड़क पर गिर पड़ा, जिससे उसे गंभीर चोटें आई। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक प्रतीक को तुरंत परसवाड़ा अस्पताल पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए। जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया। वर्तमान में घायल युवक का जिला अस्पताल में इलाज जारी है।

25-01-2026
9:00 AM
इंडिया का सबसे बड़ा जॉब फेयर
100 से अधिक कंपनियां
8,000 से अधिक रोजगार
Online Registration Web : jobsahi.com
JOB SAHi SATPUDA GROUP
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
B.Tech. Polytechnic
कैम्पस स्थान : सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, मांझापुर (गर्रा), बालाघाट (म.प्र.)
मोबा. 9425836824, 6262604111

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेढ़ापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरुनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवादी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

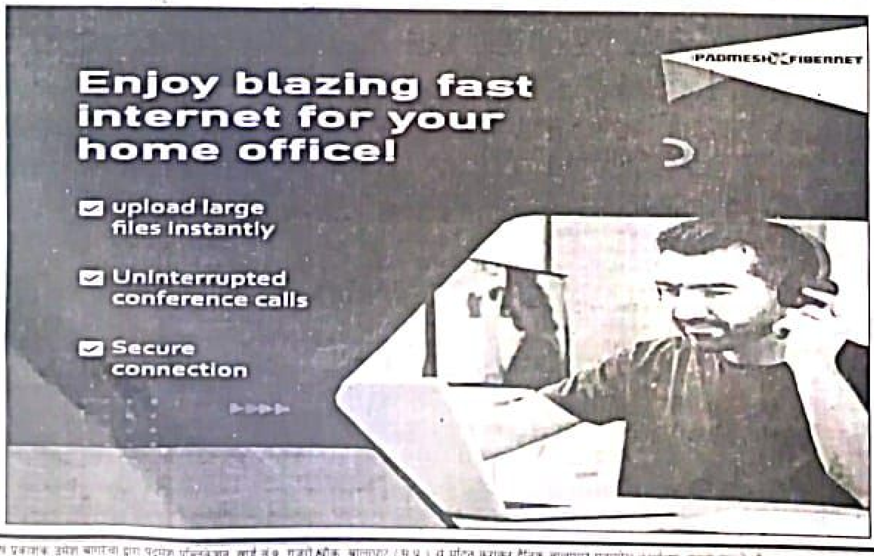

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.6, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट (म.प्र.) से प्रकाशित, प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो. नं. 9425138710
स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शाक्यि, ई मेल balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्र. MPHIN/2009/32311 न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट